@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 15 जून 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 207 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

विधानसभा उपचुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस की तैयारी

नई दिल्ली, 14 जून। देश में लोकसभा चुनाव के बाद अब कई राज्यों में विधानसभा उपचुनाव होने हैं। चुनाव आयोग ने विधानसभा उपचुनाव की तारीख का भी ऐलान कर दिया है, 10 जुलाई को 7 राज्यों के 13 विधानसभा उपचुनाव के मतदान होंगे। इस विधानसभा उपचुनाव में पश्चिम बंगाल की भी चार विधानसभा सीटें शामिल हैं। इसमें रायगंज, रानाघाट-दक्षिण, मनिकतला और बागदाह विधानसभा सीट शामिल हैं। जिन पर उपचुनाव कराए जाएंगे। ममता बनर्जी की पार्टी ने रायगंज विधानसभा सीट से उपचुनाव के लिए कृष्णा कल्यानी को प्रत्याशी बनाया है। वहीं रानाघाट-दक्षिण विधानसभा सीट पर मुकुटमणि अधिकारी को उम्मीदवार बनाया है। जबकि मतुआ बाहुल्य बागदाह विधानसभा सीट से मधुपूर्णा ठाकुर को टिकट दिया है। इस कड़ी में टीएमसी ने मनिकतला विधानसभा सीट से पूर्व टीएमसी विधायक साधन पांडे की पत्नी सुप्ति पांडे को उम्मीदवार बनाया है। पश्चिम बंगाल में खाली हुई विधानसभा सीटों की बात करें तो, तीन विधानसभा सीटों से निर्वाचित विधायकों ने लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए अपनी सीट खाली कर दी थी। इसमें, रायगंज, रानाघाट-दक्षिण और बागदाह विधानसभा सीट शामिल है। जबकि एक विधानसभा सीट से विजयी प्रत्याशी के निधन के कारण सीट खाली हुई है। बता दें कि मनिकतला विधानसभा सीट टीएमसी के वरिष्ठ नेता और मंत्री साधन पांडे के मृत्यु के बाद खाली हुई है। बता दें कि पश्चिम बंगाल में टीएमसी के कई विधायकों ने बिना अपनी सीट खाली किए लोकसभा चुनाव लड़ा है और जीत भी हासिल की है।

शिक्षा मंत्री ने दिया नीट के छात्रों को आश्वासन

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 14 जून। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के बाद एनटीए ने नीट यूजी में छात्रों को कृपांक (ग्रेस मार्क्स) देने का निर्णय रद्द कर दिया है। दूसरी ओर शिक्षा मंत्री ने भी नीट यूजी मेडिकल प्रवेश परीक्षा में पेपर लीक के आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह के दावों का समर्थन करने के लिए कोई सबूत नहीं है। शुक्रवार को शिक्षा मंत्री ने आश्वासन दिया कि छात्रों की सभी चिंताओं का निष्पक्षता और समानता के साथ समाधान किया जाएगा। प्रधान ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, केंद्र सरकार नीट परीक्षार्थियों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मैं छात्रों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि उनकी सभी चिंताओं का निष्पक्षता और समानता के साथ समाधान किया जाएगा। किसी भी छात्र को नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा और किसी भी बच्चे के करियर को खतरे में नहीं डाला जाएगा। नीट परीक्षा से संबंधित तथ्य माननीय सर्वोच्च न्यायालय के संज्ञान में हैं। शिक्षा मंत्री ने छात्रों को आश्वासन दिया कि सरकार सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार हर आवश्यक कदम उठाएगी। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार छात्रों के हित के लिए माननीय सर्वोच्च

न्यायालय के निर्देशों के अनुसार सभी आवश्यक कदम उठाएगी। काउंसलिंग प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी और इस दिशा में बिना किसी भ्रम के आगे बढ़ना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे पहले प्रधान ने गुरुवार को तीखा पलटवार करते हुए विपक्ष पर तथ्यों को जाने बिना संवेदनशील मुद्दे पर झूठ फैलाने की बात भी कही। शिक्षा मंत्री ने कांग्रेस नेता और अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के एक ट्वीट के जवाब में कहा, हृश्वश्च़ परीक्षा मामले में हृञ्ज माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए उचित कार्यवाही करने को कटिबद्ध है। माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार 1563 विद्यार्थियों की परीक्षा दोबारा करायी जायेगी। परीक्षा मामले में हृञ्ज माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए उचित कार्यवाही करने को कटिबद्ध है। माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार 1563 विद्यार्थियों की परीक्षा दोबारा करायी जायेगी। उन्होंने आगे लिखा, मैं कांग्रेस को ये याद दिलाना चाहता हूं की पेपर लीक रोकने और नकल विहीन परीक्षा के लिए केंद्र सरकार ने इसी साल पारित किया है जिसमें कई कड़े प्रावधान हैं। कांग्रेस इस गलतफहमी में ना रहे कि कोई भी ठुद्र×ह्व्ह्य पाया जाएगा तो उस पर कार्यवाही नहीं होगी। इस,ष्ह्ल के प्रावधानों को बहुत बारीकी से अमल में लाया जाएगा।

राजकोट गेम जोन हादसे पर गुजरात हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी

राजकोट, 14 जून। राजकोट के गेम जोन में भीषण आग लगने से 27 लोगों की मौत हो गई थी। अब गुजरात उच्च न्यायालय ने इस मामले की जांच को लेकर नाराजगी जताई है। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए आदेश दिया है कि इस मामले की की जांच के लिए एक तथ्य-खोज जांच दल (फैक्ट फाइंडिग टीम) के गठन किया जाए। यह टीम इस बात का पता करेगी कि राजकोट में गेम जोन के रूप में अवैध संरचना कैसे बनी और अधिकारियों की इसमें क्या भूमिका थी। बता दें कि राजकोट के टीआरपी गेम जोन में 25 मई को आग लग गई थी। इस गेम जोन के उद्घाटन समारोह में कई वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए थे। इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि फैक्ट फाइंडिंग टीम द्वारा अपनी रिपोर्ट सौंपने के बाद अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के लिए विभागीय जांच का आदेश दिया जाएगा। बता दें कि अदालत में 26 मई को एक जनहित याचिका दायर की गई थी। इस याचिका पर मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल और न्यायमूर्ति प्रणव त्रिवेदी की खंडपीठ ने सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल ने राज्य सरकार से सोमवार तक शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिव के अधीन एक फैक्ट फाइंडिग टीम गठित करने को कहा है। यह टीम 4 जुलाई तक अदालत में अपनी रिपोर्ट दाखिल करेगी। पीठ ने यह भी कहा कि राज्य शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव राज्य में सभी स्कूलों में अग्नि सुरक्षा निरीक्षण करने के लिए अलग अलग टीमें गठित करेंगे। अदालत ने कहा कि एक महीने के भीतर यह कार्य पूरा होना चाहिए। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अमित पांचाल ने पीठ को सूचित किया कि राजकोट के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक, जिला कलेक्टर, राजकोट के नगर निगम आयुक्त और जिला विकास अधिकारी ने टीआरपी गेम जोन के उद्घाटन समारोह में भाग लिया था।

एक्शन में गृह मंत्री अमित शाह, जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा पर की चर्चा

तेजिन्दर कौर बब्बर

जम्मू, 14 जून। जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ दिनों में हुए कई आतंकी हमलों के बाद केंद्र सरकार अलर्ट मोड में आ गई हैं। बता दें कि आतंकवादियों ने रियासी, कठुआ और डोडा में चार जगहों पर हमले किए हैं। जिसमें 10 तीर्थयात्रियों की मौत हुई। वहीं सीआरपीएफ का एक जवान भी शहीद हुआ है। इन हमलों के बाद जहां एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और अन्य अधिकारियों के साथ जम्मू-कश्मीर की स्थिति की समीक्षा की। वहीं आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा के हालातों की समीक्षा की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 16 जून को एक उच्च स्तरीय बैठक भी बुलाई है। जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा, सेना और सीआरपीएफ के कई अन्य शीर्ष अधिकारी

भी शामिल होंगे। आज की बैठक में गृह मंत्री अमित शाह को जम्मू-कश्मीर के मौजूदा हालात और आतंकवादियों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई से अवगत कराया गया है। बता दें कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों ने पिछले चार दिनों में रियासी, कठुआ और डोडा में हमले किए। इन हमलों में 10 तीर्थयात्रियों की मौत के साथ सीआरपीएफ का एक जवान भी शहीद हुआ है। जबकि इन हमलों में सात से ज्यादा सुरक्षाकर्मी और कई अन्य लोग घायल हुए हैं। वहीं कठुआ जिले में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में दो संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादी एनकाउंटर में ढेर किए गए हैं। जिनके पास से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए हैं। पिछले कुछ समय से आतंकियों का फोकस कश्मीर घाटी की बजाए, जम्मू क्षेत्र पर अधिक हो रहा है। इस कड़ी में जम्मू के रियासी में आतंकवादियों ने शिवखोड़ी मंदिर से कटरा जा रहे तीर्थयात्रियों की एक बस को निशाना बनाया था। इस हमले में 10 तीर्थयात्रियों की मौत हुई थी। इसके बाद सुरक्षाबलों ने अलग-अलग जिलों में सर्च ऑपरेशन चलाया और संदिग्ध आतंकवादियों के स्केच भी जारी किए थे।

मृतकों के शव लेकर कोच्चि एयरपोर्ट पर उतरा सुपर हरक्युलिस

नई दिल्ली, 14 जून। कुवैत में दो दिन पहले हुए अग्निकांड में मारे गए भारतीयों के पार्थिव शरीर लेकर आया भारतीय वायु सेना का विमान शुक्रवार सुबह कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। दूतावास ने बताया कि विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह भी उसी विमान से वापस आए। वायु सेना के सी-130जे परिवहन विमान से 31 भारतीयों के पार्थिव शरीर को यहां उतारा गया। यहां से शवों को उनके गृह नगर तक पहुंचाया जाएगा। घटना में मारे गए मारे गए 31 लोगों में से केरल के 23, तमिलनाडु के सात और कर्नाटक का एक व्यक्ति शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिणी कुवैत के मंगाफ क्षेत्र में सात मंजिला इमारत के रसोईघर में भीषण आग लगने से 49 विदेशी मजदूरों की मौत हुई थी और 50 अन्य घायल हुए थे। इनमें से 45 भारतीय थे और शेष पाकिस्तान, फिलिपीन, मिस्र और नेपाल के नागरिक थे। इमारत में 195 प्रवासी मजदूर रहते थे। इससे पहले वायुसेना का सुपर हरक्युलिस विमान कुवैत से 45 शवों को लेकर रवाना हुआ था। पहले यह विमान केरल के कोच्चि में उतरा, क्योंकि ज्यादातर मृतक वहीं के थे। इसके बाद विमान दिल्ली आया। यहां से शव संबंधित राज्यों में भेजे जाएंगे। यूपी के मृतकों की पहचान वाराणसी के माधव सिंह, गोरखपुर के जयराम गुप्ता और अंगद गुप्ता के रूप में हुई है। वहीं, आंध्र प्रदेश के मृतकों में श्रीकाकुलम जिले के टी लोकानंदम, पश्चिम गोदावरी जिले के एम सत्यनारायण और एम ईश्वरुडु की पहचान की गई है। अरब टाइम्स ने कुवैत के प्रथम उप प्रधानमंत्री शेख फहद अल-यूसूफ अल-यूसुफ के हवाले से बताया कि अधिकारियों ने अब तक 48 शवों की पहचान की है।

बिहार में इंसान की जान की कोई कीमत नहीं: तेजस्वी यादव

कौमी संवाददाता

पटना, 14 जून। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर नीतीश सरकार पर हमला बोला है। सोशल मीडिया पर उन्होंने आपराधिक वारदातों का जिक्र कर एनडीए सरकार को घेरने की कोशिश की है। तेजस्वी ने लिखा कि बिहार में डबल इंजन सरकार के बनावटी मंगलराज में चंद घंटों की डरावनी झलकियाँ। बिहार में इंसान की जान की कोई क़ीमत नहीं। जब चाहे जहां चाहे सरकारी अपराधी किसी को भी गोली मार रहे है। मुख्यमंत्री सहित सरकार को कोई सत्ता संरक्षित आपराधिक घटनाओं पर कोई लेना-देना नहीं। तेजस्वी यादव ने 10 वारदातों का जिक्र किया। इसके जरिए उन्होंने विधि व्यवस्था पर सवाल उठाया था। नेता प्रतिपक्ष ने लिखा कि बेगूसराय में सरकारी अपराधियों का तांडव- बलात्कार के बाद युवती की हत्या। मुजफ्फरपुर में सरकारी अपराधी बेलगाम- युवक को दिनदहाड़े गोली मारी। पूर्णिया में बमबाजी और डकैती की बड़ी वारदात- सत्ता संरक्षित बदमाशों ने

बमबारी एवं ताबड़तोड़ फायरिंग कर एक साथ चार घरों में डाका डाल लाखों की लूट। अरवल जिले में छुट्टी पर घर आए जवान की पीट-पीटकर हत्या। सीवान में बीच सड़क गुंडों ने छात्र की गोली मारकर हत्या की। नवादा में बेखौफ सरकारी अपराधियों ने गोली मार मुखिया का मर्डर किया। मधेपुरा में छात्रा से छेड़खानी रोकने पर बदमाशों ने राजद नेता को गोली मारी। बख्तियारपुर में गोली मार युवक की हत्या। शाहपुर में युवक की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या की। पटना में कारोबारी से लूट और महिला से चैन छिनतई।

राम मंदिर को उड़ाने की धमकी के बाद बढ़ाई गई अयोध्या की सुरक्षा

अयोध्या, 14 जून। आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद की ओर से राम मंदिर को उड़ाने की धमकी दिए जाने के बाद अयोध्या अलर्ट मोड पर आ गई है। राम मंदिर में निगरानी बढ़ा दी गई है। राम मंदिर समेत महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट की भी सुरक्षा में इजाफा किया गया है। एसएसपी राजकरण नय्यर ने शुक्रवार को महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि अयोध्या धाम की सुरक्षा पहले से ही कड़ी है। यहां की सुरक्षा व्यवस्था को विभिन्न क्षेत्रों में विभाजित करते हुए सीनियर राजपत्रित अधिकारी के नेतृत्व में टीमों का गठन किया गया है। विभिन्न जोन में सुरक्षाकर्मी पहले से ही तैनात हैं। जिला पुलिस के अलावा पीएसी की भी कई कंपनियां प्राप्त हुई हैं। पीएसी को लगाकर सुरक्षा की जा रही है। महत्वपूर्ण स्थलों की भी सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी 24 घंटे की जाती है।

अल्पसंख्यक वोटों के सहारे जीती उद्धव की पार्टी: फड़णवीस

मुंबई, 14 जून। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने बृहस्पतिवार को उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवारों ने हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में मुंबई में अल्पसंख्यों के वोटों से जीत हासिल की है। यूबीटी के वोटरों में गैर मराठी और गैर हिंदी भाषी भी शामल थे। फड़णवीस ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) ने वोट हासिल करने के लिए हिंदू हृदयसम्राट के बजाय बाल ठाकरे के लिए जनाब का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया था। वरिष्ठ भाजपा नेता ने दावा किया कि अल्पसंख्यकों का समर्थन पाने के लिए उद्धव ठाकरे ने पिछले छह महीने के दौरान अपने भाषण की शुरुआत मेरे हिंदू भाइयों और बहनों से नहीं की। फड़णवीस ने स्वीकार किया कि लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान विपक्ष ने भाजपा संविधान बदलना चाहती है और आरक्षण समाप्त करना चाहती है की झूठी कहानी गढ़ी, जिससे सत्तारूढ़ दल को भारी नुकसान उठाना पड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि मुंबई स्नातक निर्वाचन क्षेत्र (एमएलसी) के चुनावों की घोषणा हो चुकी है। हमने कुछ साल पहले इसे अपने पूर्व राजनीतिक सहयोगी (शिवसेना) को दे दिया था। अब, इसे वापस जीतने का समय आ गया है। हमारी उम्मीदवार किरण शेलार जीत हासिल कर यह साबित करेंगी कि भाजपा के खिलाफ फर्जी कहानी अब से काम नहीं करेगी। बता दें कि हाल ही में संपन्न आम चुनाव में भाजपा ने महाराष्ट्र में 48 में से 28 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन नौ पर ही जीत हासिल कर सकी। जबकि, 2019 के चुनाव में भाजपा ने 23 सीटें जीती थीं।

26 नए राफेल, विमानों की खरीद के लिए फ्रांस के साथ सौदे पर बातचीत जारी

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 14 जून। भारतीय सेना लगातार अपने बेड़े को मजबूत कर रही है। इसी को लेकर एक बार फिर भारत और फ्रांस के बीच राफेल को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। बताया जा रहा कि दोनों देशों की सरकारों के बीच 26 राफेल समुद्री लड़ाकू विमानों के सौदे को लेकर बातचीत हो रही है। इस दौरान कीमत और अन्य संबंधित मुद्दों पर चर्चा की जा रही। इससे पहले भारत और फ्रांस के बीच राफेल की खरीदी के लिए 30 मई को बैठक होने वाली थी। मगर लोकसभा चुनाव के चलते इसे जून के दूसरे सप्ताह तक टाल दिया गया था। रक्षा सूत्रों ने बताया फ्रांस का एक प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली आया हुआ। इसमें उनके आयुध महानिदेशालय के अधिकारी शामिल हैं, जो भारत के साथ चल रहे राफेल सौदे पर निगरानी रख रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन दोनों देशों की बातचीत में भारतीय पक्ष का प्रतिनिधित्व रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत अधिग्रहण महानिदेशालय के अधिकारी तथा उपयोगकर्ता पक्ष से अन्य सैन्य अधिकारी कर रहे हैं। बता दें, चर्चा 26 राफेल समुद्री लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए हो रही है, जिसकी कुल लागत 50 हजार करोड़ रुपये से

अधिक है। फिलहाल भारतीय वायु सेना के बेड़े में 36 राफेल मौजूद हैं। विमान को आईएनएस विक्रमादित्य और आईएनएस विक्रांत सहित भारतीय नौसेना के विमान वाहक से संचालित किया जाएगा। राफेल एक बहुत ही उपयोगी लड़ाकू विमान है। इसके एक विमान को बनाने में सात करोड़ की लागत आती है। इस विमान की लंबाई 15.27 मीटर होती है और इसमें एक या दो पायलट ही बैठ सकते हैं। इस विमान की खासियत है कि यह ऊंचे इलाकों में भी लड़ने में माहिर है। राफेल एक मिनट में 60 हजार फुट की ऊंचाई तक जा सकता है। यह अधिकतम 24,500 किलोग्राम का भार उठाकर उड़ने में सक्षम है। इसकी अधिकतम रफ्तार 2200 से 2500 किमी. प्रतिघंटा है और इसकी रेंज 3700 किलोमीटर है। ऑप्ट्रॉनिक सिक्योर फ्रंटल इंफ्रारेड सर्च और ट्रैक सिस्टम से लैस इस विमान में एमबीडीए एमआइसीए, एमबीडीए मेटेओर और एमबीडीए अपाचे जैसी कई तरह की खतरनाक मिसाइलें और गन लगी होती हैं, जो पल भर में दुश्मनों को मिट्टी में मिला सकती है। इसमें लगी 1.30 एमएम की एक गन एक बार में 125 राउंड गोलियां चलाने में सक्षम है। इसमें लगी मेटेओर मिसाइल 100 किलोमीटर दूर उड़ रहे फाइटर जेट को भी पलभर में मार गिराने में सक्षम है। इस तरह का मिसाइल चीन-पाकिस्तान समेत पूरे एशिया में किसी के पास भी नहीं है।

पूर्व सीएम येदियुरप्पा की गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट की रोक

नई दिल्ली, 14 जून। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा को पॉक्सो मामले में गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। वहीं हाईकोर्ट ने येदियुरप्पा को निर्देश देते हुए कहा कि मामले में 17 जून को ष्ट्ठष्ठ के समक्ष पेश हों। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा को पॉक्सो मामले में गिरफ्तारी पर कर्नाटक हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। बता दें कि मामले में उनके खिलाफ जारी गैर-जमानती वारंट पर फिलहाल रोक लग गई है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा को हाईकोर्ट ने निर्देश देते हुए कहा कि पॉक्सो केस में वो 17 जून को ष्ट्ठष्ठ के समक्ष पेश हों। दरअसल इस पूरे मामले की जांच सीआईडी की तरफ से की जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने हाई कोर्ट में अपील की कि इस मामले को रद्द कर देना चाहिए, क्योंकि उनके खिलाफ अपराध के साबित करने के लिए कुछ नहीं है। बता दें कि एक महिला ने बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि कर्नाटक के पूर्व सीएम ने उनकी बेटी के साथ दुर्व्यवहार किया। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने येदियुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था। इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा ने इसे षड्यंत्र बताया और कांग्रेस पर बी. नागेंद्र पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया। मीडिया से बात करते हुए भाजपा विधायक महेश तेंगिंकई ने कहा, यह कांग्रेस की तरफ से एक षड़यंत्र है। लेकिन बीएस येदियुरप्पा इस मामले से बेदाग निकलेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, लोकसभा चुनाव में शर्मनाक हार से आश्चर्य कांग्रेस भाजपा नेताओं के खिलाफ साजिश रचने में लगी हुई है। पीड़िता की मां ने अपनी शिकायत में बताया कि घटना दो फरवरी को एक बैठक के दौरान हुई। येदियुरप्पा ने बताया कि कुछ दिन पहले एक महिला उनके घर आई थी। वह रोते हुए कह रही थी कि कुछ समस्या है। पूर्व सीएम ने आगे कहा, मैंने उससे पूछा कि मामला क्या है और मैंने खुद पुलिस को फोन किया। कमिश्नर को मामले की जानकारी दी और उनसे उसकी मदद करने को कहा। बाद में महिला मेरे खिलाफ बोलने लगी। मैंने यह मामला पुलिस कमिश्नर के ध्यान में लाया है।

युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ पर प्रधानमंत्री मोदी खामोश: मल्लिकार्जुन खड़गे

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 14 जून। नीट में अंकों पर हुइ धांधली के मुद्दे पर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर हमला तेज कर दिया है। शुक्रवार को इस मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाया और कहा कि केवल सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में फोरेंसिक जांच ही लाखों युवा छात्रों के भविष्य की रक्षा कर सकती है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया कि मोदी सरकार ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से नीट घोटाले को ढंकना शुरू कर दिया है। केंद्र और एनटीए ने बृहस्पतिवार को सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि उन्होंने एमबीबीएस और ऐसे अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा देने वाले 1,563 उम्मीदवारों को दिए गए ग्रेस मार्क्स रद्द कर दिए हैं। केंद्र ने कहा था कि उनके पास या तो दोबारा परीक्षा देने या समय की हानि के लिए उन्हें दिए गए प्रतिपूरक अंकों को छोड़ने का विकल्प होगा। वहीं इस मामले पर पीएम मोदी खामोश बने हुए हैं। उनकी खामोशी पर मोदी सरकार ने सवाल उठाए हैं। कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यहां अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में दावा किया कि नीट घोटाला व्यापम 2.0 है और मोदी सरकार इसे सफेद करना चाहती है। व्यापम या मध्य प्रदेश व्यावसायिक परीक्षा मंडल में घोटाला 2013 में सामने आया था। इस घोटाले में उम्मीदवारों ने अधिकारियों को रिश्वत दी थी। उत्तर पुस्तिकाएं लिखने के लिए जालसाजों को नियुक्त करके परीक्षा में धांधली की थी। बता दें कि नीट में अंकों में हुई गड़बड़ी के बाद लाखों छात्र प्रदर्शन कर रहे थे। छात्रों में भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ को लेकर आक्रोश था। पवन खेड़ा ने कहा कि व्यापक विरोध प्रदर्शन, कई अदालती मामले

और छात्रों के जबरदस्त आक्रोश को प्रेरित बताने का शिक्षा मंत्री का बयान 24 लाख युवा उम्मीदवारों के घावों पर नमक छिड़कने जैसा है। भारतीय जनता पार्टी और एनडीए सरकार इन युवाओं का भविष्य बर्बाद करने पर तुली है। उन्होंने पूछा कि पीएम मोदी और प्रधान बताएं क्या यह सच नहीं है कि पटना पुलिस (बिहार) की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) जो एनईईटी-यूजी 2024 पेपर लीक की जांच कर रही है। जिसमें उन्होंने पता चला था कि मेडिकल उम्मीदवारों ने 5 मई को होने वाली परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र लेने के लिए रैकेट में शामिल दलालों को 30 लाख रुपये से लेकर 50 लाख रुपये तक की बड़ी रकम का भुगतान किया था। पवन खेड़ा ने पूछा कि क्या शिक्षा मंत्री इस बात से इनकार कर सकते हैं कि गुजरात के गोधरा में एक कोचिंग सेंटर चलाने वाले व्यक्ति, एक शिक्षक और एक अन्य सहित तीन लोगों की संलिप्तता वाले एक एनईईटी-यूजी धोखाधड़ी रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। मामले की जांच में छात्रों, उनके अभिभावकों और आरोपियों के बीच 12 करोड़ रुपये से अधिक के लेन-देन का पता चला है? उन्होंने यह भी पूछा कि क्या यह सच नहीं है कि इस साल, 2024 में, 67 टॉपर्स थे, जिन्हें 720 का परफेक्ट स्कोर दिया गया था, जबकि 2023 में सिर्फ 2 छात्रों को परफेक्ट स्कोर मिला था। क्या यह सच नहीं है कि नीट के नतीजे 10 दिन पहले घोषित किए गए। पवन खेड़ा ने सवाल दागा कि पीएम मोदी हमेशा मूकदर्शक नहीं रह सकते।

लुलु समूह कुवैत अग्निकांड में जान गंवाने वालों के परिजनों को देगा पांच-पांच लाख रुपये

एजेंसी

दुबई। कुवैत अग्निकांड में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को आर्थिक मदद देने का प्रतिष्ठित अनिवासी भारतीय (एनआरआई) कारोबारी और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थित लुलु समूह के प्रमुख एम. ए. युसूफ अली ने ऐलान किया है। इसके तहत प्रत्येक मृतक के परिवार को पांच-पांच लाख रुपये देने की घोषणा की गई। दक्षिणी कुवैत के मंगफ क्षेत्र में बुधवार को एक बहुमंजिला इमारत में भीषण आग लगने से 49 विदेशी मजदूरों की मौत हो गई थी और 50 अन्य घायल हो गये थे। मृतकों में 45 भारतीय हैं। अबू धाबी में समूह द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि इस हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक मृतक के परिवार को पांच लाख रुपये की राशि दी जाएगी।

हूती विद्रोहियों ने यमन अदन की खाड़ी में पोत पर हमला किया

अदन। यमन के हूती विद्रोहियों ने अदन की खाड़ी में कथित रूप से एक पोत पर मिसाइल से हमला किया जिससे जहाज पर आग लग गई। ब्रिटिश सेना के यूनाइटेड मारीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर ने बताया कि यह हमला यमन के अपतटीय क्षेत्र में अदन की खाड़ी में हुआ। उसने कहा कि हमले के बाद पोत में आग लग गई। निजी सुरक्षा कंपनी एम्ब्रे ने कहा कि व्यापारिक जहाज ने परेशानी में होने की सूचना देते हुए कहा कि उसपर एक मिसाइल से हमला हुआ है। एब्रे ने कहा कि पोत मलेशिया से इटली के वेनिस जा रहा था। हूती बागियों ने बृहस्पतिवार के हमले की तत्काल जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि देखा गया है कि वे हमले की जिम्मेदारी लेने में कुछ समय लेते हैं।

तकिया से मुंह दबाकर की गई थी बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम अनार की हत्या

कोलकाता । पड़ोसी देश बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम अनार की हत्या तकिया से मुंह दबाकर की गई है। पश्चिम बंगाल सीआईडी के एक आला अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। बताया गया है कि राजधानी में न्यू टाउन के फ्लैट में घुसते ही आरोपितों ने उनका मुंह तकिया से दबा दिया था और दम घुटने से उनकी मौत हो गई। इस अधिकारी के अनुसार, नेपाल से गिरफ्तार कर कोलकाता लाए गए आरोपित मोहम्मद सियाम हुसैन ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि सांसद अनार का गला घोंटने में एक महिला ने भी मदद की थी। उसने महिला को अमेरिकी नागरिक और मामले के मुख्य आरोपित अख्तरुज्जमां की करीबी बताया है।

उल्लेखनीय है कि दक्षिण 24 परगना जिले में स्थित बागजोला नहर के पास मानव हड्डियों के कुछ हिस्से बरामद हो चुके हैं। सियाम को शनिवार शाम नेपाल से पश्चिम बंगाल लाया गया था। उसे बारासात की एक स्थानीय अदालत ने सीआईडी की 14 दिन की हिरासत में भेज दिया था। सियाम से पूछताछ के दौरान सीआईडी को प्रारंभिक जांच से पता चला कि सांसद के करीबी दोस्त अख्तरुज्जमां ने अपराध में शामिल लोगों को लगभग पांच करोड़ रुपये का भुगतान किया। अख्तरुज्जमां के पास कोलकाता में एक फ्लैट है। वह फिलहाल अमेरिका में रहता है।

वेस्ट बैंक में इजरायली हमले में तीन फिलिस्तीनियों की मौत

रामल्ला। उत्तरी वेस्ट बैंक में जेनिन के दक्षिण में कबातिया शहर में इजरायली हमले में तीन फिलिस्तीनी मारे गए हैं।एक फिलिस्तीनी अधिकारी ने यह जानकारी दी। जेनिन के गवर्नर कमाल अबू अल-रब ने बताया कि इजरायली पक्ष ने फिलिस्तीनी सुरक्षा समन्वय कार्यालय को सूचित किया कि इजरायली सेना ने कई घंटों तक एक घर को घेरे रखा और गोलीबारी की जिससे तीन युवकों की मौत हो गयी। एक वायरल वीडियो क्लिप में एक इजरायली बुलडोजर को मारे गए लोगों में से एक के शव को घर से निकालते और जमीन पर फेंकते हुए दिखाया गया है।स्थानीय सूत्रों ने कहा कि तीनों लोग इस्लामिक जिहाद आंदोलन की जेनिन बटालियन के नेता और जेनिन शिविर के निवासी थे, जिनके पीछे इजरायली सेना महीनों से घात लगाये बैठी थी। फ़िलिस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने एक प्रेस बयान में कहा कि इजरायली बलों ने उसके कर्मचारियों पर तब हमला किया जब उन्होंने एक घायल व्यक्ति को पड़ोस से अस्पताल ले जाने का प्रयास किया।चिकित्सा सूत्रों के अनुसार, इजरायली सैनिकों ने एम्बुलेंस कर्मचारियों और पत्रकारों पर भी गोलियां चलाईं और उन्हें शिविर में प्रवेश करने से रोक दिया।शहर में नॉर्दर्न इलेक्ट्रिसिटी कंपनी के अनुसार, इजरायली हमले द्वारा बिजली लाइनों को नष्ट करने के कारण शिविर और आसपास के कुछ इलाकों में बिजली पूरी तरह से काट दी गई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी-7 आउटरीच शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने इटली पहुंचे, जोरदार स्वागत

एजेंसी

रोम। प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के निमंत्रण पर भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इटली पहुंच गए हैं। वो जी-7 आउटरीच शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इस सम्मेलन का आयोजन इटली के अपुलीया क्षेत्र किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी का इटली पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इटली पहुंचने पर एक्स हैंडल पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कुछ फोटो भी साझा किए हैं। उन्होंने कहा है, ' विश्व नेताओं के साथ सार्थक चर्चा में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं। साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य वैश्विक चुनौतियों का समाधान करना और उज्ज्वल भविष्य के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है।' भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस सम्मेलन से इतर इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। मार्च 2023 में मेलोनी की भारत यात्रा के बाद प्रधानमंत्री मोदी की दूसरी बैठक होगी। मोदी उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ इटली पहुंचे हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ भी मुलाकात संभव है। उल्लेखनीय है कि इटली की प्रधानमंत्री ने भारत के

प्रधानमंत्री मोदी के अलावा अल्जीरियाई राष्ट्रपति अब्देलमदजीद तेब्बौने, केन्याई राष्ट्रपति विलियम रुटो और ट्यूनीशियाई राष्ट्रपति कैस सईद को भी आमंत्रित किया है। सभी नेता अफ्रीकी महाद्वीप पर इटली के विकास पर बात करेंगे। अन्य अतिथियों में ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा और तुर्किये के राष्ट्रपति रेचप तैयब अर्दोआन शामिल हैं।

इटली में यह सम्मेलन शुरू हो गया है। इस मौके पर जी-8 और जी-20 के पूर्व इटालियन शेरपा और राजदूत जियाम्पिएरो मासोलो ने जोर देकर कहा कि भारत एक प्रमुख देश और एक विशाल लोकतंत्र है। हर कोई इसे एक स्थिर कारक के रूप में गिनता है। ग्लोबल साउथ में भारत महत्वपूर्ण स्थिति है। जी-7 शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रधानमंत्री मोदी की भागीदारी से उन्हें पिछले वर्ष भारत की अध्यक्षता में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के परिणामों पर आगे की जाने वाली कार्रवाई करने का भी अवसर मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी के इटली में जी-7 शिखर सम्मेलन में कई प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने की भी उम्मीद है। इस सम्मेलन में मध्य पूर्व और यूक्रेन में चल रहे संघर्षों पर चर्चा होने की उम्मीद है। विश्वभर के नेता इन जटिल भू-राजनीतिक चुनौतियों से निपटने और समाधान के तरीकों की तलाश करेंगे।

इसके अलावा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एजेंडा के प्रमुख विषयों में शामिल किया गया है। जी-7 संगठन के सदस्य देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी, इटली, जापान और फ्रांस के साथ ही यूरोपीय यूनियन भी शामिल हैं। इटली यात्रा से पहले भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने प्रधानमंत्री मोदी का प्रस्थान वक्तव्य जारी किया है।

मध्य पेरू में 5.0 तीव्रता का भूकंप: जीएफजेड

एजेंसी

न्यूयॉर्क। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समय के अनुसार 22:46:53 बजे मध्य पेरू

में 5.0 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र शुरुआत में 8.61 डिग्री दक्षिणी अक्षांश और 75.88 डिग्री पश्चिमी देशांतर पर 10.0 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था।

चीनी कंपनी के खिलाफ संसद में आए संकल्प प्रस्ताव का काठमांडू के मेयर का भी समर्थन

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल सत्तापक्ष के एक दल और प्रमुख विपक्षी दल के तरफ से चीनी कंपनी के खिलाफ संसद में लाए जा रहे संकल्प प्रस्ताव का काठमांडू के मेयर ने भी समर्थन किया है। प्रमुख विपक्षी दल नेपाली कांग्रस के तरफ से संसद में संकल्प प्रस्ताव लाने वाले सांसद प्रदीप पौडेल से मुलाकात कर काठमांडू के मेयर बालेन्द्र साह ने काठमांडू के रिंगरोड के निर्माण को लेकर संसद में लाए जा रहे संकल्प प्रस्ताव के प्रति अपना समर्थन जताया है। सांसद पौडेल से मुलाकात के बाद मेयर बालेन्द्र साह ने कहा कि चूंकि यह मामला काठमांडू शहर से जुड़ा है और चीनी कंपनियों के बदमाशी को लेकर उन्होंने कई बार आवाज उठाई है इसलिए उन्हें इस संकल्प प्रस्ताव के समर्थन में आने से कोई गुरेज नहीं है। चीनी दूतावास के आर्थिक सहयोग से बन रहे काठमांडू के रिंगरोड का ठेका मिलने के दस सालों

के बाद भी चीनी कंपनी के द्वारा निर्माण कार्य को पूरा नहीं कर पाने के कारण सत्ता में सहभागी दल राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी और प्रमुख प्रतिपक्षी दल नेपाली कांग्रेस के तरफ से बुधवार को संसद में संकल्प प्रस्ताव दर्ता कराया गया है। इस संकल्प प्रस्ताव में चीनी कंपनी का ठेका रद्द करते हुए चीन के अनुदान के बिना भी नेपाल सरकार के तरफ से रिंगरोड के बांकी रहे काम को पूरा करने की बात उल्लेख है।

दक्षिण अमेरिका में चीन के मेगापोर्ट से बिगड़ेंगे दोनों देशों के रिश्ते

एजेंसी

वाशिंगटन। चीन की एक बड़ी कंपनी कॉस्को शिपिंग पोर्ट्स लीमा से 80 किलोमीटर दूर यहां चांके में एक मल्टीपरपस पोर्ट टर्मिनल यानी मेगापोर्ट (बंदरगाह) बना रही है। माना जा रहा है कि ये ऐसा ढांचा होगा जिसके जरिए चीन पेरू में अपनी मौजूदगी बना सकेगा।

अपने बड़े विस्तार और कार्यक्षमता के कारण ये बंदरगाह जल्द ही यहां से होने वाले अंतरराष्ट्रीय व्यापार का केंद्र बन सकता है। हालांकि, इन सबके बीच एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बंदरगाह का उद्घाटन इस के अंत तक हो सकता है। इसके तैयार होते ही चीन तथा अमेरिका के बीच और अधिक रिश्ते खराब हो सकते हैं।

3.6 अरब डॉलर से बन रहा

चीन का कॉस्को शिपिंग पोर्ट्स चांके में बंदरगाह को करीब 3.6 अरब डॉलर की लागत से बना रहा है। यहां की सरकार को उम्मीद है कि इससे एशिया और दक्षिण अमेरिका के बीच व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों और अन्य निर्यातों के लिए नए बाजार खोल सकता है। वहीं, पेरू की सरकार को उम्मीद है कि इस बंदरगाह से हर साल चीन और दक्षिण अमेरिका के बीच अरबों डॉलर का व्यापार हो सकेगा।

रिपोर्ट के अनुसार, बंदरगाह ने अमेरिका के लिए एक चुनौती खड़ी कर दी है, जो लैटिन अमेरिका में चीन के उदय को रोकना चाहता है। अमेरिका को चिंता है कि बंदरगाह के जरिए बीजिंग को दक्षिण अमेरिका के संसाधनों पर अपनी पकड़ को और मजबूत करने का मौका मिल जाएगा।

चिंता का विषय: रिचर्डसन

अमेरिकी दक्षिणी कमान की प्रमुख जनरल लॉरा रिचर्डसन के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया, इससे चीन के लिए क्षेत्र से इन सभी संसाधनों को निकालना और भी आसान हो जाएगा, इसलिए यह चिंता का विषय होना चाहिए। गौरतलब है, अमेरिका और चीन के बीच संबंध पिछले कुछ दशकों में काफी खराब हो गए हैं। हालांकि, दोनों देशों ने कूटनीतिक रूप से फिर से जुड़ने के लिए कदम उठाए हैं।

पेरू के तट पर ब्लूबेरी और एवोकैडो उगाने वाले डैनियल बस्तामांटे ने बताया कि उन्हें उम्मीद है कि बंदरगाह फलों के लिए नए एशियाई बाजार खोलेगा, जिन्हें वर्तमान में वह ज्यादातर यूरोप और अमेरिका में भेजते हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह बंदरगाह एशिया के लिए एक खिड़की होगा।

अदन की खाड़ी में नहीं थम रहे हमले, हूती विद्रोहियों ने 24 घंटे में तीन जहाजों को बनाया निशाना

एजेंसी

वॉशिंगटन । इस्त्राइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद यमन के हूती विद्रोही जहाजों को निशाना बना रहे हैं। अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई देश खुले शब्दों में चेतावनी दे चुके हैं, लेकिन हूती अपनी हरकत से बाज नहीं आ रहे हैं। एक बार फिर विद्रोहियों ने अदन की खाड़ी में दो क्रूज मिसाइलों से हमला कर एक मालवाहक जहाज को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस हमले में एक नाविक गंभीर रूप से घायल हो गया। हालांकि, अमेरिकी सेना ने उसे सुरक्षित बचा लिया।

इसलिए कर रहे हमले

बता दें, गाजा में हो रहे इस्त्राइल हमलों से मध्यपूर्व बौखलाया हुआ है। मध्यपूर्व गाजा में हो रहे हमलों का कारण अमेरिका को मानता है। इसी वजह से हूती विद्रोही पिछले साल नवंबर से अदन की खाड़ी और लाल सागर में व्यापारिक जहाजों को

निशाना बना रहे हैं। साथ ही कभी ईरान तो कभी जॉर्डन को कभी सीरिया में अमेरिकी सेना और अमेरिकी प्रतिष्ठानों पर हमले हो रहे हैं। हालांकि, इससे अंतरराष्ट्रीय शिपिंग में मुश्किलें पैदा हुई हैं।

यूक्रेन का था जहाज

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने बताया कि यूक्रेन के स्वामित्व वाले जहाज एम/वी वर्बेना, जिस पर पलाउन का झंडा लगा था और पोलिश द्वारा चलाया जा रहा था, पर हमला हुआ। हमले के चलते क्षतिग्रस्त हो गया और बाद में उसमें आग लग गई। चालक दल आग बुझाने का प्रयास कर रहा है। हमले के दौरान एक नाविक गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारी ने बताया कि यूएसएस फिलीपीन सी (सीजी 58) के विमान ने घायल नाविक को इलाज के लिए पास के सहयोगी बल जहाज पर पहुंचाया।

लाल सागर में भी बनाया निशाना

हूती विद्रोहियों ने गुरुवार को दावा किया कि उन्होंने पिछले 24 घंटों के अंदर तीन जहाजों को निशाना बनाया, जिसमें वर्बेना भी शामिल है। उनका कहना है कि यह हमले गाजा पट्टी में उनके लोगों के खिलाफ किए गए हमलों का जवाब है। इस बीच यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने यमन के विद्रोहियों के कब्जे वाले होदेदा बंदरगाह के उत्तर-पश्चिम में लगभग 80 समुद्री मील की दूरी पर लाल सागर में एक व्यापारिक जहाज के करीब विस्फोट की सूचना दी, जिसमें कोई क्षति या हताहत नहीं हुआ।

अमेरिका के साथ यूक्रेन ने किया रक्षा समझौता, जेलेंस्की बोले- अब हम नाटो सदस्यता पाने की ओर, रूस पर भी साधा निशाना

बरी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिका के साथ द्विपक्षीय सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके बाद वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि यह समझौता कीव के नाटो में शामिल होने की कोशिश के लिए एक पुल है। उन्होंने कहा कि यह समझौता सभी की मदद करेगा, क्योंकि रूस सभी के लिए एक वास्तविक वैश्विक खतरा है। जेलेंस्की ने आगे कहा कि यह सुरक्षा पर एक समझौता है। यह सहयोग पर एक समझौता है और इस प्रकार हमारे राष्ट्र मजबूत बनेंगे। यह स्थायी शांति की गारंटी के कदमों पर एक समझौता है और इसलिए इससे दुनिया में सभी को लाभ होगा।

कई महीनों तक अमेरिका -यूक्रेन में हुई बातचीत

यह समझौता अमेरिका और यूक्रेन के बीच कई महीनों की बातचीत के बाद हुआ है और उम्मीद है कि अमेरिका यूक्रेन के सशस्त्र बलों की लगातार ट्रेनिंग हथियारों और सैन्य उपकरणों की लागत, सैन्य सहायता के निरंतर प्रावधान और अधिक खुफिया जानकारी साझा करने के लिए 10 सालों तक बना रहेगा। बता दें कि राष्ट्रपति बाइडन ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका यूक्रेन के प्रति अपने समर्थन में मजबूत बना हुआ है। सीएनएन के अनुसार, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद अमेरिकी जो बाइडन ने कहा, रूस का संघर्ष दुनिया के लिए एक परीक्षा रहा है। ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) शिखर सम्मेलन 13-15 जून तक इटली के अपुलिया में आयोजित किया जा रहा है। सभी यूक्रेनियन और सभी यूरोपीय लोगों के लिए यह जानना बहुत महत्वपूर्ण है कि यूरोप में कोई सुरक्षा घाटा नहीं होगा, जो हमलावर को युद्ध के लिए प्रेरित करता है और भविष्य को अनिश्चित बनाता है।

पीटीआई सांसद बोले- हिंदुस्तान के चुनाव में कोई धांधली नहीं हुई, क्या हमारे देश में भी कभी ऐसा होगा?

एजेंसी

इस्लामाबाद। इमरान खान की पार्टी के सांसद शिबली फराज ने पाकिस्तानी संसद में भारत में हुए चुनाव की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि सब जानते है कि पाकिस्तान में हुए चुनावों में धांधली हुई है पर हमारे पड़ोसी देश में भी चुनाव हुए, लेकिन आज कोई नहीं कह सकता कि इसमें धांधली की गई।

उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान में 80 करोड़ लोगों ने वोट किया है। वहां वोटिंग के लिए लाखों पोलिंग स्टेशन बनाए गए थे। वहां एक व्यक्ति के लिए भी वोटिंग सेंटर बना था। हिन्दुस्तान में पूरा इलेक्शन ईवीएम से हुआ, जो एक महीने से भी ज्यादा चला। फराज ने अपनी सरकार से पूछा- क्या हिंदुस्तान के चुनावों के नतीजों को लेकर अभी तक एक भी आवाज उठी है। वहां की सारी पार्टियों ने मना है कि चुनाव निष्पक्ष हुए हैं। उन्होंने संसद में सवाल उठाया कि क्या कभी पाकिस्तान में भी बिना

किसी धांधली के चुनाव हो सकते हैं। बता दें कि पाकिस्तान में 8 फरवरी को चुनाव हुए थे, जिसमें इमरान खान की पार्टी हार गई थी। शिबली फराज ने संसद के स्पीकर सरदार सादिक से कहा कि हम लोग भी चाहते हैं कि पाकिस्तान में निष्पक्ष चुनाव हों। हमारे यहां चुनाव होते हैं तो इसके रिजल्ट्स को न तो हारने वाली पार्टी मानती है न ही जीतने वाली। इस तरह की चीज ने हमारी पॉलिटिकल सिस्टम को पूरी तरह खोखला कर दिया है।

जासूसी के आरोप में रूस की जेल में बंद अमेरिकी पत्रकार पर चलेगा मुकदमा, हो सकती है 20 साल की सजा

एजेंसी

मास्को। शीत युद्ध के बाद इवान गेर्शकोविच पहले अमेरिकी पत्रकार हैं जिसे जासूसी के आरोप में रूस में गिरफ्तार किया गया है। सीआईए के लिए जासूसी करने का आरोप लगाते हुए उसपर मुकदमा चलाया जाएगा। रूसी प्रेसेक्यूटर जनरल कार्यालय की तरफ से कहा गया कि गेर्शकोविच को पहली बार हिरासत में लिए जाने के एक से अधिक साल बाद उसपर आरोप तय किया गया। दोषी पाए जाने पर उसे 20 साल की सजा दी जाएगी। हालांकि, गेर्शकोविच, अमेरिकी सरकार और उनके कर्मचारियों ने उनके खिलाफ आरोपों का खंडन किया है।

सीआईए के निर्देशों पर काम कर रहा था गेर्शकोविच : रूस का दावा

गेर्शकोविच की गिरफ्तारी के दो हफ्ते बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इसपर प्रतिक्रिया देते हुए इसे गलत तरीके से हिरासत में लेना बताया। रूसी अभियोजकों ने कहा कि देश की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने दस्तावेजों की जांच की। इस दौरान यह पाया गया कि गेर्शकोविच सीआईए के निर्देशों पर काम कर रहा था।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने दी प्रतिक्रिया

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि गेर्शकोविच के खिलाफ लगाए गए आरोप बेबुनियाद है। उन्होंने कहा, हम शुरू

से ही कह रहे कि इवान गेर्शकोविच ने कुछ भी गलत नहीं किया। उन्हें कभी भी गिरफ्तार नहीं किया जाना चाहिए था। पत्रकारिता कोई अपराध नहीं है। उनके ऊपर लगे आरोप झूठे हैं। रूस के सरकार को भी मालूम है कि वे झूठे हैं। उन्हें तुरंत रिहा करना चाहिए। मिलर ने कहा कि अमेरिका इवान गेर्शकोविच के साथ पूर्व अमेरिकी नौसैनिक व्हेलन की रिहाई के प्रयार को जारी रखेगा। बता दें कि व्हेलन को 2018 में मॉस्को में गिरफ्तार किया गया था। उनपर भी जासूसी के आरोप लगाए गए थे और 16 साल की सजा सुनाई गई। मिलर ने कहा, जैसा कि हमने कहा था, कुछ दिन पहले हमले इवान और व्हेलन की रिहाई के लिए एक बड़ा प्रस्ताव रखा था। हम उनकी रिहाई सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं।गिरफ्तार किए जाने के बाद 32 वर्षीय अमेरिकी पत्रकार को मॉस्को के नोटोरियस लेफोर्टोवो जेल में रखा गया है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

ओपिनियन पोल में सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी को फराज की रिफॉर्म यूके ने पछाड़ा, लेबर पार्टी सबसे आगे

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन में चार जुलाई को चुनाव होने वाला है। इस चुनाव से पहले जारी एक ओपिनियन पोल में नाइजेल फराज की रिफॉर्म यूके पार्टी ने ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी को पीछे छोड़ दिया। स्थानीय मीडिया के ओपिनियन पोल के अनुसार, रिफॉर्म यूके को 19 फीसदी, जबकि कंजर्वेटिव पार्टी को 18 प्रतिशत वोट मिले। वहीं लेबर पार्टी 37 प्रतिशत वोट के साथ शीर्ष पर रही। इस ओपिनियन पोल के अनुसार, सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी तीसरे स्थान पर है। यह सर्वेक्षण 12-13 जून को किया गया, जिसमें 2,211 लोगों ने हिस्सा लिया था। नाइजेल फराज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, यह एक अहम मोड़ है। यहां केवल कंजर्वेटिव वोट बर्बाद होने वाला है। हम लेबर पार्टी को चुनौती दे रहे हैं। फराज को यूरोपीय संघ से ब्रिटेन को बाहर निकालने के लिए उनके सफल अभियान के लिए जाना जाता है। बता दें कि इस छोटी दक्षिणपंथी पार्टी की स्थापना 2018 में ब्रेक्जिट पार्टी के तौर पर की गई थी। पार्टी ने सख्त आव्रजन कानून जैसे मुद्दों का समर्थन किया। डी-डे स्मारक कार्यक्रम से अन्य विश्व स्तरीय नेताओं से पहले निकल जाने के बाद प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की पार्टी को बड़ा झटका लगा है। अन्य ओपिनियन पोल में कंजर्वेटिव पार्टी को रिफॉर्म से आगे बताया जा रहा है। गुरुवार को जारी ओपिनियन पोल में कंजर्वेजिव पार्टी को पीछे छोड़ने के बावजूद कई संसदीय सीट ऐसे हैं, जहां रिफॉर्म के जीतने की उम्मीद नहीं है। रिफॉर्म का समर्थन पूरे देश में फैला हुआ है, जबकि कंजर्वेटिव और लेबर पार्टी का समर्थन भौगोलिक क्षेत्रों में ज्यादा है।

उत्तर कोरिया जाएंगे व्लादिमीर पुतिन, दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री ने अमेरिकी अधिकारी से की बात

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया और संयुक्त राज्य अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों ने जरूरी फोन कॉल पर बात की है। उन्होंने ये कॉल रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के उत्तर कोरिया आने से पहले की है। दक्षिण कोरिया के उप विदेश मंत्री, किम होंग-क्युन ने अमेरिकी उप विदेश मंत्री कर्ट कैंपबेल के साथ फोन पर कहा कि पुतिन की यात्रा के परिणामस्वरूप संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन करते हुए प्योंगयांग और मॉस्को के बीच गहरा सैन्य सहयोग नहीं होना चाहिए।

पुतिन के दौरे की जताई थी उम्मीद

किम की चिंताओं को दोहराते हुए, कैंपबेल ने यात्रा के कारण संभावित क्षेत्रीय अस्थिरता और चुनौतियों से निपटने के लिए निरंतर सहयोग का वादा किया। सियोल के राष्ट्रपति कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को कहा था कि आने वाले दिनों में पुतिन के उत्तर कोरिया का दौरा करने की उम्मीद है। प्योंगयांग के हवाई अड्डे से नागरिक विमानों को हटा दिया गया है और राजधानी के किम इल सुंग स्क्वायर में संभावित परेड की तैयारी के संकेत हैं। जब रूस के तत्कालीन रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने पिछले साल दोनों देशों के बीच संबंधों को बेहतर करने के लिए प्योंगयांग का दौरा किया था, तो वह किम के साथ एक परेड में गए थे और उत्तर कोरिया की प्रतिबंधित परमाणु-युक्त मिसाइलों को सलामी दी थी।

कला एवं संस्कृति को लोगों तक पहुंचाने को लेकर आईजीएनसीए, संसद टीवी के बीच हुआ समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय कला एवं संस्कृति को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए यहां स्थित इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) और संसद टीवी के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ। आईजीएनसीए की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, समझौते के तहत, आईजीएनसीए द्वारा निर्मित कार्यक्रम संसद टीवी पर प्रसारित किए जाएंगे और अब संसद टीवी, आईजीएनसीए के कल्चरल आर्काइव के कंटेंट का भी इस्तेमाल कर सकेगा। इस समझौता पत्र पर आईजीएनसीए की ओर से सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी और संसद टीवी की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रजत पुन्हानी ने हस्ताक्षर किए।

'इंप्रेशन' प्रदर्शनी में झलकेगा रेलवे कलाकारों का हुनर

नई दिल्ली। रेलवे अधिकारियों की ओर से पांच दिवसीय जल रंग, ऐक्रेलिक कलर और तेल के मिश्रण से तैयार 'इंप्रेशन' प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इस प्रदर्शनी का उद्घाटन दिल्ली में इंडिया हैबिटेट सेंटर की अध्यक्ष राजदूत भास्वती मुखर्जी करेंगी और रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जया वर्मा सिन्हा मुख्य अतिथि होंगी।

दिल्ली जल बोर्ड में 73,000 करोड़ के घाटे पर भाजपा ने सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली के कई इलाकों में व्याप्त जल संकट के बीच प्रदेश भाजपा ने आरोप लगाया कि जो दिल्ली जल बोर्ड कभी 600 करोड़ का मुनाफा देता था, वो आज 73,000 करोड़ के घाटे में कैसे चला गया। इसका जवाब दिल्ली सरकार को देना होगा। दिल्ली में जल वितरण का नेटवर्क बुरी तरह प्रभावित हो चुका है। इन्फ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन वाटर स्टोरेज सिस्टम सब चरमरा रहा है, खस्ताहाल है, जो लगभग 52 प्रतिशत पानी को बर्बाद कर रहा है। पाइपों की मरम्मत करानी चाहिए लेकिन इस सरकार ने मुफ्त में पानी देने का वादा कर जनता के साथ जो छल किया वो पीड़ादायक है। यहां संवाददाता सम्मेलन में भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि दिल्ली में जल संकट नहीं है। असल में दिल्ली में एक ओर जल वितरण के लिए समर एक्शन प्लान का अभाव है और दूसरी ओर सरकार वॉटर लीकेज से होने वाली बर्बादी को रोकने में असमर्थ रही है। बांसुरी स्वराज ने कहा की भाजपा लगातार कहती रही है कि दिल्ली को सभी स्रोतों से एग्रीमेंट के अनुसार पूरा पानी मिल रहा है। यदि किसी भी कारण से सरकार को दिल्ली के लिए अतिरिक्त पानी चाहिए तो उसे या आपसी बातचीत से पड़ोसी राज्यों से लेना होगा या फिर यमुना नदी बोर्ड से मांगना होगा।

आतिशी ने पानी की बर्बादी रोकने के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली की जलमंत्री आतिशी ने जल बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर भर में पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए और यदि कहीं भी मुख्य पाइपलाइन में कोई रिसाव मिलता है तो उसे तुरंत दूर किया जाए।सुश्री आतिशी ने राजस्व विभाग और जलबोर्ड के उच्चाधिकारियों के साथ सोनिया विहार वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से दक्षिणी दिल्ली तक पानी पहुँचाने वाले मुख्य पाइपलाइन नेटवर्क का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर भर में पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए और यदि कहीं भी मुख्य पाइपलाइन में कोई लीकेज मिलती है तो उसे तुरंत दूर किया जाए।

नीट परीक्षा में हुआ भ्रष्टाचार : खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि मेडिकल प्रवेश के लिए हुई नीट परीक्षा का मामला सिर्फ ग्रेस मार्क्स का नहीं बल्कि इसमें पेपर लीक और जबरदस्त भ्रष्टाचार हुआ है। खड़गे ने कहा ÷नीट परीक्षा में केवल ग्रेस मार्क्स की समस्या नहीं थी। धांधली हुई है, पेपर लीक हुए हैं, भ्रष्टाचार हुआ है। मेडिकल प्रवेश के लिए हुई नीट परीक्षा में बैठे 24 लाख छात्र-छात्राओं का भविष्य मोदी सरकार के कारनामों से दांव पर लग गया है।उन्होंने कहा परीक्षा केंद्र और कोचिंग सेंटर का एक गठजोड़ बन चुका है जिसमें 'पैसे दो-पेपर लो' का खेल खेला जा रहा है। मोदी सरकार राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा-एनटीए के कंधों पर अपनी कारगुजारियों का दारोमदार रखकर अपनी जवाबदेही से पीछा नहीं छुड़ा सकती। खड़गे ने कहा पूरे नीट घोटाले में कांग्रेस पार्टी सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एक निष्पक्ष जांच की मांग करती है। जांच के बाद दोषियों को कड़ी से कड़ी सज़ा दी जाए और लाखों छात्र-छात्राओं को मुआवज़ा देकर उनका साल बर्बाद होने से बचाया जाए। पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने पेपर लीक और धांधली से करोड़ों युवाओं का भविष्य बर्बाद किया है।

दिल्ली में जनता की सरकार की स्थापना के संदर्भ में आपके पास बम-बम महाराज नौहट्टिया का दावा

दिल्ली में, दिल्ली की जनता की सरकार की स्थापना का लंबित है वह क्यों

नई दिल्ली। दिल्ली की ढाई करोड़ की आबादी को उपराज्यपाल जी के भरोसे और न्यायिक कैदी तथा विभाग रहित बेरोजगार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पता तिहाड़ जेल के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता और ना ही उन 58 विधायकों के भरोसे छोड़ा जा सकता है जो कि केजरीवाल की हर गलतियों के साथ खड़े रहे हैं और केजरीवाल के जेल जाने के बाद 22 मार्च से लेकर 10 अप्रैल 2024 तक कोई भी वैकल्पिक सरकार एवं मुख्यमंत्री की व्यवस्था के द्वारा दिल्ली को नाना प्रकार की समस्याओं से बचाने के लिए ही कोई प्रयास किया हैं।

अत: दिल्ली की ढाई करोड़ की झुलसती हुई जनता को और पानी के बिना प्यासी जनता को और बिजली के बिना अंधकारमय जनता को और अन्य नाना प्रकार की समस्याओं से ग्रस्त जनता को अपनी सरकार और अपना विकल्प और जनता के चुने गए जनप्रतिनिधि का उपयोग वर्तमान विधानसभा में बहुमत के लिए करने का फैसला करके जनता की सरकार बनाने का और दिल्ली की ढाई करोड़ की जनता को समस्या, समाधान देने का जो त्वरित प्रयास दिल्ली की जनता के लिए एक संवेदनशील नागारिक होने के नाते जो

बम-बम महराज नौहट्टिया ने आपके समक्ष जनता की सरकार बनाने का जनतंत्र के वास्तविक संवैधानिक रूपरेखा के आधार पर किया है, उस पर आपके द्वारा 10 अप्रैल से आज 14 जून 2024 तक कोई भी निर्णय ना लेना उपराज्यपाल कार्यालय के लिए प्रश्नचिंह है।

आज के इस ज्ञापन के द्वारा आपसे उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से और मुख्य सचिव ईशा खोसला जी से आग्रह करते हैं कि ढाई करोड़ दिल्ली की जनता के हित में तत्काल प्रभाव से निम्न आदेश जारी करें।

यह कि सबसे पहले न्यायिक कैदी श्री अरविंद केजरीवाल जो कि मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए आपराधिक गतिविधियों में लिप्त हुए हैं और जो अभी न्यायिक कैदी के रूप में तिहाड़ जेल, दिल्ली में कैदी हैं। अत: पब्लिक सर्विस के नियमानुसार कैदी केजरीवाल स्वत: कोई भी पद पर बने नहीं रह सकता, कैदी केजरीवाल को आपको दिनांक 22 मार्च 2024 को ही मुख्यमंत्री के पद से बर्खास्त कर देना चाहिए था, किंतु आपने कर्त्तव्य का निर्वाह नहीं किया और आपने हमारे द्वारा दिए गए पत्रों के ऊपर भी कैदी केजरीवाल को मुख्यमंत्री से अब तक बर्खास्त नहीं किया है जो आपका गलत फैसला है इसलिए कृप्या आप तत्काल प्रभाव से कैदी केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से बगैर दिल्ली के वर्तमान विधानसभा को भंग किए अथवा निलंबित किए बर्खास्त करें।

यह कि बम-बम महाराज नौहट्टिया को 10 अप्रैल को मेल से व 16 अप्रैल 2024 को दस्ती दावा पत्र आपके समक्ष दिल्ली की जनता की सरकार बनाने दावा किया गया है और जो जनता की सरकार का दावा जनतंत्र जो संवैधानिक ढांचा देश में सरकार का है उसके अनुसार जनता की सरकार ही संवैधानिक सरकार है, ना की किसी भी राजनीतिक दल सरकाड़ संवैधानिक सरकार है, चूंकि संविधान में जनतंत्र तो लिखा है किंतु पार्टीतंत्र संविधान में कहीं नहीं लिखा है। इसके साथ ही कोई भी जनप्रतिनिधि जिसे जनता चुनती है वह जनप्रतिनिधि सबसे पहले जनता का प्रतिनिधि है बाद में वह किसी पार्टी का कार्यकर्ता हो सकता है, किंतु जनता का जनप्रतिनिधि जनता का ही होता है और वर्तमान दिल्ली विधानसभा में भी जो 66 विधायक मौजूद हैं, जिसमें लगभग 30 विधायकों से दिल्ली में राष्ट्रपति शासन के खिलाफ और जनता की सरकार के पक्ष में बम-बम महाराज नौहट्टिया द्वारा विधायकों के मोबाइल पर बात कर और उनके पी. ए. के मोबाइल पर बात कर जनता की सरकार की प्रबल संभावना को साकार किया है, जिसके तहत लगातार माननीय उपराज्यपाल दिल्ली के समक्ष और गृहमंत्री भारत सरकार और राष्ट्रपति भारत सरकार के समक्ष दावा किया है, जो आपके समक्ष दावा किया है, जो उपरोक्त पत्रांक दिनांक से मुख्य सचिव आदरणीय ईशा खोसला जी उपराज्यपाल कार्यालय के समक्ष

लंबित है, जिस पर अंतिम फैसला दिल्ली की जनता की सरकार के लिए करने हेतु आज 14 जून 2024 को निर्धारित समय अनुसार आपको यह पत्र दिया जा रहा है, जिस पर आप तत्काल प्रभाव से आप कैदी मुख्यमंत्री केजरीवाल को बर्खास्त करें और दिल्ली की जनता की सरकार के लिए बम-बम महाराज नौहट्टिया को आदेश पत्र प्रदान करें और दिल्ली की ढाई करोड़ की आबादी को ना-ना प्रकार की समस्याओं से निजात दिलाएं।

यह कि दिल्ली की जनता के चुने प्रतिनिधि जो 66 विधायक वर्तमान दिल्ली विधानसभा में हैं, इन्हीं विधायकों से मैं बम-बम महराज नौहट्टिया दिल्ली विधानसभा में दिल्ली की जनता की सरकार का बहुमत बतौर मुख्यमंत्री साबित करूंगा। तकरीबन कोई भी विधायक जनता की सरकार के विपरीत नहीं जा सकते हैं क्योंकि सभी विधायक सबसे पहले जनता के चुने हुए प्रतिनिधि के तौर पर है और दिल्ली को वर्तमान में एक ऐतिहासिक और पुरुषार्थी पुरुष के तौर पर मुख्यमंत्री की आवश्यकता है जो दिल्ली की जनता को भीषण गर्मी से, भीषण जल संकट से, भीषण बिजली संकट से और अन्य ना-ना प्रकार की समस्याओं से त्वरित निदान प्रदान कर सकें की आवश्यकता है, जिसके लिए मैं बम-बम महाराज नौहट्टिया हर प्रकार से योग्य हूं।

अत: आप तत्काल प्रभाव से दिल्ली की जनता की सरकार के द्वारा एक नया इतिहास रचने के लिए और दिल्ली की समस्या का समाधान करने के लिए बम-बम-महाराज नौहट्टिया को मुख्यमंत्री के तौर दिल्ली की जनता की सरकार बनाने का अवसर प्रदान कर दिल्ली की ढाई करोड़ जनता को कृतार्थ करें।

चीन की बनाई टनल से घाटी में घुसे आतंकी!

नई दिल्ली, 14 जून। पाकिस्तान के आतंकी संगठनों की ओर से घाटी में लगातार की जाने वाली वारदात में चीन का बड़े स्तर पर नाम सामने आ रहा है। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों को मिली जानकारी के मुताबिक बॉर्डर पर चीनी सेना की ओर से कई ऐसे इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किए गए हैं, जो अब आतंकियों की घुसपैठ में मदद कर रहे हैं। सूचना इस बात की भी मिली है कि बीते तीन वर्षों से पाकिस्तान में ग्वादर रोड के निर्माण के दौरान बॉर्डर पर चीन की मदद से कई टनल तैयार की गईं हैं। जिनके माध्यम से पाकिस्तान अब अपने आतंकियों को घाटी में भेजने की नापाक कोशिश करने में लगा है। खुफिया एजेंसियों से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, हाल के दिनों में घाटी में जो घटनाएं हो रही हैं, उसमें ऐसे ही इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से घुसपैठ की तैयारियां हुई हैं। केंद्रीय खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान, चीन की मदद से घुसपैठ की कोशिश में लगा है। चीनी इंजीनियर और पाकिस्तान की सेना के साथ आईएसआई बॉर्डर पर बंकर का निर्माण करवा रही है। इसके अलावा कई और सैन्य बुनियादी ढांचे भी चीन की सेना के साथ मिलकर तैयार किए जा रहे हैं। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों से जुड़े सूत्रों के मताबिक पीओके की लीपा घाटी के भीतर चीनी इंजीनियर कुछ बड़े निर्माण कार्य में लगे हुए हैं। जानकारी मिली है कि इसमें कुछ बंकर तैयार किए जा रहे हैं। जबकि कुछ ऐसी सुरंगें बनाई जा रहीं हैं, जो काराकोरम नेशनल हाइवे से सीधे तौर पर जुड़ सकें। सूत्रों के मुताबिक वैसे तो यह निर्माण काफी समय से चल रहा है। इस दौरान कुछ ऐसे बंकर तैयार किए गए हैं, जो पाकिस्तान सेना की थोड़ी सी मेहनत के बाद घाटी के भीतर खुल सकें। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों को मिली जानकारी के मुताबिक घाटी के भीतर जिस तरीके से घुसपैठ की बात सामने आ रही है, उसमें यही इंफ्रास्ट्रक्चर मददगार बन रहा है। हालांकि घाटी में मौजूद सुरक्षा एजेंसी से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक इस तरीके की किसी भी घुसपैठ को कामयाब नहीं होने दिया जा रहा है।

पाटिल ने की नमामि गंगे मिशन परियोजनाओं की समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर.पाटिल ने जल शक्ति मंत्रालय का कार्यभार संभालने के तुरंत बाद आज नई दिल्ली में नमामि गंगे मिशन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। जल शक्ति राज्य मंत्री डॉ. राज भूषण चौधरी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। सचिव (जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण), सुश्री देबाश्री मुखर्जी, महानिदेशक (राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन - एनएमसीजी), श्री राजीव कुमार मित्तल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।समीक्षा के दौरान, अविरल गंगा घटक के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) द्वारा विकसित पर्यावरणीय प्रवाह (ई-प्रवाह) निगरानी प्रणाली भी श्री पाटिल की उपस्थिति में शुरू की गई। ई-प्रवाह निगरानी प्रणाली प्रयाग पोर्टल का एक अभिन्न अंग है, जो परियोजनाओं की योजना और निगरानी, ??नदी जल की गुणवत्ता और अन्य महत्वपूर्ण मापदंडों के लिए एक वास्तविक समय निगरानी केंद्र है। इस पोर्टल में गंगा तरंग पोर्टल, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट टूल डैशबोर्ड और गंगा जिला प्रदर्शन निगरानी प्रणाली जैसे ऑनलाइन

डैशबोर्ड शामिल हैं।

मंत्री महोदय ने कहा कि यह मंच गंगा, यमुना और उनकी सहायक नदियों की जल गुणवत्ता के वास्तविक समय के विश्लेषण की सुविधा प्रदान करता है और केंद्रीय स्तर पर नमामि गंगे कार्यक्रम की गतिविधियों की निगरानी करता है। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के प्रदर्शन की निगरानी ऑनलाइन सतत प्रवाह निगरानी प्रणाली (ओसीईएमएस) के माध्यम से की जाती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि सभी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) अपनी निर्धारित क्षमता पर काम करते हैं। विभिन्न स्थानों पर नदी जल की गुणवत्ता की भी निगरानी की जाती है।ई-फ्लो निगरानी प्रणाली का शुभारंभ गंगा नदी के निरंतर और सतत प्रवाह को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय जल आयोग की त्रैमासिक रिपोर्टों के डेटा का उपयोग करते हुए, सिस्टम गंगा मुख्य धारा के साथ 11 परियोजनाओं में इन-फ्लो, आउट-फ्लो और अनिवार्य ई-फ्लो जैसे प्रमुख मापदंडों की निगरानी करेगा। श्री पाटिल ने नमामि गंगे मिशन के अंतर्गत गंगा और उसकी सहायक नदियों सहित चल रही परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए नवीन समाधानों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और वर्तमान में नदी पुनर्जीवन कार्यक्रमों से वंचित क्षेत्रों के लिए नई रणनीतियों और दृष्टिकोण विकसित करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

Name Change
I, Josephine Alexander, W/o Alexander, R/o D-II-157, Kaka Nagar, NDMC, Lodhi Road, Central Delhi, Delhi-110003 have changed my name from JOSVIN to JOSEPHINE ALEXANDER for all future purpose. That JOSVIN and JOSEPHINE ALEXANDER is the name of same person.

Name Change
I, Reshma W/O of No 2804837L Sep Togale Ranjit Ganpati A/P- Kini TEH-Chandgade DIST- Kolhapur MAHARASHTRA, PIN CODE - 416508 have changed my name From Reshma To Reshma Ranjit Togale for all future purposes vide Affidavit dated - 13/06/2024 before Notary Public,Delhi.

Name Change
I, JC-704306N Rank-SUB/NA Name-MANOJ KUMAR SINGH RATHORE S/o SH. HARISH CHANDRA SINGH Permanent residing at VILL-RAMNAGAR, PO-KAILA, TEH-ALIGANJ, DIST-ETAH, UTTAR PRADESH-207247, in my service records my wife's (REKHA RATHORE) date of birth wrongly mentioned as 07/08/1979 instead of her correct date of birth as 15/07/1982 vide affidavit dated 14/06/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
THE PUBLIC AT LARGE TAKE NOTICE THAT MY CLIENTS, PARTAP SINGH S/o SUNDU RAM and KAMLA W/O PARTAP SINGH, BOTH R/O:A-30,A-BLOCK, PALAM EXTN.PART-1, SOUTH WEST, DELHI- 110045 and HEREBY DISINHERIT THEIR SON RAVINDER AND DAUGHTER-IN-LAW KIRTI, FROM ALL THEIR PROPERTIES MOVABLE AND IMMOVABLE BECAUSE OF THEIR BAD CHARACTER AND UNCONTROLLABLE BEHAVIORS OF THEIR DAUGHTER-IN-LAW. THE SAID PERSONS WOULD THEREFORE, BE NO LONGER SON AND DAUGHTER-IN-LAW OF MY CLIENTS. THE ABOVESAID SON AND DAUGHTER-IN-LAW OF MY CLIENTS WILL NOT INHERIT ANY PROPERTY OF MY CLIENTS AFTER THE DEATH OF MY CLIENTS.
RAVI KUMAR ADVOCATE
CHAMBER NO. 607, 6th Floor
Lawyer's Chamber Block Dwarka
District Court Sec-10, Dwarka,
New Delhi-75

Name Change
I,Murari Prasad S/o Tek Narayan Singh R/o C-255, Gali No.6, Shiv Colony, faridabad-121003, Haryana, have changed my name to Murari Prasad Singh permanently.

Name Change
I, QARI MUBARAK HUSEIN W/O ABDUL RAHMAN residing at SRIVASU CHAND POST-SRIVASU CHAND AFZALGARH BIJNOR UP-246722 have changed my name to QARI MUBARAK HUSSAIN for all future purposes

Name Change
I, SANJIVNI W/O OF No 2809666 N Rank - Sep Name- NAGE LAXMAN BHAUSAHEB At post- SARAI TAL-KHULATABAD DIS-AURANGABAD Pin code -431101 have changed my name from SANJIVNI TO SANJIVANI LAXMAN NAGE For all future purposes vide affidavit dated 13/06/2024 Before notary public Delhi.

PUBLIC NOTICE
My Client, Mr. Rinku Poshwal, S/o Mr. Tejpal Singh, R/o House No. 25, Chirodi Road, Banthala-2, Loni Dehat, Ghaziabad, U.P. is the sold and absolute owner of Residential Vacant Plot No. D-185-B, area measuring 50 sq. yards i.e. 41.80 sq. meters out of Khasra No. 227, situated at Residential Colony Kaveri City, Phase-II, Village Sikhrani, Pargana & Tehsil Loni, District Ghaziabad, U.P. and he had purchased the said property vide Sale Deed dated 03.10.2019 executed by Mr. Vinod in favour of Mr. Rinku Poswal in respect of the said property, duly regd. as Doc. No. 12391, in Book No. 1, Volume No. 38372 on Pages 1-26 on dated 03.10.2019, in the office of SRO-IV Ghaziabad. And in this property one of the back chain i.e. Original Sale Deed dated 02.07.2014 executed by Master Amit (Minor age 14 years) through his mother as a natural guardian Mrs. Kallo in favour of Mr. Vinod in respect of the said property, duly regd. as Doc. No. 19299, in Book No. 1, Volume No. 27886 on Pages 213-228 on dated 02.07.2014, in the office of SRO-IV Ghaziabad. Has been lost and in this regard he had lodged the lost report vide LAR No. 20240000423520. And Above-mentioned property is going to be mortgage with EASY HOME FINANCE LTD. if Any person/bank/financial institution having any claim/right, lien any objection whatsoever in regard to above property, should notified to the undersigned/Adv. Aditya Verma, C-2/12 Yamuna Vihar, Delhi-110053. along with documentary evidence under address through registered A/D within 07 days from the date of publication of this notice, failing which any claim, lien or objection shall be deemed to have been waived.
ADITYA VERMA, ADVOCATE.
Add: C-2/12, Yamuna Vihar,
Delhi-110053
Mobile No. 9999042521.

PUBLIC NOTICE
My Client, Mrs. Raj Kumari, W/o Mr. Sanjai Kumar, R/o Gali No. 20, Ganga Vihar Colony, Muradnagar, Ghaziabad, U.P.201206 is going to purchase the Plot area measuring 100 Sq. Yds., out of Khasra No. 161min, situated in the Village Sahbiswa, Pargana Jalalabad, Tehsil Modinagar, District Ghaziabad, U.P.; from Mr. Santer Pal S/o Mr. Ram Chander SIngh, R/o Baroli, Bulandshahr, U.P. who purchased the said property vide Sale Deed dated 02.07.2015 executed by (1) Mr. Rajkumar, (2) Mr. Harendra & (3) Mr. Gyanendra in favour of Mr. Santer Pal in respect of said property, Vide Doc No. 8274, Book No. 1, Volume No. 7912, on Page No. 393-410, registered on 02.07.2015, in SR-Modi Nagar., the above said Mr. Santer Pal lost the back chain of above said property i.e. (01) Original GPA dated 08.01.2002 executed by Mrs. Saroj in favour of Mr. Sunil Kumar Bansal inrespect of said property, Vide Doc No. 29, Book No. 4, Volume No. 75, on Pages No. 239-242, registered on 08.01.2002, in SR-Modi Nagar. (02) Original Sale Deed dated 05.05.2005 executed by Mr. Sunil Kumar Bansal through attorney of Mrs. Saroj in favour of Mrs. Pushp Lata Seth in respect of said property, Vide Doc No. 3312, Book No. 1, Volume No. 1196, On Pages No. 357-374, registered on 05.05.2005, in SR-Modi Nagar. (3) Original Sale Deed dated 06.09.2006 executed by Mrs. Pushp Lata Seth in favour of Mrs. Sunita Tyagi in respect of said property, Vide Doc No. 9488, Book No. 1, Volume No. 1684, on Page No. 87-108, registered on 06.09.2006 in SR-Modi Nagar. (4) Original Sale Deed dated 30.03.2007 executed by Mrs. Sunita Tyagi in favour of (1) Mr. Rajkumar, (2) Mr. Harendra & (3) Mr. Gyanendra in respect of said property, Vide Doc No. 3655, Book No. 1, Volume No. 1941, on Pages 277-290, registered on 30.03.2007 in SR-Modi Nagar. and in this regard he had lodged the lost report. And Above-mentioned property is going to be mortgage with EASY HOME FINANCE LTD. if Any person/bank/financial institution having any claim/right, lien any objection whatsoever in regard to above property, should notified to the undersigned/Adv. Aditya Verma, C-2/12 Yamuna Vihar, Delhi-110053. along with documentary evidence under address through registered A/D within 07 days from the date of publication of this notice, failing which any claim, lien or objection shall be deemed to have been waived.
ADITYA VERMA, ADVOCATE.
Add: C-2/12, Yamuna Vihar,
Delhi-110053
Mobile No. 9999042521.

Name Change
I, Shiv Kumar S/o Shri Radha Charan, Address:- House No 60, Street No 3. Durgavihar, Sriganganagar, Rajasthan 335001 have changed my name to Shiv Kumar Gupta for all future purpose.

Name Change
I,Renu Prasad w/o Murari Prasad Singh R/o C-255, Gali No.6, Shiv Colony, faridabad-121003, Haryana, have changed my name to Renu Verma permanently.

Name Change
It is for general information that I, MOHIT KRISHNA S/O KUNDAN KUMAR R/o D-682, MADIPUR COLONY, PASCHIM VIHAR, NEW DELHI-110063, declare that name of mine has been wrongly written as MOHIT in my S C CASTE CERTIFICATE NO-SC/03/31/40125/15/4/2011/8931044684 . The actual name of mine is MOHIT KRISHNA respectively which may be amended accordingly.

Name Change
I, ARUNA W/O of No 2808166K SEP SANAP BHAGVAN NARAYAN , ROW HOUSE NO -F-6,INDRA ANAND ROW HOUSE,BODKE NAGAR, HIRAWADI ,PANCHVATI, NR SAMRAT GOKULDHAM SOCITY NASHIK MAHARASHTRA, PIN CODE 422003 have changed my name FROM ARUNA TO SANAP ARUNA BHAGVAN for all future purposes vide Affidavit dated - 13/06/2024 before Notary Public,Delhi.

Name Change
I, Sonali W/O of No.2810302N NK Doke Jitendra Bhagwat R/O vill-Kharosa POST- Kharosa TEH - Ausa DIST - Latur PIN COD -413521 have changed my name from Sonali to Sonali Jitendra Doke For allfuture purposes vide Affidavit dated14/06/2024 before Notary public, Delhi

Name Change
I, ANCHAL GUPTA W/O NEERAJ GUPTA R/O WZ-252, A-BLOCK, STREET NO. 8, UTTAM NAGAR, NEW DELHI-110059 have changed my name to AANCHAL GUPTA for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
Notice to public at large that my clients Smt. & Sh. Kulbir Singh S/o Sh. Santokh Singh Arora R/o WZ-171, Street NO.16, G-Block, Hari Nagar, New Delhi has severed their relations and debarred their daughter Liza Siyan, her husband Kulvinder Singh & their children from all their movable/immovable property because they are not under control of my clients. My clients'other family members and relatives also severed their relations with them. If anybody deals with them which is at their own risk & responsibility.
(SUMIT GABA) ADVOCATE
Ch. No.T-7, Tis Hazari Courts, Delhi

Name Change
I, SWAPNALI. W/O OF No 2808908Y SEP JADHAV VAIBHAV ASHOK AT - c-52 Saraswati karpe chawl,hill road, near Mohan Nagar, chunabhatti POST-chunabhatti TEH-Mumbai DIST- MUMBAI PIN- 400 022 have changed my name from SWAPNALI to SWAPNALI VAIBHAV JADHAV For all future purposes vide affidavit dated 13/06/2024 Before notary public Delhi.

Name Change
I, JC-472186Y Rank-SUB/ HONY LT Name-BHUPENDRA PRATAP SINGH S/o PARAS NATH SINGH Presently residing at VILL-BHAWANI NAGAR, PO-BHAWANI NAGAR, TEH-TILOI, DIST-AMETHI, UTTAR PRADESH-229309 have changed my daughter's name from KUMARI RATNA SINGH to RATNA SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 14/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I Aman Bahadur Gurung S/o Bir Bahadur R/o Flat No 277, DDA SFS Flats Sector 1 Pocket 1 Dwarka, New Delhi 110075 have changed my name to Aman Bahadur for all future purposes.

Name Change
I, Smita W/O of No.2808272H sep Shinde pramod Bhagwan R/O vill- Rahimatpur POST- Rahimatpur TEH - Koregaon DIST - Satara PIN COD -415511 have changed my name from Smita to Smita pramod Shinde For allfuture purposes vide Affidavit dated13/06/2024 before Notary public, Delhi

PUBLIC NOTICE
MY CLIENT SH. DESHRAJ S/O LATE ARYA CHAND R/O A-106/3, SANJAY COLONY OKHLA PHASE-II, SANJAY COLONY OKHLA INDUSTRIAL ESTATE SOUTH DELHI, NEW DELHI, HAS SEVERED ALL RELATIONS AND DISOWNED HIS SON SUNIL KUMAR & HIS WIFE SEEMA AND THEIR CHILDREN MOHIT, NOHIT & KAJAL AND HIMANSHI FROM HIS ALL MOVABLE/IMMOVABLE PROEPRTY MY CLIENT SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR THEIR ACTS/DEED IN FUTURE.
YOUDHISTER SINGH ADVOCATE
CH.NO.521 LAWYERS BLOCK
SAKET COURT, COMPLEX
NEW DELHI-110017
M.NO.9350165296

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, RUCHI GARG D/O JAGDISH PRASAD GUPTA W/O VIKAS GARG R/O H.No- J-1/1, Sector- 13, RK Puram (Main), New Delhi -110066, declare that I got divorce from my husband VIKAS GARG vide court Decree HMA No. 1272/23, dated 09/01/2024, Further I have changed my name and shall hereafter be known as RUCHI AGARWAL.

Name Change
I, Rizwan S/o Anis Khan R/o A-161, Buland Masjid, Shastri Park, East Delhi-110053 have changed my name to Rizwan Khan permanently

PUBLIC NOTICE
We (1) PURAN CHAND son of Shri Amrit Lal and (2) SUNITA wife of Shri Puran Chand, both resident of RZH-12 H Block, Gali. No. 1, West Sagar Pur, South West Delhi-46 declareThat henceforth we have debarred our sons namely Vikash Kumar, aged about 40 yrs and Mr. Avinash Kumar aged about 29 yrs and his wife Smt. Chandni aged about 27 yrs both R/o RZH-12, 1st Floor, 'H' Block, Gali No.1, West Sagar Pur, South West Delhi-46 from our above said property due to their misbehave, using filthy language and quarrelling some nature. That any person dealing with them will do of his/her/their own risks and responsibilities as we have no concern with them in any manner whatsoever.

PUBLIC NOTICE
My clients Shri Surender Kumar S/o Late Shri Karam Chand, R/o RZ-49 A, Aggarwal Colony, hiew Anaj Mandi, Najafgarh, Delhi- 11OO43, has disown his son Shri Sourabh and his wife Smt. Neha D/o Shri Krishan for the misconduct and threat done by them on various occasions from my client's all movable and immovable property / properties with immediate effect. That they shall not inherit any of my client's property / properties and shall not be entitled to grant of probate to my client's will. Anybody transacting any business with Shri Sourabh and his wife Smt. Neha in respect to my clients, is doing that in his or her own risk, my clients shall not be responsible for any act in any manner at all, General Public take notice.
BALRAM Advocate
Chamber 303, Lawyers Chamber
Block, Dwarka Courts,
New Delhi- 11OO75

सार्वजनिक सूचना
जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल राम बाबू पुत्र स्व. श्री नेत्र पाल सिंह और श्रीमति राम प्यारी पता मकान न. 524. सी ब्लॉक, मलिकपुर कोही, रंगपुरी पहाडी, साउथ वेस्ट दिल्ली-110037 ने अपने पुत्र कृशन पुत्र बधू शारदा पत्नी कृशन और बबलू पुत्र बधू रेणु पत्नी बबलू पता मकान न. 524. सी ब्लॉक, मलिकपुर कोही, रंगपुरी पहाडी, साउथ वेस्ट दिल्ली-110037 को उनके अवज्ञाकारी एंव उद्?वण्ड स्वभाव होने के कारण तथा मेरे मुवक्किल से लड़ाई झगडा, बदत्तमीजी, मार-पिटाई और गाली-गलौज के कारण मेरे मुवक्किल उनसे संबंध विच्छेद कर, अपनी सभी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। मेरे मुवक्किल राम बाबू और श्रीमति राम प्यारी किसी भी कार्य के लिए जवाबदेह, जिम्मेदार एंव उत्तरदायी नहीं होंगे। अगर वह किसी से कर्ज लेता है या गैर कानूनी कार्यों में लिप्त होते है तो उसका जिम्मेबार। उत्तरदायित्व वह स्वयं होंगे ।
RANJANA CHAUHAN ADVOCATE
CH. NO. 420, 4th FLOOR, DWARKA
COURT COMPLEX, DWARKA,
NEW DELHI-75

PUBLIC NOTICE
The General Public is hereby informed that my client SHYAM LAL AND MRS. VIMLA DEVI R/O 40/43, GAUTAM NAGAR, SOUTH DELHI, DELHI-110049, I hereby inform the general public that my said clients have disowned their son, grand daughter's and their daughter–in–law Mr. Parvinder Kumar (UID No.5535 4148 5039), Mrs. Laxmi (UID No.3459 5293 5710), Khushi (UID No.8562 8118 1297) and Khushbu (UID No.4074 9488 9320)all R/o 40/43, Gautam Nagar, South Delhi, Delhi-110049 have served all relations with them with immediate effect. My said clients have divested them of all their movable and immovable properties. Any one dealing with them shall be responsible for his or her dealings with them and that my clients will not be held liable in regard to such actions/ dealings.
(Pankaj Kumar Yadav) Advocate
CH No.405, 4th Floor, Saket,
District Court Complex,
New Delhi-110017

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल आम अधिकार मिशन (दल का नाम) के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है जिसका कार्यालय-प्लॉट नंबर-815, यूनिट-8, जाति नगर, नारायण चौक, जाजपुर टाउन, जाजपुर, ओडिशा-755001 पर स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29क के अधीन राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है। पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पता नीचे दिए गए हैं। अध्यक्षः लोकनाथ प्रसाद साहू, निवासी- गांव-दुमुका, टाउन-दुमुका, थाना-मरसाघाई, जिला-केंद्रपाड़ा ,ओड़िसा। महासचिवः स्नेहलता साहू, निवासी-गांव-दुमुका, नगर-दुमुका, थाना-मार्सघाई, जिला-केंद्रपाड़ा, ओड़िसा। कोषाध्यक्षः- सरबनी सरिता, निवासी- ग्राम- बाराबती (भाग), नगर- विचित्रपुर, थाना- जाजपुर, जिला- जाजपुर, ओड़िसा। यदि किसी को आम अधिकार मिशन (प्रस्तावित पार्टी का नाम) के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति और इसके कारण सहित सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली-110001 को, इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेजें।

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल **राष्ट्रीय शिवाजी एकता पार्टी** के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। पार्टी कार्यालय- **ई-66, राजीव नगर, बेगमपुर, अपोजिट रोहिणी, सैक्टर-22, दिल्ली-110086** में स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29क के अधीन राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है, पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पता नीचे दिए गए हैं:-
अध्यक्षः करण शर्मा
महासचिवः विकास शर्मा
कोषाध्यक्षः नसीम खान
यदि किसी को **राष्ट्रीय शिवाजी एकता पार्टी** के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति इसके कारणों सहित सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग निर्वाचन सदन, अशोक रोड़, नई दिल्ली-110001 को इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेंजे।

समाधान शिविर में जनता की 98 समस्याओं का त्वरित समाधान

एजेंसी

सोनीपत। नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए समाधान शिविर में उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने लघु सचिवालय स्थित सभागार में सुबह 9 बजे से 11 बजे तक संबंधित अधिकारियों के साथ समाधान शिविर आयोजित कर आमजन की समस्याएं सुनीं। शिविर में 98 समस्याओं का समाधान किया गया और संबंधित विभागों को प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए गए।शिविर में प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, राशन कार्ड, बिजली, पानी, और सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं जैसी समस्याएं सुनी गईं। उपायुक्त ने मौके पर ही मौजूद अधिकारियों के माध्यम से नागरिकों की कई समस्याओं का तत्परता से समाधान किया। सोनीपत ककरोई रोड पर सीवर लाइन और सड़क की मरम्मत की शिकायत पर नगर निगम को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

नागरिकों की सुविधा के लिए लगाए जा रहे हैं समाधान शिविर

सिरसा। उपायुक्त आरके सिंह ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में सुबह 9 बजे 11 बजे तक समाधान शिविर लगाकर नागरिकों की समस्याएं सुनीं। समाधान शिविर में 94 लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। इनमें से 23 समस्याएं परिवार पहचान पत्र व 16 समस्याएं पेंशन से संबंधित थीं। उपायुक्त ने समस्याओं से संबंधित विभागों के अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं का निवारण करने के निर्देश दिए। समाधान शिविर में पहुंचे लोगों ने कहा कि सभी अधिकारी एक जगह पर मिलने से इनको काफी राहत मिली है। समाधान शिविर में नागरिकों द्वारा पेयजल की समस्या लेकर आने पर उपायुक्त ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्या का प्राथमिकता के साथ समाधान किया जाए। लोगों को निर्बाध रूप से बिजली और पर्याप्त मात्रा में पेयजल मिले।

अवैध कॉलोनियों पर चला पीला पंजा

सोनीपत। जिले में अवैध कॉलोनियों और निर्माणों के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए गांव फतेहपुर की राजस्व संपदा में 4 एकड़ जमीन पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया। जिला नगर योजनाकार अधिकारी (डीटीपी) नरेश कुमार के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। डीटीपी नरेश कुमार ने बताया कि इस अभियान के तहत 3 डीपीसी, 8 बाउंड्री वाल, 2 निर्माणाधीन रिहायशी घर, और 4 निर्माणाधीन व्यावसायिक दुकानों को ध्वस्त किया गया। उन्होंने आम जनता से अपील की कि वे अवैध कॉलोनियों में प्लॉट न खरीदें और अपनी मेहनत की कमाई को बर्बाद न होने दें, क्योंकि ऐसी कॉलोनियों में सरकार द्वारा किसी भी प्रकार की सुविधा नहीं दी जाती।

बदमाशों ने युवक का रास्ता रोक मारपीट कर की लूटपाट

पलवल। पलवल में बहन के घर से लौट रहे एक व्यक्ति के साथ कुछ लोगों ने मारपीट कर लूटपाट करने की घटना को अंजाम दिया। बदमाशों ने उसका रास्ता रोक कर वारदात को अंजाम दिया। मुंडकटी थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर एक नामजद सहित अन्य के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार जिला मथुरा (उत्तर प्रदेश) की अमर कॉलोनी निवासी मिट्ठन सिंह ने शिकायत दी है कि उसकी बहन का ससुराल हथीन में है। पीड़ित अपनी बहन के घर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने मथुरा से हथीन गया था। देर शाम करीब 4 बजे जब वह गाड़ी से मथुरा लौट रहा था, उसी समय रास्ते में मानपुर-सेवली गांव के मध्य हनुमान मंदिर के पास उसकी चलती गाड़ी पर हमला कर गाड़ी को रुकवा लिया।

फतेहाबाद शहर में साझा बाजार में महिला समूहों को मिलेगा आरक्षण

फतेहाबाद। समूह सदस्य अपने उत्पादों की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ उनकी क्वालिटी पर भी फोकस करें, ताकि आपके द्वारा तैयार उत्पाद मार्केट में आसानी से जगह बना सके और आपको आर्थिक लाभ मिल सके। यह बात जिला परिषद के सीईओ एवं एचएसआरएलएम के जिला मिशन निदेशक सुरेश कुमार ने एचएसआरएलम द्वारा खंड कार्यालय में स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कही। उन्होंने कार्यक्रम में जिला के सभी खंडों से स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी की विजिट करके सभी सदस्यों से उनके उत्पादों के बारे में गहनता से जानकारी ली व उत्पादों की गुणवत्ता कैसी बढ़ाने के सुझाव दिए। कार्यक्रम के दौरान समूहों के सदस्यों को समूह सदस्यों द्वारा तैयार उत्पादों से संबंधित लघु फिल्म दिखाई गई। जिप सीईओ सुरेश कुमार ने बताया कि उनके उत्पादों की क्वालिटी बरकरार रखते हुए उत्पादों की संख्या को बढ़ाना है। इसके साथ ही उत्पाद की ब्रांडिंग, मार्केटिंग व पैकेजिंग किस प्रकार से होनी चाहिए, इस पर अपने सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि प्रशासन की ओर से हर संभव मदद स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा तैयार उत्पादों को दिलवाई जाएगी।

हिसार में होगा राज्य स्तरीय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह

एजेंसी

हिसार। राज्य स्तरीय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का आयोजन हिसार के महाबीर स्टेडियम में किया जाएगा। इसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह मुख्य अतिथि

- **मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी होंगे मुख्य अतिथि**

होंगे। उपायुक्त प्रदीप दहिया ने लघु सचिवालय के जिला सभागार में 21 जून को आयोजित होने वाले 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों बारे आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह जानकारी दी। इस बैठक में संबंधित सभी विभागों के अधिकारी तथा विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि समारोह में लगभग 10 हजार योग साधक शिरकत करेंगे। नागरिक घर बैठे ही इस कार्यक्रम का देख सकेंगे, इसके लिए पूरे कार्यक्रम का लाइव प्रसारण करवाया जाएगा। योग कार्यक्रम सुबह 6 बजे प्रारंभ होगा। उपायुक्त ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम खंड स्तर से लेकर राज्य स्तर तक आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने खंड तथा उपमंडल स्तरीय सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे योग दिवस कार्यक्रम को हर्षोल्लास व उत्साह के साथ मनाएं। इसके लिए तमाम तैयारियां समय रहते पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को समारोह स्थल पर डॉक्टरों की टीम सहित एंबुलेंस तथा जन-स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को पर्याप्त स्वस्थ पेयजल उपलब्ध रखने के निर्देश देते हुए अन्य विभागों के अधिकारियों की भी ड्यूटियां निर्धारित की। उपायुक्त ने कहा कि समारोह में बड़ी संख्या में योग साधक पहुंच रहे हैं। इन्हें किसी प्रकार की कोई समस्या न हो। इसके लिए व्यापक प्रबंध किए जाएंगे। समारोह स्थल पर पर्याप्त बड़ी-बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाई जाएंगी ताकि कार्यक्रम को अच्छी प्रकार से देखा जा सके। बैठक उपरांत उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों के साथ समारोह स्थल का दौरा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त नीरज, एसीयूटी कनिका गोयल, हिसार एसडीएम जयवीर यादव, हांसी एसडीएम मोहित महराणा, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ धर्मपाल पुनिया, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नरेंद्र सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

झोलाछाप चिकित्सक के क्लीनिक पर सीएम फ्लाइंग टीम का छापा

एजेंसी

सोनीपत। सीएम फ्लाइंग की टीम ने खरखौदा के निजामपुर माजरा गांव में एक झोलाछाप चिकित्सक के क्लीनिक पर अवैध एलोपैथिक दवाइयां, अबॉर्शन किट, नशीली दवाइयां और इंजेक्शन रखकर लोगों के स्वास्थ्य के

साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है। टीम ने क्लीनिक पर छापा मारा। सीएम फ्लाइंग की टीम ने स्वास्थ्य विभाग से सहयोग करते हुए निजामपुर गांव में क्लीनिक की तलाशी की। जांच में जिला औषधि अधिकारी मुंशी राम, डॉ. गौरव लश्कर, और मनोज कुमार ने शामिल होकर क्लीनिक की जांच की, जिसमें अवैध दवाइयां या सामग्री नहीं मिली।

डॉ. गौरव ने बताया कि उन्होंने क्लीनिक की समग्र जांच की है और किसी भी अनियमितता या अवैध दवाओं का पता नहीं चला। क्लीनिक के संचालक द्वारा उल्लंगना की कोई रिपोर्ट नहीं आई है, जिसके चलते कोई आगामी कार्रवाई की संभावना नहीं है। इस घटना से संबंधित आगामी जानकारी के लिए अधिक जांच जारी है।

शहरों में कृषि भूमि पर एनडीसी की जरूरत नहीं, अब सीधी होंगी रजिस्ट्री

- **निकाय क्षेत्रों में खाली प्लाटों को बेचने का भी रास्ता हुआ साफ**

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने शहरी क्षेत्रों को बड़ी सौगात दी है। शहरों में कृषि भूमि को एनडीसी (नो-ड्यूज सर्टिफिकेट) के दायर बाहर किया गया है, साथ ही निकायों में खाली पड़े प्लाटों को बेचने का रास्ता भी साफ हो गया है।

शहरी निकाय मंत्री सुभाष सुधा हरियाणा सिविल सचिवालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान शहरी निकाय मंत्री सुभाष सुधा ने शहरी क्षेत्रों में कृषि भूमि पर छूट देने का ऐलान किया। साथ ही उन्होंने प्लाटों को भूखंडों में बेचने की सौगात भी शहरवासियों को दी। वहीं

741 अवैध कालोनियों को भी नियमित करने का ऐलान किया। यही नहीं प्रापर्टी आईडी से संबंधित समस्याओं का एक सप्ताह के भीतर निवारण करने का भी दावा किया। शहरी निकाय मंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि शहरों में कृषि भूमि की खरीद-फरोख्त में अब एनडीसी की आवश्यकता नहीं होगी, यानी भू-मालिकों को विकास शुल्क और प्रापर्टी टैक्स नहीं देना होगा। इससे 2.52 लाख सर्पत्तियां एनडीसी के दायरे से बाहर होंगी। शहरी निकाय मंत्री सुभाष सुधा ने पिछले समय से शहरों में प्लाटों की बंद रजिस्ट्री को चालू करने का भी ऐलान किया। अब खालली प्लाटों को बेचने का रास्ता साफ हो गया है। इससे 4.30 लाख संपत्तियों को लाभ मिलेगा। यही नहीं सुभाष सुधा ने शहरी क्षेत्र में सबसे बड़ी समस्या लाल डोरा संपत्ति का भी हल निकाला है। अब लाल डोरा भू-मालिक को स्वयं सत्यापित शपथ पत्र देना होगा, जिससे उन्हें संपत्ति बेचने का अधिकार मिल जाएगा, इस तरह की 6,85,000 संपत्तियों को लाभ मिलेगा।

नांगल चौधरी हलके के लिए 44.65 करोड़ की नहरी योजनाएं मंजूर

- **जोहड़ों को नहर से जोड़ने के कार्य को भी मिली मंजूरी**

एजेंसी

नारनौल। नहर की अंतिम टेल पर स्थित नांगल चौधरी हलके की सूखी भूमि को स्थायी जल व्यवस्था प्रदान करने के लिए हरियाणा सरकार ने 44.65 करोड़ रुपये की सिंचाई योजनाओं को मंजूरी दी है। इससे नहरी पानी का भंडारण व सरसों की फसल के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के माध्यम से फव्वारे द्वारा सिंचाई करने की योजना है। प्रदेश के सिंचाई मंत्री डा. अभय सिंह यादव ने बताया कि इससे पूर्व भी लगभग एक दर्जन गांवों में चार एकड़ के क्षेत्र में 15 फुट गहरे तालाबों का निर्माण किया गया है। जिसमें कोरियावास, बशीरपुर, अलीपुर, दौचाना, धानोता, नायन, नारेड़ी, ढाणी सैनियां, थनवास, नेहरू नगर, दताल,

कमानियां, बिगोपुर, धोलेड़ा, एवं निजामपुर गांव शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत वर्षा की ऋतु में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होने वाले नहरी पानी का भंडारण किया जाएगा तथा सरसों की फसल के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के माध्यम से फव्वारे द्वारा सिंचाई करने की योजना है। इसी कड़ी में अब वर्तमान में बलाह कला, गोद, सिरोही बहाली, भुगारंका, ढाणी बिशना (नायन) बनिहाड़ी और जिले के अंतिम छोर पर राजस्थान बॉर्डर के साथ स्थित गोठड़ी समेत इन सभी गांवों में 4 एकड़ क्षेत्र में पक्के जल भंडार बनाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त नांगल सोडा, शोभापुर एवं नेहरू नगर, नांगल पीपा, मेघोत बिंजा, थनवास एवं दताल गांवों के जोहड़ों को नहर से जोड़ने के कार्य को भी सरकार से मंजूरी मिली है। मंत्री ने बताया कि इसके साथ ही सरकार ने नांगल चौधरी हलके के गांव आकोली, रामबास, इकबालपुर नंगली एवं बिगोपुर में जल भंडार बनाकर सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली से सिंचाई के लिए किसान के खेत तक पानी उपलब्ध करवाने की योजनाओं को लागू किया है।

हरियाणा में फिर 741 अवैध कालोनियां हुईं नियमित, संपत्ति बेचने का रास्ता साफ

एजेंसी

चंडीगढ़। लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद नायब सरकार ने शहरी क्षेत्रों की लंबित मांगों को सुलझाने की कवायद शुरू कर दी है। खासकर प्लाटों की रजिस्ट्री, अवैध कालोनियों को नियमित करने सहित प्लाटों को भूखंडों में बेचने की प्रमुख समस्याओं का निवारण कर दिया गया है। हरियाणा सिविल सचिवालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए शहरी निकाय राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने प्रदेशवासियों को 741 अवैध कालोनियों को नियमित करने का ऐलान किया। इसके साथ ही 433 अवैध कालोनियों को लेकर 30 जून तक डिमांड मांगी है। 741 अवैध कालोनियों के नियमित होने से 1 लाख 71 हजार 368 संपत्तियों को बेचने का अधिकार मालिकों को मिलेगा। कालोनियों को नियमित करने के साथ 705 छोटे क्षेत्रों (पैचेस) को भी नियमित किया जा चुका है। हालांकि 1200 क्षेत्र (पैच), जोकि सरकारी भूमि पर वन क्षेत्र में या ग्रीन बेल्ड और रोड की भूमि पर हैं, उन्हें छोड़कर बाकी 30 जून तक अधिकृत किया जाएगा, इससे 13.38 लाख सर्पत्तियों को लाभ मिलेगा।

वहीं राज्यमंत्री ने आपत्ति लगने के चलते राशि नहीं जमा करा पाने वाले भू-मालिकों को भी बड़ी राहत दी है। एक लाख 17 हजार 705 संपत्तियों पर आपत्ति होने के चलते लोग राशि जमा नहीं कर पा रहे थे, अब उनहें राशि जमा कराने की सुविधा दी गई है। राज्यमंत्री ने कहा कि शहरों में प्रापर्टी आइडी की खामियों को दुरुस्त करने के लिए विशेष शिविर लगाए जाएंगे। आगामी एक सप्ताह के भीतर सभी प्रापर्टी आईडी की त्रुटियों को ठीक करने के निर्देश दिए गए हैं। शहरी निकाय मंत्री सुभाष सुधा ने शहरवासियों को निकायों में संपत्तियों के पंजीकरण कराने के झंझट से मुक्ति दिलाने का फैसला लिया है। अब शहरी क्षेत्र में प्लाट की रजिस्ट्री होने के बाद भू-मालिकों को उसे पंजीकरण कराने के लिए निकायों का धक्के नहीं खाने पड़ेंगे, बल्कि घर बैठे ही एचएसवीपी और एचएसएआईआईडीसी की तर्ज पर तहसील में किसी भी प्रकार की संपत्ति की रजिस्ट्री होने पर सीधा विवरण निकायों के पोर्टल पर अपलोड होगा।

निकाय मंत्री सुभाष सुधा ने भू-मालिकों को प्लाटों को भूखंडों में बेचने की सौगात दी है। हालांकि जमीन को भूखंडों में बेचने पर भी शर्त लगाई है कि 100 गज से कम भूमि को भूखंड में बेचने का अधिकार नहीं होगा। 100 गज से ऊपर भूमि को भूखंडों को आसानी से बेचा जा सकेगा। शहरी क्षेत्रों में एचएसवीपी, एचएसआईआईडीसी, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग की लाईसेंस्ड कालोनियों को छोड़कर अन्य संपत्तियों को जो नगर निकायों के नियंत्रण में है उनका बंटवारा किया जा सकता है।

सोनीपत पुलिस ने ड्रग फ्री भारत अभियान की शुरुआत की

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत जिले में पुलिस ने ड्रग फ्री भारत अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत, पुलिस अधिकारी ने जनता को नशे के खतरों से अवगत करने के लिए जागरुकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अभियान का आयोजन 12 जून से 26 जून तक किया जा रहा है और इसका मुख्य उद्देश्य है नशे के प्रभाव से देश को मुक्त कराना। इस दौरान, पुलिस टीमें सोनीपत के विभिन्न क्षेत्रों में नशा तस्करी को रोकने के लिए कार्रवाई कर रही हैं। पुलिस अधिकारी मनबीर सिंह ने बताया कि यह अभियान युवाओं को नशे से दूर रखने के साथ-साथ समाज को भी जागरूक करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति को हानि पहुंचाता है, बल्कि पूरे परिवार के जीवन को भी बर्बाद कर देता है। इस अभियान के तहत जागरूकता वाहन नशे के दुष्परिणामों को समझाने के लिए लोगों के बीच चल रहा है।

लोगों से अपील की गई है कि वे अपने अपने आस-पास के युवाओं को नशे से बचाने में मदद करें। इस अभियान के अंतर्गत अभियान के विरोधी कारोबार की सूचना देने के लिए पुलिस विभाग ने एक विशेष होल-फ्री नंबर जारी किया है। इस नंबर पर सूचना देने वाले के नाम की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

करनाल में डोमेस्टिक एयरपोर्ट बनाने की योजना: कमल गुप्ता

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के स्वास्थ्य एवं नागरिक उड्डयन मंत्री कमल गुप्ता ने कहा कि अब आने वाले कुछ माह में करनाल से पूरे भारत के लिए हवाई सफर किया जा सकेगा। इसके लिए करनाल एयरोड्रोम को डोमेस्टिक एयरपोर्ट बनाने की योजना है। नागरिक उड्डयन मंत्री ने करनाल एयरोड्रोम का निरीक्षण किया।

हरियाणा के नागरिक उड्डयन मंत्री डॉ. कमल गुप्ता यहां एयरोड्रोम, लोक निर्माण विभाग के साथ-साथ अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। बैठक में डोमेस्टिक एयरपोर्ट बनाने के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। इस परियोजना को शीघ्र अति शीघ्र अमलीजामा पहनाने के लिए अधिकारियों को कुछ आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल करनाल के नागरिकों को सुविधा देने के लिए डोमेस्टिक एयरपोर्ट की परियोजना को अमलीजामा पहनाना चाहते हैं। इसी उद्देश्य से ही करनाल एयरोड्रोम का निरीक्षण किया गया है और अधिकारियों से डोमेस्टिक एयरपोर्ट बनाने को लेकर जो भी

कठिनाइयां थीं, उन्हें दूर करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने करनाल एयरोड्रोम की वर्कशॉप, हवाई पट्टी और एयरोड्रोम के चारों तरफ बनाई गई चारदीवारी और अन्य मुख्य कक्षों का निरीक्षण किया। नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा कि करनाल, अंबाला, पिंजौर, नारनौल और भिवानी में तीन से चार हजार फुट की पट्टियां हैं। इन सभी हवाई पट्टियों का सर्वे किया जा रहा है और आरसीएस के तहत डोमेस्टिक एयरपोर्ट बनाने की संभावनाओं को तलाशा जा रहा है। इन सभी हवाई पट्टियों का सर्वे करने के बाद अधिकारियों से चर्चा की जाएगी और जहां-जहां संभावना होगी वहां डोमेस्टिक एयरपोर्ट बनाया जाएगा। इस मौके पर पूर्व मंत्री कर्णदेव काम्बोज, करनाल के उपायुक्त श्री उत्तम सिंह, पूर्व मेयर रेनू बाला गुप्ता सहित करनाल एयरोड्रोम तथा जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

सीएमओ ने किया नागरिक अस्तपाल का औचक निरीक्षण

एजेंसी

जींद। नागरिक अस्पताल उचाना का औचक निरीक्षण दोपहर को सिविल सर्जन डा. गोपाल गोयल, उप-सिविल सर्जन डा. पालेराम, डा. रमेश पांचाल ने इमरजेंसी सेवाएं, लेबर रूम एवं वार्डों का निरीक्षण किया गया। मरीजों से मुलाकात करके उनका हाल.चाल भी जाना गया। गर्मी को देखते हुए सिविल सर्जन द्वारा वार्डों में लगाए गए कूलरों की व्यवस्था की सराहना की गई। एनबीएसयू एवं लेबर रूम में उपस्थित स्टॉफ को निर्देश दिए गए की कोई भी गर्भवती महिला डिलीवरी हेतू आए उसका रजिस्ट्रेशन अवश्य करें। जांच उपरांत यदि रेफर की आवश्यकता है तो एंबुलेंस सेवा के साथ उसको रेफर की जाए। परिवार, गर्भवती महिला को अच्छे तरीके से प्रेरित किया जाए। सभी अधिकारियोंए कर्मचारियों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा जो ड्रेस कोड लागू किया गया है, उसको लेकर संबंधित स्टॉफ ड्रेस कोड डालने बारे निर्देश दिए गए। प्रत्येक अधिकारी, कर्मचारी अपनी बायोमैट्रिक हाजरी समय अनुसार दैनिक तौर पर लगाएं। यदि कोई अधिकारी, कर्मचारी बायोमैट्रिक हाजरी समय पर नहीं लगा रहा है तो उसके विरूद्ध विभागीय कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। निरीक्षण के बाद सिविल सर्जन द्वारा स्वास्थ्य कार्यक्रमों को रिव्यू करने के लिए मिटिंग ली गई। निर्देश दिए गए की सभी स्वास्थ्य कार्यक्रमों के लक्ष्यों को शीघ्र अति शीघ्र प्राप्त करें। इस मौके पर डा. सुशील गर्ग, एसएमओ डा. राजेश दंतक सर्जन, शकुंतला एसएनओ, राज सिंह, मोहित कुमार मौजूद रहे।

लोकतंत्र की ताकत तानाशाह का अहम और वहम दोनों दूर देती है: कुमारी शैलजा

एजेंसी

फतेहाबाद। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा लोकसभा सीट से कांग्रेस की नवनिर्वाचित सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि लोकसभा चुनाव का पड़ाव पार कर दिया है अभी हरियाणा में अगला पड़ाव पार और करना है। सब मिल-जुलकर रहें।प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी। जो कल तक किसी को अपने पास में खड़ा तक नहीं होने देते थे, आज वो दूसरे लोगों का हाथ पकडक़र चल रहे हैं। उन्हें गले लगा रहे है, यहीं लोकतंत्र हैं। यहीं लोकतंत्र की ताकत है जो अच्छे-अच्छे तानाशाह का अहम और वहम दोनों दूर कर देती है। कुमारी सैलजा टोहाना में कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करने पहुंची थी। यहां पहुंचे पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता बलजिंदर सिंह ठरवी, स्वास्तिक एनजीओ के अध्यक्ष अनिल ज्याणी और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया और जीत की बधाई दी। इस अवसर पर टोहाना के पूर्व विधायक निशान सिंह, हांसी के पूर्व विधायक अतर सिंह सैनी व सर्व खाप पंचायत के राष्ट्रीय प्रवक्ता सूबे सिंह समैण, समैण के सरपंच रणबीर सिंह गिल, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता हरपाल सिंह बुडानिया, पूर्व मंत्री परमवीर सिंह, कांग्रेस के पूर्व जिला

प्रधान रणधीर सिंह, कृष्ण नांगली आदि मौजूद रहे।कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करते हुए सैलजा ने कहा कि हरियाणा में अब दूसरा पड़ाव है यानि तीन माह बाद विधानसभा चुनाव होने है जिसके लिए कार्यकर्ताओं को अभी से कमर कस लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर कोई मुख्यमंत्री की दावेदारी करता है तो उसे यह सोचना चाहिए कि इस दौड़ में कोई और भी शामिल हैं। उधर कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में कहा कि वे ही नहीं पूरा हरियाणा सैलजा को मुख्यमंत्री के पद पर देखना चाहता है। उन्होंने कहा कि सारे काम प्राथमिकता से होंगे, मिल बैठकर काम करेंगे, कमेटियां बनाई जाएंगी, हर कमेटी अपना अपना काम करेगी ताकि लोगों को किसी भी परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा में कोई कमी नहीं रहेगी डटकर सेवा की जाएगी। उन्होंने कहा कि राजनीतिक में कार्यकर्ता सबसे अहम कड़ी होता है, कार्यकर्ता ही नेता बनाता है, हम सबको मिल-जुलकर रहना है काम करना है हमारी यहीं ताकत और जनता का आशीर्वाद झूठ पर टिकी भाजपा सरकार को बाहर का रास्ता दिखाकर रहेगी।

ड्यूटी पर तैनात महिला सफाई कर्मी की सड़क हादसे में मौत

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम की एक महिला सफाई कर्मचारी की गुरुवार सुबह वाटिका चौक पर एक तेज रफ्तार कैब की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे के दौरान वह सफाई कर रही थी।बादशाहपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने आरोपी कैब ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। वह मौके पर अपनी कैब छोड़कर भाग गया था।

सूचना पाकर अन्य सफाई कर्मचारी मौके पर एकत्र हो गये और सड़क पर जाम लगा दिया और पुलिस ने कुछ देर बाद किसी तरह सड़क खुलवायी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। प्रदर्शन के दौरान सफाई कर्मियों का गुस्सा मुख्य सड़कों पर सफाई कार्य के लिए सफाई कर्मियों की तैनाती के खिलाफ भी था। उन्होंने अपने ड्यूटी प्वाइंट बदलने की मांग की है। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान सराय अलावर्दी गांव निवासी सरोज (52) के रूप में हुई और वह एमसीजी की स्थायी कर्मचारी थी। वह कुछ दिन पहले ही ट्रांसफर होकर बादशाहपुर क्षेत्र में तैनात हुई थीं। पुलिस के मुताबिक, घटना सुबह करीब 8 बजे वाटिका चौक पर हुई, जब मृतक सहित एमसीजी के सफाई कर्मचारी सेक्टर 56 की ओर जाने वाली मुख्य सड़क पर वाटिका चौक रेड लाइट एरिया के पास सफाई के काम में व्यस्त थे। खेड़की दौला की ओर तेज गति से आ रही टैक्सी सेवा में प्रयुक्त हुंडई एक्सेंट कार ने महिला सफाई कर्मचारी सरोज को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि महिला हवा में उछलकर कई फीट दूर गिरी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। इसी बीच अन्य सफाई कर्मचारी वहां एकत्र हो गए और विरोध शुरू कर दिया। उन्होंने कुछ देर के लिए सड़क भी जाम कर दी और उनकी ड्यूटी मुख्य सड़कों से हटाने की मांग की। एक अन्य सफाई कर्मचारी अंकुर की शिकायत पर बादशाहपुर पुलिस स्टेशन में आरोपी कैब ड्राइवर के खिलाफ आईपीसी की धारा 279 (रैश ड्राइविंग), 304-ए (लापरवाही के कारण मौत) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर सुमन ने बताया कि कैब ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है।

अंबुजा सीमेंट्स ने 10,422 करोड़ रुपये में पेन्ना सीमेंट का किया अधिग्रहण

एजेंसी

नई दिल्ली। अडाणी समूह की कंपनी अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड ने पेन्ना सीमेंट इंडस्ट्रीज लिमिटेड (पीसीआईएल) का 10,422 करोड़ रुपये में अधिग्रहण करने का ऐलान किया है। इस अधिग्रहण के लिए दोनों कंपनियों ने समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। पेन्ना सीमेंट के अधिग्रहण से अडाणी समूह की सीमेंट उत्पादन क्षमता में 1.4 करोड़ टन सालाना बढ़ोत्तरी होगी। इसके साथ ही समूह की कुल सीमेंट उत्पादन क्षमता 8.9 करोड़ टन सालाना हो जाएगी। इस समझौते के तहत अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड पेन्ना सीमेंट इंडस्ट्रीज लिमिटेड के मौजूदा प्रवर्तक समूह पी. प्रताप रेड्डी एवं परिवार से कंपनी के 100 फीसदी शेयर खरीदेगी। इस अधिग्रहण से सीमेंट बाजार में अडाणी समूह की अखिल भारतीय हिस्सेदारी दो फीसदी और दक्षिण भारत में आठ फीसदी बढ़ जाएगी। इसके साथ ही अडाणी समूह के समुद्री परिवहन लॉजिस्टिक्स को भी मजबूती मिलेगी।

हवाई किराये की समीक्षा करेगी सरकार : राममोहन नायडू

एजेंसी

नईअदिल्ली। तेलुगु देशम पार्टी कोटे से मंत्री बने किंजरपु राममोहन नायडू ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय का कार्यभार संभाल लिया।

कार्यभार संभालने के बाद नायडू ने मीडियाकर्मियों से कहा कि सरकार हवाई यात्रा किराये की समीक्षा करेगी। यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। मेरा पूरा इरादा यह सुनिश्चित करना है कि हवाई यात्रा आम आदमी के लिए सुलभ हो। इसे हकीकत बनाने के लिए किराया सस्ती होनी चाहिए। मेरी प्राथमिकता हवाई किराया को कम करना होगा। उल्लेखनीय है कि देश के विमानन क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। भारत दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता विमानन बाजार है, लेकिन घरेलू वाहकों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े व्यवधानों से जूझना पड़ता है, जिससे हवाई किराया में वृद्धि होती है। हालांकि, देश के एयरलाइन कंपनियों ने नए विमान का ऑर्डर दिया है।

जीएसटी परिषद की 53वीं बैठक 22 जून को, सीतारमण करेंगी अध्यक्षता

नई दिल्ली। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार का गठन होने के बाद वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की पहली बैठक 22 जून को राजधानी नई दिल्ली में होगी। जीएसटी काउंसिल ने बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में परिषद की ये 53वीं बैठक होगी। जीएसटी परिषद देश में वस्तु एवं सेवा कर के संदर्भ के आधार पर किसी भी कानून या विनियमन को संशोधित करने, समाधान करने या प्राप्त करने के लिए एक शीर्ष सदस्य समिति है।

वित्त मंत्री से आईएफएससीए के अध्यक्ष के. राजारमन ने मुलाकात की

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) के अध्यक्ष के. राजारमन केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री निर्मला सीतारमण से मिले। आईएफएससीए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण कानून, 2019 (आईएफएससीए कानून) के तहत स्थापित एक वैधानिक प्राधिकरण है, जिसे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केन्द्रों (आईएफएससी) में वित्तीय उत्पादों, वित्तीय सेवाओं और वित्तीय संस्थानों को विकसित और विनियमित करने का अधिकार है।

रत्न आभूषण क्षेत्र का निर्यात प्रदर्शन इसकी मजबूती दर्शाता है: जीजेईपीसी-इंडिया

मुंबई। भारतीय रत्न आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी-इंडिया) ने निर्यात के ताजा आंकड़ों का हवाला देते हुए अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि देश के रत्न और आभूषण क्षेत्र में मजबूती बनी हुई और कारोबार में वृद्धि जारी है।रिपोर्ट में कहा गया है चालू वित्त वर्ष में पहले दो महीनों अप्रैल - मई 2024 में रत्न और आभूषणों का सकल निर्यात 469.16 करोड़ डॉलर (39123.07 करोड़ रुपये) के बराबर रहा, जो एक सराहनीय प्रदर्शन दर्शाता है।

देश के पास गेहूं का पर्याप्त भंडार, कीमत पर है सरकार की नजर

एजेंसी

नईअदिल्ली। सरकार ने स्पष्ट किया है कि देश के पास घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए गेहूं का पर्याप्त भंडार मौजूद है। इसलिए अभी अनाज के आयात शुल्क में बदलाव करने का कोई इरादा नहीं है। खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग गेहूं के बाजार मूल्य पर बारीकी से नजर रख रहा है।

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि जमाखोरी रोकने और कीमतें स्थिर रखने के लिए सरकार गेहूं के बाजार मूल्य पर कड़ी नजर रख रही है।

मंत्रालय ने कहा कि मौजूदा रबी विपणन सत्र वर्ष 2024 के दौरान खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने 11.2 करोड़ टन गेहूं उत्पादन की जानकारी दी है। सरकारी स्वामित्व वाले भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने 11 जून तक करीब 2.66 करोड़ टन गेहूं की खरीदारी की है। मंत्रालय के मुताबिक सार्वजनिक वितरण प्रणाली और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के लिए अनुमानित 1.84 करोड़ टन की जरूरत पूरा करने के बाद आवश्यकता पड़ने पर बाजार में हस्तक्षेप के लिए पर्याप्त गेहूं स्टॉक उपलब्ध होगा। देश में एक जनवरी, 2024 तक गेहूं का बफर स्टॉक 1.38 करोड़ टन के निर्धारित बफर मानदंड के मुकाबले एक करोड़ 63.5 लाख टन था। मंत्रालय ने कहा कि गेहूं का स्टॉक कभी भी तिमाही बफर स्टॉक मानदंडों से नीचे नहीं गया है। दरअसल तिमाही बफर स्टॉक सालभर अलग-अलग होता हैं

भारत ने यूएई को पहली खेप में भेजा उच्च गुणवत्ता वाला 8.7 टन अनानास

नई दिल्ली। भारत ने फल निर्यात को बढ़ावा देने के मकसद से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को उच्च गुणवत्ता वाले एमडी 2 किस्म के 8.7 टन अनानास की पहली खेप का सफल निर्यात किया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बताया कि कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने यूएई को एमडी 2 किस्म के उच्च गुणवत्ता वाले 8.7 टन अनानास की पहली खेप का सफल निर्यात किया है। एमडी 2 किस्म का अनानास को 'गोल्डन रिप' या 'सुपर स्वीट' के नाम से पहचाना जाता है। यह अपनी असाधारण मिठास और गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध है। इसकी महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र के सिंधुदुर्ग जिले में खेती की जाती है।

मंत्रालय ने बताया कि यह भारत के कृषि निर्यात इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो वैश्विक बाजारों में उच्च गुणवत्ता वाले

अनानास का उत्पादन तथा आपूर्ति करने की हमारी क्षमता को दर्शाता है। डेल मोंटे ने 1980 के दशक में चुनिंदा (कृत्रिम) तरीके से इसकी पैदावार की। इसके बाद से यह अनानास उद्योग में स्वर्ण मानक बन गया है, जिसकी कोस्टा रिका, फिलीपींस और थाईलैंड जैसे देशों में महत्वपूर्ण खेती की जाती है।

शेयर बाजार में तेजी जारी, सेंसेक्स और निफ्टी ने बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। महंगाई दर में आई कमी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व बैंक की सकारात्मक टिप्पणी के कारण घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार खरीदारी का जोर बना रहा। हालांकि मंदड़ियों ने भी दिनभर मुनाफा वसूली करने की कोशिश जारी रखी। इसकी वजह से शेयर बाजार की चाल में उतार-चढ़ाव भी होता रहा। इसके बावजूद पॉजिटिव सेंटीमेंट्स के कारण शेयर बाजार ने आज ऑल टाइम हाई ओपनिंग और क्लोजिंग का रिकॉर्ड बनाने के साथ ही ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंचने का नया रिकॉर्ड भी कायम किया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.27 प्रतिशत और निफ्टी 0.33 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज के कारोबार के दौरान कंज्यूमर ड्युरेबल्स, कैपिटल गुड्स, आईटी और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। कैपिटल गुड्स और रियल्टी इंडेक्स में खरीदारी के सपोर्ट से आज 2 प्रतिशत तक की तेजी आ गई। इसी तरह आईटी इंडेक्स भी 1 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर यूटिलिटी, टेलीकॉम, मीडिया और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.79 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.89 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज बाजार की तेजी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब ढाई लाख करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़कर 431.82 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 429.32 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.50 लाख करोड़ रुपये का फायदा हो गया।

आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 3,984 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,356 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,532 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 96 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,317 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,400 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 917 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 495.48 अंक की बढ़त के साथ 77,102.05 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 538.89 अंक की तेजी के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 77,145.46 अंक तक पहुंच गया लेकिन इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली का दबाव बन गया। पूरे दिन के कारोबार में लिवाल और बिकवाल एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश करते रहे, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल में भी उतार चढ़ाव होता रहा। अच्छी बात ये रही कि बिकवाली का दबाव बनने के बावजूद ये सूचकांक दिन भर हरे निशान में ही बना रहा। पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 204.33 अंक की बढ़त के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 76,810.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 158 अंक उछल कर ऑल टाइम हाई के नए रिकॉर्ड के साथ 23,480.95 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद ये सूचकांक 158.10 अंक की उछाल के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 23,481.05 अंक तक पहुंचने में सफल रहा लेकिन इसके बाद तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल लगातार ऊपर नीचे होती रही। दिन भर के कारोबार के बाद निफ्टी ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 75.95 अंक की तेजी के साथ 23,398.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से श्रीराम फाइनेंस 4.57 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 3.63 प्रतिशत, डिवीज लेबोरेट्रीज 3.17 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.66 प्रतिशत और टाइटन कंपनी 2.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

सर्राफा बाजार में तेजी जारी, महंगा हुआ सोना, चांदी में मिला-जुला कारोबार

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी जारी है। सोने के भाव में आज एक बार फिर बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि चांदी की कीमत में कुछ सर्राफा बाजारों में मामूली गिरावट भी दर्ज की गई है। आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 72,880 रुपये से लेकर 72,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 66,810 रुपये से लेकर 66,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। दिल्ली सर्राफा में आज चांदी के भाव में मामूली गिरावट आई है। इस गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 91,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 72,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है,

जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,310 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 72,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 72,220 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,210 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 72,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 72,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,220 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 72,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में आज तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 72,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 66,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 83 डॉलर प्रति बैरल के करीब

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य 83 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के चौथे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.28 डॉलर यानी 0.34 फीसदी की गिरावट के साथ 82.32 डॉलर और वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.26 डॉलर यानी 0.33 फीसदी लुढ़ककर 78.24 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये,डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

एनसीएलटी ने बायजू के राइट्स इश्यू पर लगाई रोक, शेयरधारकों का विवरण मांगा

एजेंसी

नईअदिल्ली। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने एडटेक फर्म और बायजू के ब्रांड पैरेंट थिंक एंड लर्न के राइट्स इश्यू पर आगे बढ़ने पर रोक लगा दी है। जो कि 11 मई को शुरू हुआ था। जिससे यथास्थिति बनाए रखने की प्रक्रिया प्रभावी रूप से रुक गई है। एनसीएलटी ने निर्देश देते हुए यथास्थिति बनाए रखने के लिए कहा है। एनसीएलटी की बेंगलुरु पीठ ने 12 जून को दिए बायजू को आदेश देते हुए कहा है कि बायजू राइट्स इश्यू की पहली किश्त के अनुसार 2 मार्च को इक्विटी के आवंटन से पहले और बाद में अपने शेयरधारकों का पूरा विवरण जमा करे।

13 मई को खुला था राइट्स इश्यू

ट्रिब्यूनल से शिकायत करने वाले निवेशकों के मुताबिक, बायजू ने 11 मई को एक पत्र के जरिए दूसरा राइट्स इश्यू प्रस्तावित किया था जो 13 मई को खुला था और इसे 13 जून को बंद होना था।

ट्रिब्यूनल ने अपने आदेश में कहा, कंपनी को इस प्रस्ताव के संबंध में दूसरे राइट्स इश्यू के खुलने के बाद से अब तक एकत्र की गई धनराशि को एक अलग खाते में रखने का निर्देश दिया जाता है, धनराशि का इस्तेमाल तब तक नहीं किया जा सकता है, जब तक मामले में मुख्य याचिका की सुनवाई पूरी नहीं हो जाती है।''

चार निवेशकों के समूह ने NCLT से की शिकायत

चार निवेशकों के एक समूह - प्रोसस, जनरल अटलांटिक, सोफिना

और पीक XV - ने टाइगर और आउल वेंचर्स सहित अन्य शेयरधारकों के समर्थन के साथ, कंपनी प्रबंधन और राइट्स इश्यू के खिलाफ एनसीएलटी का दरवाजा खटखटाया था।

इन कारणों से खराब हुई है बायजू की वित्तीय स्थिति

रवींद्रन ने दिसंबर, 2023 में कर्मचारियों को वेतन देने के लिए अपने घर के साथ परिवार वालों के घरों को भी गिरवी रखा था।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बायजू के खिलाफ दिवालिया कार्रवाई भी शुरू की थी। कंपनी पर 158 करोड़ के भुगतान चूक का आरोप है। प्रवर्तन निदेशालय ने 9,000 करोड़ से ज्यादा के फेमा उल्लंघन का नोटिस भी भेजा है। कंपनी की हालत इतनी खराब है कि गुरुग्राम ऑफिस का किराया नहीं देने की वजह से प्रॉपर्टी मालिक ने कर्मचारियों को बाहर कर दिया था। उनके लैपटॉप जब्त कर लिए थे।

महाराष्ट्र में 3000 करोड़ रुपये निवेश करेगी मर्सिडीज बेंज, उद्योग मंत्री उदय सामंत ने दी जानकारी

एजेंसी

मुंबई। जर्मनी की कार विनिर्माता कंपनी मर्सिडीज बेंज महाराष्ट्र में 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने यह जानकारी दी।

उद्योग मंत्री उदय सामंत ने दी जानकारी

महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मंच 'एक्स' पर लिखा कि जर्मनी की यात्रा के दौरान उन्होंने मर्सिडीज बेंज के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान अधिकारियों से राज्य में निवेश अवसरों पर चर्चा की गई। सामंत ने कहा 'मर्सिडीज बेंज इस साल महाराष्ट्र में 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इससे राज्य में रोजगार के अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी।'

इस निवेश से सरकार को मजबूती मिलेगी- सामंत

उद्योग मंत्री उदय सामंत ने आगे कहा कि इस निवेश से विधानसभा चुनावों में शिवसेना-भाजपा-राकांपा सरकार को मजबूती मिल सकती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है कि महाराष्ट्र को गुजरात और अन्य राज्यों के मुकाबले बड़ी औद्योगिक परियोजनाएं गंवानी पड़ रही हैं।

फेड को अब भी महंगाई की चिंता, नीतिगत ब्याज दरों में लगातार सातवीं बार नहीं की गई कोई कटौती

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व बैंक (फेडरल रिजर्व बैंक) ने अपनी ताजा मौद्रिक नीति बैठक में प्रमुख नीतिगत दर को 5.25-5.50 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने के पक्ष में मतदान किया। कोविड-19 महामारी के दौरान, ब्याज दरें शून्य के करीब थीं।

ब्याज दरें बढ़ाना एक मौद्रिक नीति साधन है जो आम तौर पर अर्थव्यवस्था में मांग को दबाने में मदद करता है, जिससे मुद्रास्फीति दर में गिरावट में मदद मिलती है। फेड ने कहा, हम मौद्रिक नीति पर प्रतिबंधात्मक रुख बनाए हुए हैं ताकि मांग को आपूर्ति के अनुरूप रखा जा सके और मुद्रास्फीति के दबाव को कम किया जा सके। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने कहा, आर्थिक घटनाक्रमों की संक्षिप्त समीक्षा के बाद मेरे पास मौद्रिक नीति के बारे में कहने के लिए और कुछ होगा।

अमेरिका में उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति में गिरावट जारी रही, हालांकि यह अब भी 2 प्रतिशत से ऊपर बनी बनी हुई है और यह इसके केंद्रीय बैंक के लिए चिंता का कारण है। मई तक पिछले 12 महीनों में, मुद्रास्फीति सालाना आधार पर 3.3 प्रतिशत बढ़ी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने इस सप्ताह अपनी मौद्रिक नीति बयान में कहा, ÷हाल के महीनों में, समिति के 2 प्रतिशत मुद्रास्फीति लक्ष्य की दिशा में मामूली प्रगति हुई है।÷

केंद्रीय बैंक लंबे समय में 2 प्रतिशत की दर से अधिकतम रोजगार और मुद्रास्फीति प्राप्त करना चाहता है। पॉवेल ने कहा कि इस साल अब तक मुद्रास्फीति के आंकड़ों ने उन्हें अधिक आत्मविश्वास नहीं दिया है। ÷समिति का मानना है कि अपने रोजगार और मुद्रास्फीति लक्ष्यों को प्राप्त करने के जोखिम पिछले एक साल में बेहतर संतुलन की ओर बढ़ गए हैं। आर्थिक दृष्टिकोण अनिश्चित है, और समिति मुद्रास्फीति जोखिमों के प्रति अत्यधिक चौकस बनी हुई है। दर में किसी भी समायोजन पर विचार के बारे में पॉवले ने कहा कि फेड आने वाले डेटा, विकसित दृष्टिकोण और जोखिमों के संतुलन का सावधानीपूर्वक आकलन करेगा। फेड की रिपोर्ट में कहा गया है, समिति को उम्मीद नहीं है कि ब्याज दरों को कम करना तब तक उचित होगा जब तक कि उसे यह विश्वास नहीं हो जाता कि मुद्रास्फीति लगातार 2 प्रतिशत की ओर बढ़ रही है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अधिकारी अब इस साल सिर्फ एक दर में कटौती कर रहे हैं, इसके बाद अगले साल चार कटौती की जाएगी। इस बीच, मई में अमेरिकी मुद्रास्फीति गिरकर 3.3 प्रतिशत हो गई, जिससे ब्याज दरों में शुरुआती कटौती की उम्मीद बढ़ गई। दर निर्णय और मुद्रास्फीति के आंकड़ों के बाद, स×क्क 500 ने 5,400 अंकों की बढ़त के साथ नई ऊंचाई हासिल की। विश्लेषकों का कहना है कि नीतिगत फैसलों की परवाह किए बिना शेयरों में तेजी जारी रहने की उम्मीद है।यूएस फेड ने अपने आर्थिक अनुमानों को भी बरकरार रखा है। मौद्रिक नीति प्रतिभागियों को आम तौर पर उम्मीद है कि जीडीपी वृद्धि पिछले साल की गति से धीमी हो जाएगी

नोकिया इंडिया- एरिक्सन को 2458 करोड़ रुपये के शेयर देगी वोडा-आइडिया; बोर्ड की मंजूरी

एजेंसी

मुंबई। कर्ज के बोझ से दबी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया अपने आंशिक बकाये का भुगतान करने के लिए नोकिया इंडिया और एरिक्सन इंडिया को 2,458 करोड़ रुपये के शेयर आवंटित करेगी। वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के बोर्ड ने कंपनी के फॉलो-ऑन ऑफर प्राइस की तुलना में लगभग 35 प्रतिशत अधिक कीमत पर तरजीही आधार पर शेयरों के आवंटन को मंजूरी दे दी है। ये शेयर छह महीने के लॉक-इन के साथ जारी किए जाएंगे। कंपनी ने एक नियामकीय फाइलिंग में इसकी जानकारी दी।

कंपनी ने अपने बयान में कहा, वोडाफोन आइडिया लिमिटेड के निदेशक मंडल ने आज 10 रुपये अंकित मूल्य के करीब 166 करोड़ इक्विटी शेयरों को 14.80 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 2,458 करोड़ रुपये तक के कुल लाभ के लिए अपने दो प्रमुख विक्रेताओं, नोकिया सॉल्यूशंस एंड नेटवर्क्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और एरिक्सन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को शेयर आवंटित करने की मंजूरी दे दी है। टेलिकॉम कंपनी ने अपनी एक विज्ञप्ति में कहा कि नोकिया और एरिक्सन क्रमशः 1,520 करोड़ रुपये और 938 करोड़ रुपये तक की भागीदारी करेंगे। इस फैसले पर 10 जुलाई, 2024 को आयोजित होने वाली ईजीएम में वीआईएल के शेयरधारकों का अनुमोदन लिया जाएगा। कंपनी ने अपनी फाइलिंग में कहा, नोकिया और एरिक्सन की वीआईएल के साथ नेटवर्क उपकरणों के प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में दीर्घकालिक साझेदारी है। यह तरजीही आवंटन वीआईएल को अपने बकाये का हिस्सा चुकाने में सक्षम करेगा।

आप भी हेल्दी समझ डाइट में शामिल करते हैं ये 5 Ultra Processed Foods, तो जानें इनकी असलियत

इन दिनों लोगों की लाइफस्टाइल तेजी से बदलने लगी है और इसी के साथ ही उनके खानपान की आदतें भी बदलने लगी है। ऐसे में जंक (छ्रुद्बद्म स्रश्वश्वस्रह्य) और प्रोसेस्ड फूड आज के लोगों की जीवनशैली का हिस्सा बन चुके हैं। हालांकि जीभ को लुभाने वाले ये फूड्स सेहत के लिए बेहद हानिकारक होते हैं। आइए जानते हैं 5 ऐसे ultra processed foods के बारे में जो अनहेल्दी होते हैं।

पेट भरने के अलावा खाना हमारे शरीर को एनर्जी देने का भी काम करता है। हालांकि, इन दिनों खानपान की बदलती आदतों की वजह से हम अक्सर स्वाद के चक्कर में ऐसी हानिकारक चीजें जैसे जंक (Junk Foods) और प्रोसेस्ड फूड (ultra processed foods) खा लेते हैं, जिससे जीभ को तो भरपूर आनंद मिलता है, लेकिन यह सेहत जरा भी रास नहीं आता। कैंड, बेक्ड, फ्रोज़न, पास्टराइज फूड्स जिन्हें इमलसिफायर, स्वीटनर, सॉस, स्टेबलाइजर इन्हीं फूड्स में से एक हैं।

यह स्वाद में लाजवाब होने के साथ ही दाम में भी किफायती होते हैं, जिसकी वजह से लोग बेधड़क इनका इस्तेमाल करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड जिन्हें आप हेल्दी समझते हैं, वे असल में कितने हानिकारक होते हैं, अगर नहीं तो आज जानेंगे ऐसे 5 अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड्स के बारे में, जिन्हें आप हेल्दी समझते हैं

फ्लेवर वाले योगर्ट

इनकी मार्केटिंग ऐसे ही होती है, जिससे ये लगता है कि ये फरूट्स और डेयरी से बना बेहद पौष्टिक आहार है, लेकिन असल में ये एक्स्ट्रा शुगर और स्वीटनर के साथ प्रिजर्वेटिव से भरा दही का डिब्बा है, जो लंबे समय तक खराब नहीं होता है। इसकी जगह घर की जमी ताजी प्लेन दही खाएं।

ब्रेकफास्ट सीरियल्स

कॉर्नफ्लेक्स, म्युस्ली, चॉको फ्लेवर के दूध में डालने वाले इन रेडी टू ईट प्रोडक्ट्स में नमक, चीनी और स्वीटनर की भारी मात्रा होती हैं, जिनके बारे में शायद आपको पता भी न हो। इससे बेहतर है कि आप घर की बनी मेवा वाली खीर, ओवरनाइट ओट्स या चिया सीड्स या प्लेन उबले अंडे ब्रेकफास्ट में खाएं।

ब्राउन ब्रेड

कहने के लिए ये मैदे से नहीं बल्कि गेंहू से निर्मित होती हैं, लेकिन इनकी सच्चाई ये है कि ये मैदे से ही बनी होती हैं, जिसमें गेंहू की नाम मात्र मात्रा होती है और कुछ लोग तो इसमें गेंहू की जगह मात्र रंग डालकर इसका रंग गेंहुआ कर देते हैं। ऐसे में इनकी जगह घर के बनी रोटी, पूरी, पराठे खाएं।

बनाना चिप्स

हेल्थ फ्रीक आलू के चिप्स से भागते हैं, लेकिन वे बनाना चिप्स को हेल्दी मानते हैं। हालांकि, बनाना यानी केले के चिप्स भी डीप फ्राई होते हैं और इनमें फ्लेवर और शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए एडिटिव और प्री-जर्वेटिव का इस्तेमाल किया जाता है, जो इसे हानिकारक बनाता है।

फ्रेश टोमैटो सॉस

ताजा बागों से टमाटर तोड़ कर सॉस बनाने का क्लेम करने वाली कंपनियां असल में उसमें भर के नमक, चीनी और एडिटीव्स डालते हैं। इसलिए अच्छा होगा कि आप घर में ही टमाटर ब्लेंड करें और इसमें हेल्दी हर्ब्स डाल कर इसे पौष्टिक बनाएं।

मोहन भागवत ने जो कहा और जो नहीं कहा

सरकार गठन और मोदी का परिवार खत्म होने की हलचलों के बीच एक महत्वपूर्ण घटना और घटी। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर में दिए एक भाषण में कुछ ऐसी बातें कहीं, जिनके बाद यह कहा जाने लगा कि संघ और भाजपा के बीच दरार और बढ़ गई है। दरअसल मोहन भागवत ने मणिपुर में एक बरस से अधिक वक्त से जारी हिंसा का समाधान ढूंढने और शांति बहाली पर जोर दिया।

नडीए सरकार के गठन को जुम्मा-जुम्मा आठ दिन भी नहीं हुए कि अभी से इसमें बिखराव की खबरें आने लगीं हैं। तेदेपा और जदयू जैसे दलों के सहारे इस बार की एनडीए सरकार खड़ी हुई है। इसलिए इन दलों को मोदी की बैसाखी कहा जा रहा है। एक भी बैसाखी अलग हुई नहीं कि सरकार लड़खड़ा जाएगी या गिर जाएगी, यह राजनीति के जानकारों का कहना है। इसमें कुछ गलत भी नहीं है, क्योंकि अतीत में एनडीए सरकार के साथ ऐसा हो चुका है। अटल बिहारी वाजपेयी भी तीन बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं, लेकिन तीन में से दो बार उनकी सरकार गिर गयी थी, एक बार 13 दिन और एक बार 13 महीने में। केंद्र और राज्यों में कई उदाहरण मौजूद हैं, जब गठबंधन सहयोगियों के अचानक अलग हो जाने के कारण अच्छी-खासी चल रही सरकार गिर गई और सत्ताधारियों को विपक्ष में बैठना पड़ा। बिहार इसका ताजातरीन उदाहरण है, जहां नीतीश कुमार ने इंडिया गठबंधन को झटका देकर भाजपा का साथ दे दिया। हरियाणा में भी ऐसा होने के कयास लग रहे थे, लेकिन वहां अब तक भाजपा की सरकार कायम है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर अब केन्द्रीय मंत्रिमंडल का हिस्सा बन गए हैं। वे संघ के दिनों के नरेन्द्र मोदी के साथी हैं, लिहाजा उन्हें यथोचित सम्मान मिल गया। इसी तरह शिवराज सिंह चौहान को जब मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया और उसके बाद लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशी बनाया गया, तो सवाल उठने लगे थे कि आखिर इसके पीछे क्या रणनीति है। संघ की शाखाओं में दीक्षित शिवराज सिंह चौहान भारी मतों से जीत कर संसद पहुंचे और अब वे भी मंत्रिमंडल में सुशोभित कर दिए गए हैं।

तीसरी बार भाजपा नेतृत्व में गठित एनडीए सरकार में संघ का क्या प्रभाव है, यह बात इन दो उदाहरणों से समझी जा सकती है। गठबंधन के साथी नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू, चिराग पासवान, जीतनराम मांझी या रामदास अठावले इस प्रभाव से अनजान हों, ऐसा भी नहीं है। लेकिन उन्हें भी शायद अब तक इससे तकलीफ नहीं है, क्योंकि सत्ता में बने रहने के लिए जो थोड़ा बहुत सामंजस्य बिठाना पड़ता है, समझौते करने पड़ते हैं, वे दोनों तरफ से किए जा रहे हैं। हालांकि कब तक आपसी समझदारी दिखाई जाती रहेगी, यह सवाल अब भी अनुत्तरित ही हैं।

बहरहाल, सत्ता गठन के लिए किए गए समझौतों की इस पृष्ठभूमि में संघ के प्रभाव के साथ-साथ उसके उद्देश्यों को समझना कठिन नहीं है। हाल ही में कुछ ऐसे वाकये हुए हैं, जिनसे इस बात को थोड़े और खुलासे के साथ समझा जा सकता है। नरेंद्र मोदी ने चुनावों में जनता के समर्थन के लिए मंगलवार को आभार व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि वे अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल से %मोदी का परिवार% का नारा हटा लें। गौरतलब है कि लालू प्रसाद ने जब परिवार के महत्व पर अपने भाषण में नरेन्द्र मोदी को घेरते हुए कहा था कि अपनी मां के देहांत के बाद भी उन्होंने बाल नहीं मुंडवाए थे, तो इसके जवाब में श्री मोदी ने पूरे भारत के लोगों को अपना परिवार बताया था और फिर भाजपा नेताओं समेत कई मोदी समर्थकों ने सोशल मीडिया में अपनी पहचान में मोदी का परिवार लिखना शुरु कर दिया था। अब नरेन्द्र मोदी उन्हें इस पहचान को खत्म करने के लिए कह रहे हैं। यह काफी अजीब बात है कि कोई परिवार किसी मकसद के पूरा हो जाने के बाद खत्म करने के लिए कहा जाए। क्या सनातनी संस्कृति को मानने वाले इस बात से सहमत होंगे कि परिवार कांट्रैक्ट के आधार पर बने और फिर खत्म भी हो जाए।राजनीति में कुछ भी अकारथ नहीं होता, इसलिए नरेन्द्र मोदी की इस अपील के पीछे असल मकसद क्या है, यह शायद भविष्य में पता चले। एक अन्य आश्चर्य वाली बात यह है कि भाजपा की आधिकारिक वेबसाइट में मार्गदर्शक मंडल विभाग में चार तस्वीरें हैं, जिनमें सबसे पहली तस्वीर नरेन्द्र मोदी की है, फिर लालकृष्ण आडवानी, मुरली मनोहर जोशी और फिर राजनाथ सिंह। 2014 में जब मार्गदर्शक मंडल बना था, तब भी नरेन्द्र मोदी और राजनाथ सिंह का नाम तो इनमें शामिल था, लेकिन इसका उल्लेख कभी नहीं किया जाता था। जिनकी आयु 75 पार की हो गई है, वे इसमें शामिल होंगे, यह सामान्य समझ थी। श्री मोदी अगले बरस 75 के होंगे और राजनाथ सिंह उनसे एक साल छोटे हैं। फिर इन दो नेताओं की तस्वीरें किसलिए भाजपा के मार्गदर्शक मंडल में शोभायमान हो रही हैं, यह भी चर्चा का विषय है।

सरकार गठन और मोदी का परिवार खत्म होने की हलचलों के बीच एक महत्वपूर्ण घटना और घटी। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर में दिए एक भाषण में कुछ ऐसी बातें कहीं, जिनके बाद यह कहा जाने लगा कि संघ और भाजपा के बीच दरार और बढ़ गई है। दरअसल मोहन भागवत ने मणिपुर में एक बरस से अधिक वक्त से जारी हिंसा का समाधान ढूंढने और शांति बहाली पर जोर दिया, इसके अलावा उन्होंने कुछ ऐसी बातें कहीं, जिनसे आभास हुआ कि ये सब नरेन्द्र मोदी को नसीहत देने के लिए कहा गया है। जैसे, श्री भागवत ने कहा कि एक %सेवक% को अपने काम पर गर्व होना चाहिए, लेकिन उसे %असंबद्ध% और %अहंकार से रहित% होना चाहिए। यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवकों को नसीहत है या खुद को देश का प्रधानसेवक कहने वाले श्री मोदी को, यह स्पष्ट नहीं किया गया। फिर चुनाव परिणामों को सहजता से स्वीकार करके, उसके विश्लेषण के चक्कर में न पड़ने की राय देते हुए मोहन भागवत ने कहा कि चुनावों को %युद्ध% की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। संघ हर चुनाव में जनमत को परिष्कृत करने का काम करता है और वह परिणामों के विश्लेषण में नहीं उलझता। संभवत~ मोहन भागवत का आशय यह था कि श्री मोदी कितने वोट से हार से बच गए और भाजपा की कहां, कितनी सीटें कम हुईं, या राम मंदिर का मुद्दा काम क्यों नहीं आया, हिंदुत्व की धार भोथरी क्यों पड़ी, इस पर माथापच्ची करने से बेहतर है कि संघ जिस तरह जनमत को परिष्कृत यानी जनता की मानसिकता को प्रभावित करने का काम उसे पूर्ववत करता रहे, बल्कि उसमें तेजी लाए, ताकि इस बार जो कसर रह गई, वो अगली बार पूरी हो जाए।

ध्यान रहे कि अगले साल यानी 2025 में संघ की स्थापना के सौ बरस पूरे हो रहे हैं। जिस भारत को बनाने में संघ का कोई योगदान नहीं रहा, उसकी आजादी के 75 बरस को जब श्री मोदी ने राजनैतिक फायदे के लिए इतना भुनाया, वो भला संघ की शताब्दी के अवसर को सूखे में कैसे जाने दें। इसलिए अभी से संघ और नरेन्द्र मोदी इसकी तैयारी कर रहे हैं, यह मान ही लेना चाहिए। वैसे भी संघ इसकी तैयारी बहुत पहले से कर रहा है। अक्टूबर 2022 में उप्र में संघ की चार दिन की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक हुई थी, जिसमें संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बताया था कि %2024 के अंत तक देश के सभी मंडलों में शाखा पहुंचाने की योजना बनाई गई है, इसके अलावा संघ कार्य को लेकर समय देने के लिए देशभर में तीन हज़ार युवक शताब्दी विस्तारक के लिए निकल चुके हैं और एक हज़ार शताब्दी विस्तारक और निकलने वाले हैं।यह बात दो साल पहले की है, तो इसका मतलब कम से कम पांच-सात हजार विस्तारक यानी पूर्णकालिक प्रचारक की जगह अपने काम के साथ-साथ संघ का प्रचार करने वाले लोग देश भर में निकले होंगे। राम मंदिर के उद्घाटन से पहले हर घर अक्षत बांटने का काम ऐसे ही नहीं हुआ है।इसलिए जे पी नड्डा का बयान कि भाजपा को अब संघ की जरूरत नहीं है, या मोहन भागवत की मणिपुर और चुनाव को लेकर दी गई ताजा नसीहत या यह मानना कि इस बार भाजपा की सीटें कम हुईं क्योंकि संघ ने उसका साथ नहीं दिया, दरअसल एक छलावे से अधिक कुछ नहीं है। कार्पोरेट की मदद से नरेन्द्र मोदी को 2014 में सत्ता पर बिठाने में संघ ने सफलता हासिल की। उसके बाद राम मंदिर उद्घाटन, काशी-मथुरा पर नए सिरे से माहौल बनाना, जम्मू-कश्मीर से 370 का खात्मा और सांप्रदायिक वैमनस्य की खाई को और चौड़ा करने तक अपने कई एजेंडो को संघ ने पूरा किया। इन्हीं दस सालों में नाथूराम गोडसे को महान बताने वाले संसद पहुंचे। गोडसे और सावरकर पर फिल्में बनाकर जनमत को परिकृष्त करने का काम भी हुआ। गांधी के चश्मे को स्वच्छता अभियान के कचरे में डाल दिया गया और नरेन्द्र मोदी ने एक बार भी गोडसे मुर्दाबाद नहीं कहा। इसका मतलब यही है कि संघ अब भी सत्ता में बैठे लोगों के लिए पहले जितना ही प्रासंगिक है।

अपने भाषण में मोहन भागवत ने ये भी कहा कि पिछले 10 सालों में बहुत सारी सकारात्मक चीज़ें हुई हैं हमने अर्थव्यवस्था, रक्षा रणनीति, खेल, संस्कृति, प्रौद्योगिकी आदि जैसे कई क्षेत्रों में प्रगति की है। और साथ में डॉ. आंबेडकर को याद करते हुए कहा कि उन्होंने कहा था, किसी भी बड़े परिवर्तन के लिए आध्यात्मिक कायाकल्प आवश्यक है।मोहन भागवत ने क्या कहा और लोगों को क्या समझाना चाहा, यह सब गड्ड-मड्ड है। लेकिन संघ का हिंदू राष्ट्र वाला उद्देश्य तो जनता जानती ही है। जिन लोगों ने गणेशजी को दूध पिलाने की अफवाह में एक झटके में पूरे देश को लपेट लिया था, उनके लिए अपने मकसद को जनता के बीच फैलाना क्या मुश्किल होगा।

संपादकीय

नागरिक उठायें विश्व शांति के पक्ष में आवाज़

मंगलवार को प्रकाशित हुई ग्लोबल पीस इंडेक्स की रिपोर्ट चिंताजनक है। इसके अनुसार हाल में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में 56 संघर्ष हुए हैं। दूसरे विश्व युद्ध के बाद के पिछले लगभग 8 दशकों में इतनी अधिक अशांति कभी नहीं रही। यह रिपोर्ट आंकड़ों में प्रकाशित हुई है लेकिन ऐसी अशांति दुनिया को किस ओर ले जा रही है, यह बतलाने की ज़रूरत नहीं। इन संघर्षों के कारण होती तबाही से विकास पीछे रह जाता है। रिपोर्ट दुनिया भर में शांति बहाली के नये प्रयासों की जरूरत को भी दर्शाती है। संघर्षों में एक ओर देशों को अपने बजट का बड़ा हिस्सा सेनाओं, गोला-बारूद आदि पर खर्च करना पड़ता है जिसके कारण नागरिकों की सुविधाओं में कटौतियां होती हैं। विस्थापन, मौतें, भुखमरी, बीमारियां, अशिक्षा आदि युद्धों का प्रत्यक्ष प्रतिफल है। स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, बिजली, पानी, आवास व्यवस्थाएं या तो सीधी लड़ाइयों में बर्बाद होती हैं अथवा उन पर खर्च करना उन देशों की सरकारों के लिये कठिन हो जाता है जो संघर्षों में शामिल होते हैं। वैश्विक शांति के बिना मानव के विकास और उसकी गरिमा की कल्पना नहीं की जा सकती। यह स्थिति सभ्य समाज के अनुकूल नहीं है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 11 करोड़ लोग लड़ाइयों के चलते विस्थापित हुए हैं या शरणार्थी शिविरों में जीवन जी रहे हैं।रिपोर्ट में बतलाया गया है कि 92 देशों की सीमाओं पर या तो युद्ध जारी हैं अथवा वहां युद्ध सदृश्य परिस्थितियां हैं। 97 देशों में शांति की स्थिति में गिरावट दर्ज की गयी है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण यूरोप के तीन चौथाई देशों ने रक्षा बजट में व्यापक बढ़ोतरी की है। वहां पिछले दो वर्षों से अशांति बनी हुई है। ऐसे ही, इज़रायल के साथ फिलीस्तीन, ईरान आदि की लड़ाइयों के कारण बड़े पैमाने पर विनाश हुआ है। हजारों लोग मारे गये हैं और बड़ी संख्या में लोग विस्थापित हुए हैं। इन युद्धों के कारण अधोरचना का विनाश सर्वाधिक होता है। सड़कें, पुल, स्कूल भवन, अस्पताल, आवासों को जो क्षति होती है वह नागरिकों का सीधा नुकसान है। युद्ध चलते तक पुनर्निर्माण सम्भव नहीं होता और युद्ध रूकने के बाद देशों को बदहाली से उबरने में वर्षों लग जाते हैं। युद्ध के कारण माली हालत जर्जर हो जाती है। इन देशों के नागरिकों को अपना जीवन बदहाली में काटना होता है। अशांति का असर किस प्रकार से लोगों के जीवन पर पड़ता है वह इस तथ्य के आधार पर आंका जा सकता है कि इस रिपोर्ट में बताया गया है कि लड़ाइयों के कारण 19 लाख करोड़ डॉलर का नुकसान हुआ है जो दुनिया की जीडीपी का 13.5 फीसदी है- अमूनन प्रति व्यक्ति 2 लाख रुपये का नुकसान।इन स्थितियों में संयुक्त राष्ट्रसंघ की भूमिका पर भी प्रश्न चिन्ह लगा हुआ है। अक्सर माना जाता है; और जो बड़े पैमाने पर सही भी है कि बड़े व शक्तिशाली देशों पर संयुक्त राष्ट्रसंघ का बस नहीं चलता। उपरोक्त उल्लिखित दोनों ही देशों में ऐसा होता दिखा है। यहां यह भी समझ लेना ज़रूरी है कि बहुत से शक्तिशाली देश हथियार उत्पादक भी हैं जिनकी दिलचस्पी शांति में कम युद्ध या तनाव की स्थिति को बनाये रखने में होती है। दुनिया में चाहे शीत युद्ध समाप्त हो गया हो और विश्व एकध्रुवीय बन गया हो तब भी किसी संघर्ष या युद्ध के दौरान देखा जाता है कि दुनिया दो धड़ों में विभाजित हो जाती है। कुछ देश लड़ाई में शामिल एक पक्ष के साथ खड़े होते हैं तो कुछ दूसरे पक्ष के साथ। लड़ाई हो या न हो, परन्तु तनाव की यह स्थिति भी शक्तिशाली व हथियार निर्माता देशों के मुफ़ीद होती है। लड़ने के लिये अथवा सुरक्षा के मद्देनज़र उनके हथियार बिकते हैं। संयुक्त राष्ट्रसंघ एवं तटस्थ देशों की शांति की अपीलों को अनसुना कर कई देश तनाव को बढ़ाने के प्रयास करते हैं।इस रिपोर्ट में दक्षिण एशिया के सम्बन्ध में जो रिपोर्ट है वह कुछ सुकून भरी हो सकती है। पिछली रिपोर्ट के बाद भारत एवं उसके पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, अफगानिस्तान, श्रीलंका आदि की रैंकिंग सुधरी है। भारत के परिप्रेक्ष्य में कहें तो उसकी भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। तीसरी दुनिया कहे जाने वाले एशियाई, अफ्रीकी व लातिन अमेरिका के अविकसित व विकासशील देशों को अशांति का खामियाजा अधिक भुगतना पड़ता है।

रियासी आतंकी हमला दर्शाता है अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण की सीमाएं

एनडीए को इस मामले में सावधानी से कदम उठाना चाहिए। वर्तमान स्थिति में, शत्रुतापूर्ण चीन और अविश्वासी पश्चिमी देशों के समूह का सामना करते हुए, उसे अपने घर को व्यवस्थित करना होगा। इसके लिए काम तय है। खालिस्तानियों द्वारा पेश की गयी चुनौती से सावधानीपूर्वक निपटना होगा। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अमृतपाल सिंह ने अपने कांग्रेस प्रतिद्वंद्वी पर लगभग 2,00,000 वोटों के अंतर से जीत हासिल की है, जो पंजाब में सबसे अधिक है।सिख अलगाववादी अमृतपाल सिंह पंजाब के खडूर साहिब संसदीय क्षेत्र से विजयी होने से से केंद्र सरकार असमंजस में है। भारत सरकार इस बात पर अनिर्णीत है कि उनके साथ क्या किया जाना चाहिए। इस बात को लेकर अटकलें लगायी जा रही हैं कि क्या उन्हें असम के डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल से अंतरिम जमानत पर रिहा किया जायेगा, जहां उन्हें रखा गया है, या अन्य उपायों पर विचार किया जा रहा है।जो भी स्पष्टीकरण हो, सरकार की चुप्पी सब कुछ बयां कर रही है। न तो केंद्रीय गृह मंत्रालय और न ही केंद्रीय चुनाव आयोग ने चुनाव में खालिस्तानी समर्थक के जीतने की संभावना पर विचार किया था। यहां तक कि एक नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नयी सरकार के गठन को देखते हुए एक नरम आधिकारिक प्रतिक्रिया भी राजनीतिक चर्चाओं को शांत करने में मदद कर सकती थी।

सच तो यह है कि अमृतपाल सिंह की जीत ने भारत सरकार को चौंका दिया। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नीति निर्माता नई दिल्ली में %एनडीए गठबंधन' स्थापित करने में व्यस्त थे। बदलाव मुश्किल नहीं था, लेकिन ध्यान बंटाया नहीं जा सकता था। नयी एनडीए सरकार को काम पर लगना था और भाजपा के वर्चस्व वाले प्रशासन के पास खालिस्तानी समर्थकों के लिए समय नहीं था।इसके अलावा, नयी सरकार को कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कश्मीर के रियासी जिले में हिंदू तीर्थयात्रियों की आतंकवादी हत्या, जहां अभी-अभी चुनाव हुए थे, उस दिन नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ले रहे थे, एक स्पष्ट चेतावनी थी कि नियंत्रण रेखा पर स्थिति स्थिर नहीं थी। आतंकवादी हमले में पाकिस्तान का हाथ होने से इनकार नहीं किया जा सकता।

आतंकी हमले का समय सावधानी से चुना गया था। पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन %नयी' नरेंद्र मोदी सरकार की परीक्षा लेना चाहते थे। यह भारत के खिलाफ एक स्पष्ट रूप से भड़काऊ कार्रवाई थी। जब पुलवामा हुआ, तो मोदी ने जोरदार तरीके से बात की थी और नियंत्रण रेखा के पार बालाकोट पर विनाशकारी जवाबी हमले का आदेश दिया था। उस समय मोदी की पार्टी भाजपा के पास लोकसभा की 543सीटों में से 303 सीटें थीं। आज स्थिति अलग है। भाजपा ने 63

सीटें खो दी हैं और 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद उसके पास केवल 240 सीटें हैं। क्या मोदी 3.0 सीमा पार से उकसावे से निपटने की स्थिति में है?रियासी आतंकी हमला एक अनूठी चुनौती है। कोई आश्चर्य नहीं कि तीसरी बार स्थापित मोदी सरकार को प्रतिक्रिया देने में इतना समय लग गया। रिकॉर्ड के लिए, यह केवल पाकिस्तान ही नहीं है, चीन, अमेरिका और यूरोपीय संघ के देश भी यह जानना चाहेंगे कि नयी एनडीए सरकार विशिष्ट परेशानियों के खिलाफ कैसे काम करती है।

कांग्रेस ने रियासी की घटना की निंदा की है। लेकिन सवाल यह भी पूछे जा रहे हैं कि क्या जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को खत्म करने वाले अनुच्छेद 370 को खत्म करना वाकई कारगर रहा? मोदी की कार्यशैली से परिचित अधिकांश पर्यवेक्षकों का मानना है कि भारत सरकार अपना समय और स्थान चुनकर प्रभावी ढंग से जवाब देगी।

रियासी हमले में पाकिस्तान (या आईएसआई) की संलिप्तता स्थापित की जानी है। लेकिन खालिस्तानी भारत विरोधी आंदोलन को इसके समर्थन से इनकार नहीं किया जा सकता। तो, अमृतपाल सिंह के साथ क्या किया जाना चाहिए? कनाडा या यू.के. में सिख अलगाववादियों की भारत विरोधी गतिविधियों में वृद्धि -भारतीय मिशनों, सांस्कृतिक केंद्रों और मंदिरों को निशाना बनाना- एक क्षेत्रीय राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा है जिसे बहुत पहले तैयार किया गया था।

पर्यवेक्षकों का कहना है कि इमरान खान शासन के दौरान कुछ साल पहले पाकिस्तान द्वारा अंतरराष्ट्रीय सिख तीर्थयात्रियों की आवाजाही और उनके लिए पवित्र करतारपुर साहिब स्थल पर जाने की सुविधा के लिए उदारीकरण किया गया था, जो खालिस्तान आंदोलन में एक महत्वपूर्ण मोड़ था। कोलकाता के कुछ विश्लेषकों ने भविष्यवाणी की थी कि भारत सरकार को खालिस्तानी भारत विरोधी कूटनीतिक हमले के फिर से शुरू होने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए। यह स्थान भारत की सीमा के बहुत करीब है, इसलिए भारत के लिए यह सुविधाजनक स्थिति नहीं है।

सिखों के लिए नियमों में ढील दिए जाने से खालिस्तानी समर्थक तत्वों सहित भारतीय सिखों की संख्या में वृद्धि हुई है। केनेडा और अन्य जगहों पर भारत सरकार/भारतीय राजनयिकों के सामने आने वाली चुनौतियों ने पहले व्यक्त की गयी आशंकाओं की पुष्टि की है। वास्तव में ब्रिटेन, केनेडा या अमेरिकी राजनयिकों के एक वर्ग में खालिस्तानियों के लिए पश्चिमी देशों का समर्थन भारत के लिए एक रहस्योद्घाटन, एक दर्दनाक सीखने के अनुभव से कम नहीं है।दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत के लिए अपने सभी दिखावटी समर्थन के बावजूद, पश्चिम ने भारतीय राजनीतिक संस्थानों, इसकी गुटनिरपेक्ष विदेश नीति, इसके आम चुनावों, इसके मानव संसाधन रिकॉर्ड और अल्पसंख्यकों को संभालने के बारे में अपना अविश्वास व्यक्त करना कभी बंद नहीं किया है। इस पृष्ठभूमि को देखते हुए, अधिकांश पश्चिमी देशों द्वारा किसानों के आंदोलन के लिए समर्थन व्यक्त करना कोई आश्चर्य की बात नहीं थी।2024 के लोकसभा चुनावों के नतीजों और भाजपा की ताकत में उल्लेखनीय गिरावट को लेकर पश्चिमी मीडिया के बड़े हिस्से के बीच आम तौर पर संतुष्ट स्वर में कोई गलती नहीं हो सकती है। स्पष्ट रूप से, भारत एशिया में एक क्षेत्रीय रूप से महत्वपूर्ण खिलाड़ी बन सकता है, लेकिन यह भारतीय नेताओं या उनके राजनीतिक दलों के लिए उन्नत पश्चिम के मुकाबले अहंकारी' होने के लिए ठीक नहीं होगा!

एनडीए को इस मामले में सावधानी से कदम उठाना चाहिए। वर्तमान स्थिति में, शत्रुतापूर्ण चीन और अविश्वासी पश्चिमी देशों के समूह का सामना करते हुए, उसे अपने घर को व्यवस्थित करना होगा। इसके लिए काम तय है। खालिस्तानियों द्वारा पेश की गयी चुनौती से सावधानीपूर्वक निपटना होगा।इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अमृतपाल सिंह ने अपने कांग्रेस प्रतिद्वंद्वी पर लगभग 2,00,000 वोटों के अंतर से जीत हासिल की है, जो पंजाब में सबसे अधिक है। इसके अलावा, सिंह संसदीय चुनाव जीतने वाले एकमात्र अलगाववादी नहीं हैं। इंजीनियर राशिद, एक अन्य अलगाववादी, ने निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा और जीता। अमृतपाल सिंह और इंजीनियर राशिद में जो बात समान है, वह यह है कि दोनों का भारत के संविधान में कोई विश्वास नहीं है।

बीटेक के बाद केवल प्राइवेट ही नहीं सरकारी नौकरी के भी मौके

बीटेक यानी बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी देश का सबसे लोकप्रिय अंडर ग्रेजुएट कोर्स है जिसे हर साल स्टूडेंट द्वारा अपने करियर का हिस्सा बनाया जाता है। चार साल के इस कोर्स को इंजीनियरिंग के क्षेत्र का प्रवेश द्वार माना जाता है। इस कोर्स के बाद भविष्य में छात्रों को कई अवसर मिलते हैं ये अवसर नौकरी के क्षेत्र में तो मिलते ही हैं साथ ही हायर एजुकेशन के लिए भी यह एक बेहतर ऑप्शन है। आइए विस्तार से चर्चा कर लेते हैं कि बीटेक करने के बाद आप किस तरह अपना करियर बना सकते हैं।

हायर एजुकेशन

बीटेक करने के बाद छात्र आगे की पढ़ाई कर सकते हैं जहां वे एम.टेक या एमई के लिए जाना है, जो दोनों भारत में इंजीनियरिंग कॉलेजों द्वारा पेश किए जाने वाले पोस्टग्रेजुएट स्तर के प्रोफेशनल डिग्री प्रोग्राम हैं। एम.टेक का मतलब मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी है, जबकि एमई का मतलब मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग है। भारत में टॉप इंजीनियरिंग कॉलेजों जैसे आईआईटी और एनआईटी द्वारा पेश किए गए एमटेक प्रोग्रामों में चयनित होने के लिए छात्रों को इंजीनियरिंग में गेट ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के लिए उपस्थित होना पड़ता है।

एमबीए

बीटेक के बाद छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा ऑप्शन एमबीए है। इंजीनियरिंग ग्रेजुएट आमतौर पर कार्य अनुभव हासिल करने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी करने का विकल्प चुनते हैं और वे कुछ वर्षों के बाद MBA/PGDM प्रोग्राम को अपना लेते हैं। टॉप MBA कॉलेजों में शामिल होने के लिए छात्रों को CAT और CMAT जैसे लोकप्रिय एमबीए एंट्रेंस एग्जाम में शामिल होना होता है।

कैंपस प्लेसमेंट

आमतौर पर कॉलेजों में प्लेसमेंट के जरिए छात्रों का चयन होता है। देश की अलग-अलग कंपनियां कॉलेजों में आकर छात्रों को नौकरी के लिए चुनते हैं। बीटेक के बाद, छात्रों को प्राइवेट कंपनियों द्वारा तकनीकी क्षेत्रों में एंट्री लेवल की नौकरी की भूमिकाओं के लिए काम पर रखा जाता है। आम तौर पर हायर एजुकेशन की इच्छा रखने वाले छात्र अपने फील्ड में अनुभव लेने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी लेते हैं।

प्राइवेट कंपनियां

जो छात्र कैंपस प्लेसमेंट का विकल्प नहीं चुनना चाहते हैं वे अपना बीटेक प्रोग्राम पूरा करने के बाद नौकरी के लिए विभिन्न प्राइवेट कंपनियों में भी नौकरी के लिए अप्लाई कर सकते हैं। एंट्री लेवल की तकनीकी भूमिकाओं में निजी कंपनियों में शामिल होने के बाद छात्र कॉरपोरेट वर्ल्ड में अपने पैर जमा कर एक्सपीरियंस ले सकते हैं और आगे बढ़ सकते हैं।

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम यूपीएससी द्वारा आयोजित एक नेशनल लेवल का एग्जाम है। जो छात्र बीटेक की पढ़ाई के बाद डिफेंस, पीडब्ल्यूडी, रेलवे आदि की परीक्षा में भाग लेना चाहते हैं उनके लिए यह एक बेहतर ऑप्शन है।

पीएसयू नौकरियां

बीटेक करने के बाद छात्र इंजीनियरिंग के लिए गेट यानी ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के माध्यम से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में तकनीकी नौकरी भी कर सकते हैं। कई पीएसयू के छात्रों को उनके गेट स्कोर के आधार पर एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए नियुक्त करते हैं। कुछ पीएसयू जैसे सीआईआई, इसरो और बीएआरसी भी एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए बीटेक छात्रों की स्क्रीनिंग के लिए अपनी परीक्षा आयोजित करते हैं।

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन में कैसे शुरू करें कॅरियर और क्या है इसके लिए आवश्यक कौशल

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है।

डिजिटल क्रांति ने व्यापार की दुनिया को काफी बदल दिया है, विशेष रूप से डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में और एसईओ में करियर के रूप में नए अवसर खोले हैं। मार्केटिंग के भीतर पूरे नए टूलकिट सामने आए हैं, जो कुछ दशक पहले अकल्पनीय था। एसईओ आज मार्केटिंग के उन महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है जिसने पिछले एक दशक में एसईओ नौकरी के अवसरों की संख्या में काफी इजाफा किया है। सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है। एसईओ एक ऐसा पेशेवर व्यक्ति होता है जो सर्च इंजन परिणामों के पीछे एल्गोरिदम को सीखने और उसमें महारत हासिल करने में माहिर होता है ताकि वे अपने ग्राहकों और कंपनियों को सर्च करने में मदद कर सकें। आजकल एसईओ पेशेवर उच्च मांग में हैं। एसईओ विशेषज्ञों को डिजिटल और सामग्री विपणन कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में वेब डेवलपर्स द्वारा सामग्री विपणक के रूप में और कई अन्य भूमिकाओं में काम पर रखा जाता है, केवल इसलिए कि डिजिटल अभियानों को सफल बनाने के लिए कंपनियों को वेब ट्रैफिक की आवश्यकता होती है।

क्या करता है एसईओ ?

जैसे-जैसे अधिक से अधिक व्यवसाय ऑनलाइन होते जा रहे हैं वे प्रतिदिन और भी अधिक सामग्री का उत्पादन कर रहे हैं और अपने ब्लॉग या लेख के जरिये स्टैंड करना और दृश्यता हासिल करना चुनौतीपूर्ण हो गया है, खासकर यदि आप इस क्षेत्र में नए हैं। सही विजिबिलिटी के बिना व्यवसायों के लिए अपने लक्षित दर्शकों तक पहुंचना, अपनी ब्रांड की उपस्थिति बनाना और अपनी वेबसाइट के माध्यम से विश्वास पैदा करके और एक मजबूत मूल्य प्रस्ताव पेश करके संभावनाओं को आकर्षित करना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए एसईओ में करियर आपको ऑर्गेनिक तरीकों के माध्यम से सर्च इंजन पर ब्रांड विजिबिलिटी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने की मांग करेगा।

एसईओ कैसे काम करता है?

एसईओ कॅरियर के अवसरों के साथ आप मुख्य रूप से दो मूल सिद्धांतों के साथ काम करेंगे- अत्यधिक प्रासंगिक कीवर्ड-रिच कंटेंट विकसित करना और वेबसाइट और वेब पेजों के लिए गुणवत्ता वाले बैकलिंक बनाना। सर्च इंजन ने एक व्यापक सूचकांक बनाया है जो सर्च क्वेरी के लिए प्रासंगिकता के क्रम में क्रमबद्ध है। इस प्रकार जब उपयोगकर्ता एक खोज क्वेरी में प्रवेश करता है तो सर्च इंजन जल्दी से अपने सूचकांक के माध्यम से चलता है और तुरंत परिणाम देता है। प्रत्येक कीवर्ड के लिए खोजकर्ता सर्च इंजन में इनपुट करता है।

इंडेक्सेशन के लिए ये सर्च इंजन क्रॉलर पर भरोसा करते हैं और इसलिए ऐसा नाम दिया गया है क्योंकि एक स्पाइडर की तरह वे पूरी वेब डायरेक्टरी को क्रॉल करते हैं। बैकलिंक्स गूगल बॉट्स को आपकी सामग्री को शीघ्रता से खोजने में मदद करते हैं क्योंकि वे अधिक आधिकारिक साइटों पर अधिक बार क्रॉल करते हैं। साथ ही अच्छे ऑर्गेनिक बैकलिंक्स आपकी वेबसाइट के लिए विश्वास और प्रासंगिकता का एक मीट्रिक है जो उपस्थिति और रैंक को बढ़ाने में मदद करता है। इसलिए एक प्रासंगिक आधिकारिक साइट से बैकलिंक्स प्राप्त करना कॅरियर के अवसरों के आवश्यक पहलू होते हैं। इसके साथ ही केवल कुछ डोमेन के बजाय कई डोमेन से बैकलिंक प्राप्त करना आवश्यक होता है। गुणवत्ता वाले बैकलिंक आपकी रैंकिंग को त्वरित अवधि में बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे सकते हैं और इन सभी विभिन्न आधिकारिक वेबसाइटों से बड़ी मात्रा में रेफरल ट्रैफिक भी प्रदान कर सकते हैं। इसके अलावा एक गुणवत्तापूर्ण सामग्री बनाने और उच्च-गुणवत्ता वाले बैकलिंक्स प्राप्त करने के लिए आपकी गतिविधियाँ भी समय लेने वाली और एक श्रमसाध्य कार्य हो सकती हैं। इसलिए आपको एक उचित योजना के साथ काम करने और धैर्य रखने की आवश्यकता होगी।

किस तरह के कौशल की जरूरत होती है ?

एसईओ अधिक से अधिक जटिल होता जा रहा है क्योंकि सर्च इंजन एल्गोरिदम पर्याप्त रूप से उन्नत होते जा रहे हैं। इसलिए, एसईओ में कॅरियर आज कई कौशलों में महारत हासिल करने की मांग करता है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण आपको बाजार के रुझानों के साथ बने रहने के लिए एक डायनामिक लर्नर होने की आवश्यकता होती है। सर्च इंजन एक वर्ष के भीतर कई अपडेट लाते हैं और इस बात पर नजर रखना कि वे आपके व्यवसाय को कैसे प्रभावित कर सकते हैं, महत्वपूर्ण होने जा रहा है क्योंकि विभिन्न अपडेट आते रहते हैं। इसके बाद आपको मुख्य एसईओ कौशल में अपने लिए एक मजबूत नींव बनाने की जरूरत होती है। आपको डिजिटल मार्केटिंग के नट और बोल्ट को समझने और व्यावसायिक कौशल विकसित करना शुरू करने की आवश्यकता होती है। आपको नजर रखने और विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि प्रतियोगी कैसे आगे बढ़ रहे हैं और इस पर शोध फिर से पूरी तरह से सुनिश्चित होने वाला है। इसके आलावा आपको वेब फंडामेंटल, डेटाबेस तकनीकों और विशेष रूप से फ्रंट एंड, वेबसाइट प्रबंधन के फाइल प्रबंधन पहलुओं की एक ठोस समझ होनी चाहिए। विश्लेषणात्मक कौशल अत्यधिक मूल्यवान होने जा रहे हैं। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको अपने प्रयासों के प्रभाव और परिणाम को मापने के लिए गूगल विश्लेषिकी और गूगल सर्च कंसोल के साथ समझने और काम करने की आवश्यकता होती है। आप विविध स्रोतों से प्रतिदिन आने वाली ढेर सारी सूचनाओं के साथ काम कर रहे होंगे। इसलिए आपको न केवल इसका अर्थ निकालने के लिए विश्लेषणात्मक कौशल की आवश्यकता होगी, बल्कि जानकारी को प्राथमिकता भी देनी होगी। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको व्यावसायिक परिदृश्य को समझने और गहन प्रतिस्पर्धा विश्लेषण करने की आवश्यकता होगी। बैकलिंक प्रोफाइल को समझने के लिए एक टैब रखें कि वे क्या बना रहे हैं, वे किस प्रकार की सामग्री पोस्ट कर रहे हैं और वे कौन सी प्रेस विज्ञप्ति कर रहे हैं।

आप कैसे शुरुआत कर सकते हैं ?

पहले सर्च इंजन विजिबिलिटी और रैंकिंग के लिए वेबसाइट सेट करना वेबसाइट डेवलपर्स और एडमिन का डोमेन हुआ करता था। लेकिन एक अलग डोमेन और स्वतंत्र अभ्यास के रूप में एसईओ के उदय के साथ अब यह बदल गया है। यदि आप मार्केटिंग, ब्लॉगिंग, एनालिटिक्स के बारे में सीरियस हैं तो यह आपके लिए शुरुआत करने के लिए यह सही क्षेत्र है। इस अभ्यास में उत्कृष्ट विकास क्षमता है। जैसे-जैसे आप अधिक कौशल प्राप्त करते रहेंगे और अपने व्यवसाय और संचार कौशल का निर्माण करते रहेंगे, आप समय के साथ अपने आप से एक डिजिटल मार्केटिंग प्रबंधक बनने की उम्मीद कर सकते हैं। एसईओ में कॅरियर फ्रीलांसिंग स्पेस में कई अवसर भी खोलता है। यदि आप विज्ञान पृष्ठभूमि से नहीं आते हैं तो भी एसईओ कॅरियर के अवसरों में प्रवेश पाना असंभव नहीं होगा। कुछ तकनीकी अवधारणाएँ होंगी जिनमें आपको महारत हासिल करने की आवश्यकता होगी, लेकिन जब आप कोशिश करना शुरू करेंगे तो यह अंतत : आपके पास आ जाएगी।

बनना है सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर तो इन बातों का हमेशा रखें ध्यान

फिटनेस के क्षेत्र में जॉब की संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं। युवा तो युवा, अधिक उम्र के लोग भी फिटनेस ट्रेनर बनने की तरफ अपने कदम बढ़ा रहे हैं। यह माना जा रही है कि आने वाले वक्त में फिटनेस ट्रेनिंग इंडस्ट्री में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। केवल एक लीन बॉडी पाने की चाहत ने ही नहीं बल्कि हेल्थी लाइफस्टाइल की जरूरत ने भी इस क्षेत्र में इतनी वृद्धि की है। एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर के लिए जॉब की अपार संभावनाएं मार्केट में मौजूद हैं। इतना बेहतर करियर लेकिन सवाल सिर्फ एक- 'कैसे बना जाए सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर'। चलिए आज हम आपको विस्तार से बताते हैं कि एक फिटनेस ट्रेनर बनने के लिए आपके पास कौन-से गुण होने चाहिए और आप कैसे बन सकते हैं एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर। फिटनेस ट्रेनर के रूप में करियर चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान में।

डेवलप करें जरूरी स्किल्स

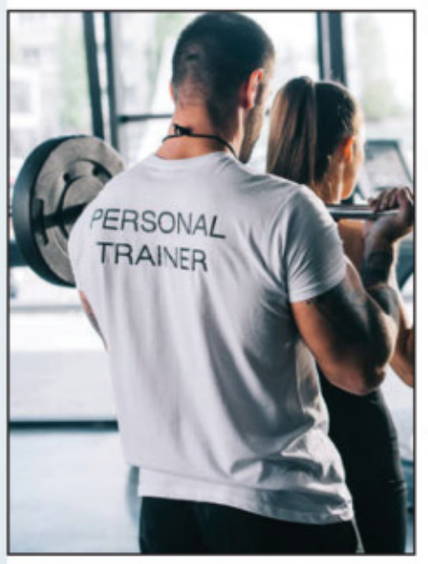

फिटनेस के क्षेत्र में करियर बनाना आसान नहीं है। यदि आप इस इंडस्ट्री में प्रवेश करना चाहते हैं, तो आपको फिटनेस फ्रीक बनना होगा और दूसरों को भी फिटनेस हासिल करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध होना होगा। फिटनेस ट्रेनर व्यक्तियों को उपयुक्त फिटनेस प्रोग्राम का पालन करने के लिए मोटिवेट करते हैं ऐसे में खुद को फिट रखना बेहद जरूरी है। एक फिटनेस ट्रेनर के पास अलग-अलग तरह के लोगों से निपटने के लिए अच्छे कम्यूनिकेशन स्किल की जरूरत पड़ती है।

सर्टिफिकेशन कोर्स में करें रजिस्टर

फिटनेस क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए किसी मान्यता प्राप्त ऑर्गनाइजेशन से सर्टिफाइड होना बेहद जरूरी है। कई संगठन लिखित और प्रैक्टिकल एग्जामिनेशन के साथ विभिन्न प्रकार के फिटनेस ट्रेनिंग कोर्स प्रदान करते हैं। इन सर्टिफिकेशन कोर्स की अवधि 2-3 महीने की हो सकती है जिसकी फीस 10,000-30,000 रुपये के बीच हो सकती है। ज्यादातर सर्टिफिकेशन 2-3 सालों में समाप्त हो जाते हैं और उन्हें रिन्यू करने की जरूरत होती है।

स्पेशलिस्ट सर्टिफिकेशन जरूरी

आप फिटनेस ट्रेनिंग के क्षेत्र में भी अपनी स्पेशलाइज्ड फील्ड में सर्टिफिकेशन ले सकते हैं। यह बेहद जरूरी भी है। अगर आप वेट लिफ्टिंग आदि में रुचि रखते हैं तो उसमें भी सर्टिफिकेशन कोर्स किया जा सकता है।

शुरू करें अपना फिटनेस बिजनेस

एक बेहतर फिटनेस बनने की चाह रखने वालों के लिए अपना बिजनेस शुरू करना बेहद लाभदायक हो सकता है।

ऑन जॉब ट्रेनिंग

अगर आप एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर बनना चाहते हैं तो आपको वर्क एक्सपीरियंस होना बेहद आवश्यक है। ज्यादातर फिटनेस ट्रेनर अपने अनुभव के कारण सफलता प्राप्त कर पाते हैं। प्रोफेशनल एक्सपीरियंस हासिल करने के लिए फ्रेशर्स फिटनेस ट्रेनर के अंडर असिस्टेंट का कार्य भी कर सकते हैं और काफी कुछ सीख सकते हैं।

गैस से राहत दिलाता है पवनमुक्तासन

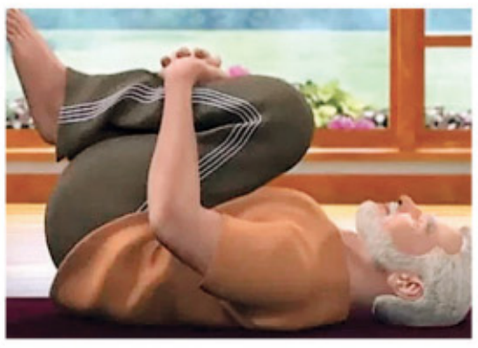

पीएम नरेंद्र मोदी की योगासनों की एनिमेटे सीरीज में शुक्रवार को पवनमुक्तासन के बारे में जानकारी दी गई। इस आसन को करने से पेट की कई तकलीफों से राहत मिलती है

और कमर व रीढ़ की हडड्डी के लिए भी यह आसन फायदेमंद है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर का लचीलापन बना रहता है। विभिन्न योगासनों पर आधारित सीरीज में पीएम मोदी के एनिमेटेड वीडियो पोस्ट किए जा रहे हैं, जिसमें वह हर दिन अलग-अलग योगासनों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हैं। आज जारी वीडियो सुबह 8.00 बजे शेयर किया गया। पीएम के इस वीडियो को अब तक 80 हजार से ज्यादा बार देखा जा चुका है। इसे 15 हजार से ज्यादा लाइक्स मिले चुके हैं और 3200 से ज्यादा बार रीट्वीट किया जा चुका है। पिछले साल भी योग दिवस से पहले पीएम ने योगासन करते हुए अपने कई वीडियो ट्वीट किए थे।

क्या है पवनमुक्तासन

पवनमुक्त का अर्थ है पवन या हवा को मुक्त करना। इस आसन पेट की वायु निकालने में मदद करता है, इसलिए इस आसन का नाम पवनमुक्तासन है।

पवनमुक्तासन के लाभ

पीठ व पेट कि मासपेशियों को मजबूत बनाता है। हाथों व पैरों की मासपेशियों को मजबूत बनाता है। पेट एवं दूसरे इन्द्रियों की मालिश करता है। पेट में से वायु को निकलता है और पाचन क्रिया में मदद करता है। रक्त परिसंचरण को बढ़ाता है और पीठ व कूल्हे के जोड़ के हिस्से को तनाव मुक्त करता है।

बारिश में छोटे बच्चों की देखभाल

बरसात यानी मॉनसून के मौसम में शिशु को की तरह की बीमारियों का खतरा होता है, जैसे- खांसी, जुकाम, बुखार, त्वचा पर दाने, त्वचा पर रैशेज, चकत्ते, इंफेक्शन आदि। इन सभी से बचाव के लिए जरूरी हैं कुछ मॉनसून स्पेशल बेबी केयर टिप्स, जानें इन्हें।

बारिश के मौसम (मॉनसून) में छोटे बच्चे बहुत ज्यादा बीमार होते हैं। इस मौसम में शिशुओं को बहुत ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है। दरअसल तेज गर्मी के बीच अचानक बारिश के कारण तापमान जल्दी-जल्दी कम-ज्यादा होता रहता है और मौसम में नमी आ जाती है, जिसके कारण छोटे बच्चों में बुखार, खांसी, जुकाम, बैक्टीरियल एलर्जी, फंगल इंफेक्शन, दाद-खाज आदि का खतरा बढ़ जाता है। आइए आपको बताते हैं मॉनसून सीजन में छोटे बच्चों की देखभाल के लिए जरूरी टिप्स।

बच्चे को गीला न होने दें

मॉनसून के मौसम में बैक्टीरिया और वायरस बहुत ज्यादा एक्टिव हो जाते हैं, इसलिए जरूरी है कि आप बच्चों को गीला न होने दें। शिशु को बरसात के पानी में भीगने से बचाएं। इसके अलावा घर के बिस्तर, कपड़े, फर्श आदि को भी गीला होने से बचाएं। थोड़े-थोड़े समय में शिशु की नैपी/लंगोट चेक करते रहें। शिशु के पेशाब या पॉटी करने के बाद थोड़े समय में ही बैक्टीरिया एक्टिव हो जाते हैं और शिशु की नाजुक त्वचा पर हमला कर सकते हैं। कई बार गीलेपन के कारण बच्चों को जुकाम-बुखार जैसी समस्या भी हो जाती है। इसके अलावा अगर आपका बच्चा थोड़ा बड़ा है, तो उसे पानी में खेलने, कपड़े गीले करने, पांव और सिर गीला करने से रोकें। कुल मिलाकर कोशिश करें कि आपका बच्चा हमेशा सूखा रहे।

मच्छरों से बचाएं

बारिश के मौसम में शाम से ही मच्छर एक्टिव हो जाते हैं। ऐसे में शिशु को मच्छरों से बचाने के लिए दिन से ही घर के खिड़की-दरवाजों को बंद रखें और घर में पानी न जमा होने दें। अगर आपके आसपास मच्छर हैं, तो शिशु के लिए मच्छरदानी का प्रयोग करें। ध्यान रखें कि शिशु के कमरे में कॉइल या मॉस्कीटो रिपलेंट का प्रयोग न करें, क्योंकि इससे निकलने वाले धुंए शिशु के नाजुक फेफड़ों के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। अगर लगा भी रहे हैं, कोशिश करें कि धुंए वाले ये प्रोडक्ट शिशु से अधिकतम दूरी पर हो और उसका धुंआ सीधे शिशु के नाक या मुंह के संपर्क में न आए।

शिशु के आसपास सफाई रखें

बारिश के मौसम में शिशु के शरीर के अलावा उसके आसपास सफाई रखना भी बहुत जरूरी है। दरअसल मौसम में नमी होने के कारण बैक्टीरिया की प्रजनन क्षमता काफी तेज हो जाती है। इसलिए उन्हें पनपने से रोकने के लिए साफ-सफाई बहुत जरूरी है। शिशु के कमरे में दिन में 2-3 बार पोछा लगाएं, ताकि मच्छर और दूसरे कीट-पतंग वहां न आएं। घर के कूड़ेदान, कूलर, किचन का सिंक, गैस आदि को अच्छी तरह साफ करें। इसके अलावा ध्यान रखें कि बचे हुए खाने को घर में जमा करके न रखें, बल्कि तुरंत बाहर फेंक दें या जानवर को खिला दें। घर के आसपास और घर के अंदर पानी न जमा होने दें, वर्ना डेंगू-मलेरिया फैलाने वाले मच्छर पनप जाएंगे।

घर की दीवार, खिड़कियां चेक कर लें

मॉनसून से पहले ही घर की दीवार और खिड़कियां जरूर चेक कर लें। दीवारों या छत पर आने वाली सीलन से भी कई तरह की बीमारियां फैलती हैं। बरसात के बाद यदि दीवारों में फफूंद और फंगस लग रही है, तो इसे तुरंत हटाएं और दीवार की मरम्मत करवाएं। गीले माहौल में रहने के कारण शिशु को सर्दी-जुकाम जैसी सामान्य बीमारियों का खतरा तो होता ही है। इसके साथ ही कई बार वे किसी गंभीर बीमारी का भी शिकार हो सकते हैं।

एलर्जी चेक करते रहें

बारिश के मौसम में एलर्जी होने का खतरा सबसे ज्यादा होता है। इसलिए बच्चों के शरीर पर दिखने वाले छोटे मोटे रैशेज, दाद, खुजली आदि को नजरअंदाज न करें, क्योंकि ये तेजी से फैल सकता है। एलर्जी होने पर अपने मन से या मेडिकल स्टोर से खुद ही कोई क्रीम खरीदकर न लगाएं, क्योंकि शिशु की त्वचा वयस्कों से बहुत अलग और सेंसिटिव होती है। वयस्कों की क्रीम शिशु के लिए नुकसानदायक हो सकती है।

रेसिपी

कटहल का अचार

सामग्री

■ कटहल-500 ग्राम ■ नमक- 1/2 कप ■ चीनी-1/2 कप ■ सिरका-1 कप ■ लहसुन की कलियां- 6-8 ■ लाल मिर्च पाउडर- 3 टीस्पून ■ राई- 2 टीस्पून ■ जीरा-1/2 टीस्पून ■ सौंठ पाउडर-1 टीस्पून ■ इलायची- 2 ■ लौंग- 2, दालचीनी-1 इंच का टुकड़ा

विधि

सबसे पहले हाथ में तेल लगाकर कटहल को धोकर छिल लें और उसमें नमक लगाकर दो से तीन दिन तक धूप में रखकर सूखा लें। तीसरे दिन एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें लहसुन डालकर फ्राई कर लें। अब उसमें सूखा हुआ कटहल और सभी मसाले डालकर मिक्स करें। इसके बाद इसमें सिरका डालकर अच्छे से मिक्स करके दो मिनट तक पका लें। फिर इसे ठंडा करके जार में भरकर 7-8 दिनों तक धूप में रख दें। इसके बाद इसे सर्व करें।

दही कबाब

सामग्री

- चार कप गाड़ा दही ■ दो प्याज
- एक अदरक का टुकड़ा ■ 3 हरी मिर्च
- आधा चम्मच हल्दी पावडर ■ आधा चम्मच लाल मिर्च पावडर, गर्म मसाला, कसूरी मैथी
- दो चम्मच धनिया पत्ती
- एक कप कॉर्नफ्लोर
- दो टमाटर के स्लाइस
- एक कप ब्रेड क्रम्ब्स
- तेल ■ नमक स्वादानुसार।

विधि

दही कबाब बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरे में दही के साथ बारीक कटा हुआ प्याज, अदरक और हरी मिर्च डाल लें। इसके बाद इसमें हल्दी, लाल मिर्च पावडर, कसूरी मैथी, गर्म मसाला और धानिया पत्ती डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब कॉर्नफ्लोर डालें और बराबर भाग में बांटकर मनचाहा आकार दें। कबाब को ब्रेड क्रम्ब्स में रोल करें। सभी कबाब को तेल में सुनहरा होने तक तल लें। अब प्लेट में निकालकर मनपसंद चटनी के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंग। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। खान-पान में सावधानी रखें। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। कोई धार्मिक यात्रा करेंगे। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्यवकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ोन

रामलाल बहुत घबराया हुआ थाने पहुंचा. थानेदार ने जब घबराहट का कारण पूछा तो वह बोला, 'मेरी पत्नी मायके गई हुई है.'

मैं आज सुबह जब सो कर उठा तो देखा मेरे कमरे की अलमारी खुली थी. मेरा कीमती सामान व रूपए चोरी हो चुके थे. सब कुछ अस्त-व्यस्त था, 'संदूक टूटे हुए मिले. मेरे तो हाथों के तोते ही उड़ गए.'

थानेदार ने कलम उठाई और तुरंत बोला, 'कुल कितने तोते थे.'

☺ ☺ ☺

मीना (सीमा से) - तुम्हें नहीं लगता कि लगातार नीद की गोलियां खाने से इनकी आदत पड़ जाती है.

सीमा - बिल्कुल नहीं, मैं तो पिछले आठ साल से खा रही हूं. मुझे तो इनकी आदत नहीं पड़ी?

☺ ☺ ☺

प्रेमिका (प्रेमी से)- तुम जल्दी से बताओ कि मुझसे शादी करोगे कि नहीं?

प्रेमी (प्रेमिका से) - मैं इतनी जल्दी कुछ नहीं कह सकता.

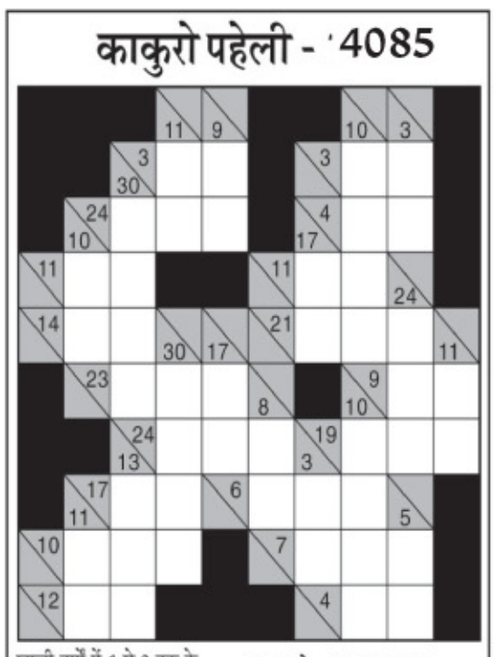

प्रेमिका (प्रेमी से)- मुझे अभी जवाब चाहिए, क्योंकि आज ही मुझे औरों से भी यही सवाल करना है.

☺ ☺ ☺

काकुरो पहेली - '4085

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

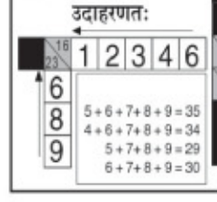

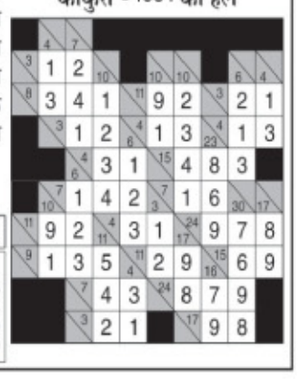

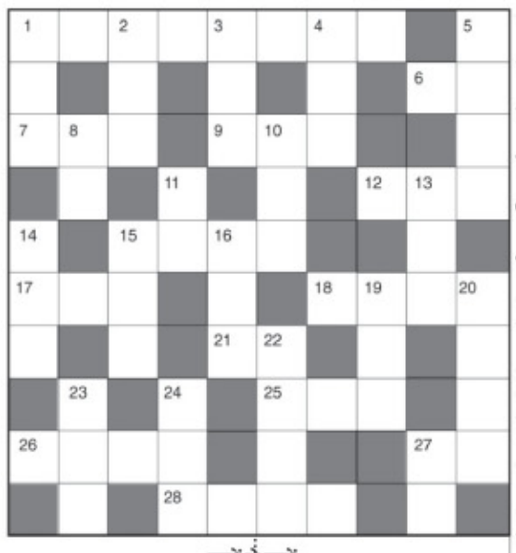

उदाहरणतः

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 4084 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- '4085

बायें से दायें:-

१. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-२,३,१,२
६. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-३
९. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मार ओडारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पल्लू गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
१८. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-१,३
२१. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-२
२५. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी ?-३
२६. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-४
२७. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-३
२. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
३. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
४. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-३
५. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौन थी ?-२
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
११. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लकी अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
१३. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-३
१४. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-३
१५. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-३
१६. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-३
२०. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिश्मा की फिल्म-४
२३. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-३
२४. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4084

सूडोकु 4085

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4084 हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्द पहेली - 4085

बाएँ से दाएँ

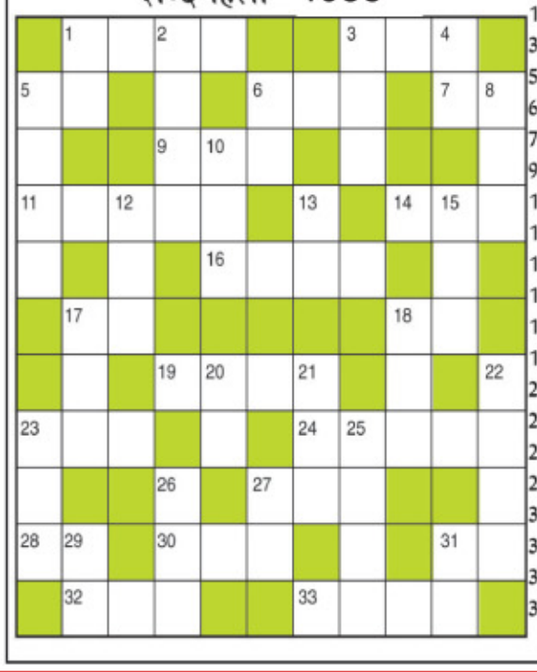

1.असभ्यता,मूर्खता-4
3.निर्भय,बहादुर-3
5.प्याला-2
6.सहारा,शरण-3
7.मां का भाई-2
9.साठ वर्ष की अवधि-3
11.परतंत्रता,गुलामी-5
14.दानव,दैत्य-3
16.लूटपाट-4
17.वाद्य यंत्र-2
18.परछाई,छाया-2
19.आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23.जंगल,वन-3
24.सेंधमार-5
27.गजल लिखने वाला-3
28.मोटा आटा,सूजी-2
30.गुलिस्तां,बाग-3
31.एक ग्रह,शनिश्चर-2
32.दबाना,कुचलना-3
33.रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे

1.मंत्रों का पाठ-2
2.उद्देश्यहीन-4
3.अनूठा,अनोखा-3
4.लक्ष्मी,कमला-2
5.खीजना,रोना-4
6.एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8.दक्ष,होशियार-3
10.जमीकंद,एक सब्जी-3
12.धैर्य,संयम-3
13.अस्थमा-2
15.एक गायिका-3
17.वर्षा ऋतु-3
18.महोदय-3
20.पैंदा,तला-2
21.पुत्र,बेटा-3
22.अवमानना-4
23.नास्तिक (उर्दू-3)
25.करामात-4
26.प्रतिज्ञा-3
27.ठाठ-बाट-2
29.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31.तीर,बाण-2

शब्द पहेली -4084 का हल

एलन के तीन स्टूडेंट्स करेंगे आईईएसओ फाइनल में भारत का प्रतिनिधित्व

एजेंसी

फ्लोरिडा। कोटा। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के स्टूडेंट्स ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त करने के लिए कदम बढ़ाया है। जियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा इंटरनेशनल अर्थ साइंस ओलम्पियाड की फाइनल टीम की घोषणा कर दी गई है। एलन के निदेशक डॉ. बृजेश माहेश्वरी ने बताया कि 17वें इंटरनेशनल अर्थ साइंस ओलम्पियाड-2024 के फाइनल में चार स्टूडेंट्स की भारतीय टीम की घोषणा की गई, इसमें तीन स्टूडेंट्स एलन क्लासरूम से रूद्र पेठाणी, सिद्धार्थ कुमार गोयल एवं यशस्वी गुप्ता शामिल है। ओलम्पियाड का फाइनल 8 से 16 अगस्त तक चीन के बीजिंग में होगा। डॉ. माहेश्वरी ने बताया कि स्टूडेंट्स में अर्थ साइंस के प्रति जागरूकता लाने और इस विषय में रूचि बढ़ाने के लिए यह ओलमिपयाड भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन जियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित किया जाता है। यह ओलम्पियाड तीन चरणों में होता है, जिसके प्रथम चरण नेशनल लेवल एंट्रेंस टेस्ट के बाद एलन के 13 स्टूडेंट्स का चयन द्वितीय चरण के लिए हुआ। द्वितीय चरण ट्रेनिंग कैम्प एंड इंडियन नेशनल अर्थ साइंस ओलम्पियाड (आईएनईएसओ) से फाइनल के लिए एलन के तीन विद्यार्थियों का चयन हुआ।

शादी विवाह प्रोत्साहन योजना के लिए दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने मांगे आवेदन

कानपुर। दिव्यांजन सशक्तीकरण विभाग ने दिव्यांगजन शादी विवाह प्रोत्साहन योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे हैं। ऐसे दिव्यांग आवेदन कर सकते हैं जिनका विवाह वित्तीय वर्ष 2022-23 में हुए और वर्तमान में 2023-24 होंगी। यह जानकारी शुक्रवार को जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी विनय उत्तम ने दी। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा संचालित दिव्यांगजन शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत दम्पति में से युवक के दिव्यांग होने की दशा में 15 हजार और युवती के दिव्यांग होने की परिस्थिति में 20 हजार एवं युवक-युवती दोनों के दिव्यांग होने की दशा में 35 हजार की धनराशि दिये जाते हैं।

कड़ी निगरानी में उप्र के 19 जनपदों में हो रही बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा

कानपुर। प्रदेश में कड़ी निगरानी के साथ शुक्रवार को बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा सुबह नौ बजे से शुरू हो चुकी है। प्रदेश के 19 जनपदों में परीक्षा केन्द्र बनाए गए है। नकल माफियाओं एवं सुरक्षा को लेकर कड़ी निगरानी की जा रही है। कानपुर में बीएनएसडी शिक्षा निकेतन बेनाझाबर समेत विभिन्न केंद्रों पर सुबह से छात्र-छात्राओं की भीड़ केन्द्र के बाहर लग गई। हालांकि परीक्षा शुरू हो चुकी है। उत्तर प्रदेश नर्सिंग एसोसिएशन के निदेशक डॉ. आलोक कुमार ने बताया कि बीएससी और पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग के लिए आवेदन करने पर ऑनलाइन प्रवेश पत्र भेज दिया गया था। प्रवेश परीक्षा के लिए प्रदेश के 19 जनपदों में प्रवेश परीक्षा हो रही है।

हिमाचल में कानून व्यवस्था ठप, सरकार को नहीं कोई परवाह : सुरेश कश्यप

शिमला। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व सांसद सुरेश कश्यप ने कानून व्यवस्था के मुद्दे पर सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार की घेराबंदी की है। उन्होंने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि जहां-जहां हिमाचल प्रदेश में क्राइम होता है वहां कांग्रेस के नेता पूर्ण रूप से चुप हो जाते है। साफ दिख रहा है की सरकार अपने आप को स्थिर रखने में मस्त है, तभी तो मुख्यमंत्री को मुख्यमंत्री रखने के हक में प्रस्ताव पारित करने की नौबत आ गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस थाना नालागढ़ के तहत एक महिला के -साथ बलात्कार करने वाले समुदाय के आरोपियों को बचाने के लिए पुलिस अधिकारी द्वारा जांच अधिकारी पर दबाव डालने का मामला सामने आया है। यह दुर्भाग्यपुरा स्थिति है।

दिल्ली के लिए हिमाचल प्रदेश पानी छोड़े : शान्ता कुमार

पालमपुर। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री शान्ता कुमार ने कहा कि देश की राजधानी दिल्ली में पानी का संकट है। इसलिए हिमाचल प्रदेश कर सरकार को दिल्ली के लिए पानी छोड़ना चाहिए। उन्होंने एक बयान जारी कर कहा कि हिमाचल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा देकर यह आश्वासन दिया कि 187 क्यूसीक पानी दिल्ली को देगा। इस आश्वासन से दिल्ली की जनता को बहुत सन्तोष हुआ परन्तु दो दिन बाद ही हिमाचल प्रदेश की सरकार ने कहा है कि प्रदेश के पास अतिरिक्त पानी नही हैं। इसलिए पानी नहीं देगी। साथ में यह भी कहा है कि इस सम्बंध में हिमाचल सरकार सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर क्षमा याचना करेगी। शान्ता कुमार ने कहा कि पूरा समाचार पढ़कर हैरानी भी हुई और हिमाचली के नाते मैं शर्मिंदा भी हुआ। प्रदेश सरकार ने हल्फिया बयान देकर सुप्रीम कोर्ट में जब पानी देने का वायदा किया तो उससे पहले विभाग से पूरी रिपोर्ट ली होगी। हिमाचल सरकार की यह कार्यवाही दुर्भाग्यपूर्ण और बचकानी है। ऐसी गैर जिम्मेदारी का व्यवहार किसी प्रदेश सरकार ने देश के सुप्रीम कोर्ट से कभी नहीं किया होगा। कुमार ने हिमाचल सरकार से आग्रह किया है कि हिमाचल प्रदेश पूरा नहीं तो कुछ न कुछ पानी प्यासी दिल्ली के लिए अवश्य दे। कुछ ही दिनों में बारिश शुरू होनी वाली है। हिमाचल में तो स्थानीय बादलों से भी वर्षा शुरू हो जाएगी।

भारतीय सेना को पहले बैच में मिले 120 स्वदेशी आत्मघाती ड्रोन 'नागस्त्र'

आपातकालीन खरीद शक्तियों के तहत 480 लोइटर म्यूनिशन के दिए गए हैं ऑर्डर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना को नागपुर की कंपनी ने 120 स्वदेशी आत्मघाती ड्रोन 'नागस्त्र' का पहला बैच सौंप दिया है। भारतीय सेना ने आपातकालीन खरीद शक्तियों के तहत 480 लोइटर म्यूनिशन की आपूर्ति के लिए सोलर इंडस्ट्रीज के इकोनॉमिक्स एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड (ईईएल) को ऑर्डर दिया है। प्री-डिलीवरी निरीक्षणों के सफल समापन के बाद ईईएल ने सेना के गोला-बारूद डिपो को 120 लोइटर म्यूनिशन वितरित किए हैं।

भारतीय सेना को घरेलू स्तर पर निर्मित आत्मघाती ड्रोन का पहला बैच प्राप्त हुआ है, जिसे नागस्त्र-1 के नाम से जाना जाता है। स्वदेशी लोइटरिंग म्यूनिशन को आत्मघाती ड्रोन नागस्त्र-1 के रूप में भी जाना जाता है। इसे नागपुर की कंपनी सोलर इंडस्ट्रीज ने विकसित किया है। भारतीय सेना ने आपातकालीन खरीद शक्तियों के तहत 480 लोइटर म्यूनिशन की आपूर्ति के लिए सोलर इंडस्ट्रीज की इकोनॉमिक्स एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड (ईईएल) को ऑर्डर दिया है। इसमें पहले बैच के रूप में 120 लोइटर म्यूनिशन सेना के गोला-बारूद डिपो को सौंप दिए हैं। यह एक ही आत्मघाती ड्रोन दुश्मन के इलाके में घुसकर तबाही मचा सकता है। जीपीएस से लैस यह ड्रोन दो मीटर की दूरी पर सटीकता के साथ हमला कर सकता है। नौ किलोग्राम वजन वाले मैन-पोर्टेबल फिक्स्ड-विंग इलेक्ट्रिक यूएवी की क्षमता 30 मिनट की है। मैन-इन-लूप रेंज 15 किलोमीटर और ऑटोनॉमस मोड रेंज 30 किलोमीटर है। इसका इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम कम ध्वनिक संकेत प्रदान करता है। इससे 200 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर दुश्मन इसे पहचान नहीं पाता। इसे आसानी के साथ जमीन से लॉन्च किया जा सकता है। यह 1.5 किलोग्राम विस्फोटक वारहेड ले जाने में सक्षम है और 15 किमी. तक निगरानी करके आसानी से लक्ष्य भेद सकता है। इससे आतंकी लॉन्च पैड, घुसपैठियों और दुश्मनों के ट्रेनिंग कैंप पर सटीक हमले किये जा सकेंगे।

आंध्र प्रदेश में ट्रक-डीसीएम वैन की जोरदार टक्कर, छह लोगों की मौत

एजेंसी

विजयवाड़ा । आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में शुक्रवार को एक कंटेनर ट्रक और डीसीएम वैन के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना कुरुथिवेन्नु मंडल के सीतानपल्ली के पास हुई। मृतकों में दोनों वाहनों के चालक शामिल हैं।

कंटेनर ट्रक पुदुचेरी से भीमावरम जा रहा था। इस दौरान वह विपरीत दिशा से आ रही डीसीएम वैन से टकरा गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कंटेनर चालक ने लकड़ियां लदे एक ट्रैक्टर से बचने की कोशिश की और डीसीएम वैन से जा टकराया।

घटना के शिकार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतकों में से पांच कोनासीमा जिले के तल्लारेवू के रहने वाले थे। डीसीएम वैन में कम से कम 10 लोग सवार थे और वे मछली पकड़ने जा रहे थे। घायलों को मछलीपट्टनम के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राज्य मंत्री कोल्लू रवींद्र ने दुर्घटना पर दुःख जताया और संबंधित अधिकारियों को घायलों का बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मध्य प्रदेश के दतिया में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली पुल से गिरी, पांच की मौत, 35 घायल

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में माता रतनगढ़ के भक्तों के लिए शुक्रवार का दिन दर्दनाक साबित हुआ है। राज्य के दतिया जिले में श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैक्टर ट्रॉली पुल पर अनियंत्रित होकर पलटते हुए नीचे गिर गई। इस हादसे में मौके पर ही पांच श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 35 लोग बुरी तरह से घायल हो गए। मृतकों में महिलाएं और लड़कियां शामिल हैं।

यह हादसा दूसरडा थाना क्षेत्र के गांव जोरा मैथाना पाली के पास हुआ। ट्रैक्टर की अचानक स्टेरिंग फेल हो जाने से यह हादसा हुआ । घटना तड़के चार से पांच बजे के बीच की है । सभी ग्रामीण रातनगढ़ मंदिर में जवारे चढ़ाने के लिए जा रहे थे। इस दर्दनाक हादसे में सोनम (15) पुत्री चंदन अहिरवार, क्रांति (17) पुत्री नवल किशोर केवट, सीमा (35) पत्नी नवल किशोर, कामिनी (19) पुत्री नवल किशोर एवं फिलहाल एक नाम की पुष्टि नहीं हो सकी है कि जान चली गई है। घायलों में महिलाओं और बच्चों की संख्या अधिक है। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से कइयों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की सूचना के बाद प्रभारी कलेक्टर कमलेश भार्गव और एसपी वीरेन्द्र मिश्रा मौके पर पहुंचे और 108 एम्बुलेंस के जरिये सभी घायलों को दतिया जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

वक्फ बोर्ड को दस करोड़ फंड देने के फैसले से विहिप नाराज, राज्यपाल से करेगा मुलाकात

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार की ओर से वक्फ बोर्ड को दस करोड़ का फंड दिए जाने के फैसले पर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने कड़ी नाराजगी जताई है। विहिप के महाराष्ट्र-गोवा प्रांत के महासचिव गोविंद शेंडे ने कहा कि इस संबंध में विहिप नेता जल्द ही राज्यपाल और मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे। अगर फिर भी बात नहीं बनी तो विहिप सड़कों पर उतरकर राज्य सरकार के विरोध में आंदोलन करेगा।

विहिप नेता गोविंद शेंडे ने कहा, 'राज्य सरकार का यह फैसला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और अगर हिंदुत्व की विरासत को आगे बढ़ाने वाली सरकार इस तरह की कार्रवाई करने जा रही है, तो जनता के सामने सवाल खड़ा होता है कि क्या उन्हें हिंदुत्व का उत्तराधिकारी कहा जाना चाहिए या नहीं। शेंडे ने यह भी कहा, सरकार में योजना कौन बनाता है। जो पार्टी सत्ता में होती है वह योजना बनाती है, तो वक्फ बोर्ड को पैसे देने की क्या जरूरत है जिसके पास करोड़ों रुपये की संपत्ति है?' उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड का निर्माण ही अवैध है। कांग्रेस ने मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति के आधार पर मुसलमानों को खुश करने के लिए वक्फ बोर्ड की स्थापना की थी। अब भी महाराष्ट्र सरकार ने मुसलमानों को खुश करने के लिए ही वक्फ बोर्ड को दस करोड़ रुपये दिये हैं। हिंदू समाज इसे कब तक यह सब सहन करेगा। विहिप ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार हिंदू मंदिरों को जब्त कर लेती है और वहां मौजूद पैसों का दुरुपयोग करती है, उस पैसे को वक्फ बोर्ड को दे देती है। जब हिंदू समुदाय हिंदू मंदिर की रिहाई की मांग करता है, तो इसे भी नजरअंदाज कर दिया जाता है।

शिखर बैंक घोटाला मामले में अजित पवार को क्लीन चिट देने पर अन्ना हजारे ने कोर्ट में चुनौती दी

एजेंसी

मुंबई,। शिखर बैंक घोटाला मामले में उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की मुश्किलें बढ़ रही हैं। इस मामले में मुंबई पुलिस की ओर से क्लीन चिट देने को अन्ना हजारे ने सेशन कोर्ट में निषेध याचिका दाखिल करके चुनौती दी है, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। इस याचिका पर सुनवाई 29 जून को होगी।

शिखर बैंक घोटाला मामले में उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मुश्किलें बढ़ने की संभावना है, क्योंकि वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने वित्तीय अपराध शाखा की दायर अतिरिक्त क्लोजर रिपोर्ट पर आपत्ति जताई है। कोर्ट ने उनकी आपत्ति स्वीकार कर ली है और विरोध याचिका दायर करने का समय दे दिया है। इस मामले की सुनवाई 29 जून को होगी।

शिखर बैंक ने 2005 से 2010 के बीच राज्य में सहकारी चीनी मिलों, सहकारी धागा मिलों, कारखानों और अन्य कंपनियों को 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक लोन बांटे थे। बाद में पता चला कि यह सभी लोन गलत तरीके से दिए गए थे। इस मामले की शिकायत अन्ना हजारे ने मुंबई पुलिस से की थी और पुलिस ने छानबीन की। इसके बाद पुलिस ने शिखर बैंक के निदेशक अजित पवार समेत 70 अन्य लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था, लेकिन कुछ महीने पहले पुलिस की वित्तीय अपराध शाखा ने एक अतिरिक्त क्लोजर रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल की थी। वित्तीय अपराध शाखा ने क्लोजर रिपोर्ट में कहा है कि लोन वितरण और चीनी कारखाने की बिक्री के संबंध में बैंक को किसी भी नुकसान का कोई सबूत नहीं मिला। वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे और माणिकराव जाधव ने इस क्लोजर रिपोर्ट पर आपत्ति जताते हुए कोर्ट में निषेध याचिका दाखिल की थी, जिस पर सुनवाई सेशन कोर्ट में हुई। कोर्ट ने निषेध याचिका पर सुनवाई 29 जून को तय की है। इसलिए इस निषेध याचिका के बाद अजीत पवार की मुश्किलें बढ़ने के आसार बन गए हैं। शिवसेना नेता संजय राऊत ने कहा कि अन्ना हजारे को राज्य में हुए अन्य सभी घोटालों पर भी आवाज बुलंद करनी चाहिए और दिल्ली के रामलीला मैदान पर आंदोलन करना चाहिए। राऊत ने कहा कि दिल्ली में अन्ना हजारे के आंदोलन में मेरे साथ सभी लोग उपस्थित रहूंगा।

मोदी मंत्रिमंडल में एक भी मुस्लिम चेहरा नहीं होने से तिलमिलाए एसटी हसन

एजेंसी

लखनऊ । समाजवादी पार्टी नेता एसटी हसन ने मोदी मंत्रिमंडल में एक भी मुस्लिम चेहरे को जगह नहीं दिए जाने पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद ऐसा पहली बार हुआ है, जब केंद्रीय मंत्रिमंडल में एक भी मुस्लिम चेहरा नहीं है, यह अफसोस की बात है। एसटी हसन ने कहा, हिंदुस्तान की दूसरी सबसे बड़ी आबादी को इस कैबिनेट में जगह नहीं दी गई है। मुस्लिम की नुमाइंदगी मोदी मंत्रिमंडल में होनी चाहिए थी, लेकिन इन लोगों ने एक भी मुस्लिम चेहरे को जगह नहीं दी। हालांकि, इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए बयानों से हमें बेइंतहा तकलीफ पहुंची है। प्रधानमंत्री के बयानों को सुनकर हमारा दिल टूटा है। मैं यह सवाल पूछना चाहता हूं कि मुसलमान इस देश के नागरिक नहीं हैं क्या? अगर मुसलमान ने आपको वोट नहीं दिया, तो क्या आप लोग अब बदला लेंगे? आप लोग क्या प्रतिशोध की राजनीति पर उतारू हो चुके हैं? इस बात पर विचार होना चाहिए। हमें मोदी जी से यह उम्मीद नहीं थी। इसके अलावा, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एसटी हसन को रामपुर से चुनाव लड़ने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने आजम खान का लिहाज करते हुए वहां से चुनाव लड़ने से मना कर दिया और अपनी परंपरागत सीट मुरादाबाद से चुनाव लड़े, जिसका नतीजा हुआ कि उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा। इस पर जब एसटी हसन से सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, ÷मुझे इस बात का अफसोस है कि मैंने अखिलेश यादव जी की बात नहीं मानी। अगर मानी होती तो आज मैं भी संसद में बैठा होता। अखिलेश यादव ने मुझे रामपुर से चुनाव लड़ने के लिए कहा था, लेकिन मैंने मना कर दिया। मेरे मना करने की वजह आजम खान थे। मैं उनके चुनावी क्षेत्राधिकार में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं करना चाहता था। मुझे इस बात का एहसास हो रहा है कि मैंने अखिलेश यादव की बात ना मानकर कितनी बड़ी गलती की।

छत्तीसगढ़ विजन डॉक्यूमेंट : केन्द्रीय नीति आयोग की सलाहकार निधि छिब्बर ने ली प्रगति की जानकारी

एजेंसी

रायपुर। भारत सरकार के नीति आयोग की सलाहकार निधि छिब्बर ने मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ में बनाए जा रहे विजन डॉक्यूमेंट 2047 के संबंध में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। राज्य नीति आयोग के अधिकारियों ने उन्हें विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए लघु, मध्यम और दीर्घ अवधि के सुझाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की विशेष पहल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए छत्तीसगढ़ विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है। विजन

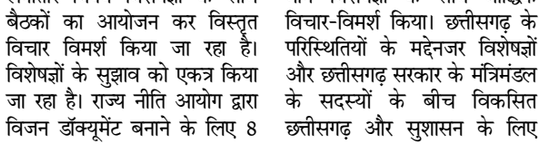

डॉक्यूमेंट बनाने का दायित्व राज्य नीति आयोग को सौंपा गया है। राज्य नीति आयोग द्वारा पिछले एक माह से लगातार विषय विशेषज्ञों के साथ बैठकों का आयोजन कर विस्तृत विचार विमर्श किया जा रहा है। विशेषज्ञों के सुझाव को एकत्र किया जा रहा है। राज्य नीति आयोग द्वारा विजन डॉक्यूमेंट बनाने के लिए 8 वर्किंग ग्रुप बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर हाल में ही रायपुर के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में सुशासन और विकसित छत्तीसगढ़ को लेकर देश के जाने माने विशेषज्ञों के साथ बौद्धिक विचार-विमर्श किया। छत्तीसगढ़ के परिस्थितियों के मद्देनजर विशेषज्ञों और छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्रिमंडल के सदस्यों के बीच विकसित छत्तीसगढ़ और सुशासन के लिए विचारों का आदान-प्रदान हुआ। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने छत्तीसगढ़ के विजन डॉक्यूमेंट को लेकर राज्य के सभी विधायकों और मंत्रिगणों से भी अपने सुझाव देने का आग्रह किया है। यह भी बताया कि विजन डॉक्यूमेंट को लेकर नागरिकों और स्वयंसेवी संस्थाओं से सुझाव लेने की भी पहल की जाएगी। इसके लिए जनसंवाद का भी आयोजन करने की योजना है। बैठक में योजना आयोग और सांख्यिकी विभाग के सचिव अंकित आनंद सहित राज्य नीति आयोग की सलाहकार संस्थाओं के प्रतिनिधि और राज्य नीति आयोग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उपचुनाव में बदरीनाथ से भंडारी और मंगलौर से भड़ाना को उम्मीदवार घोषित किया

एजेंसी

देहरादून । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तराखंड की दो सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए। पार्टी ने बदरीनाथ से पूर्व विधायक राजेंद्र भंडारी और मंगलौर से करतार सिंह भड़ाना को चुनाव मैदान में उतारने का फैसला किया है। इन दोनों सीटों पर 2022 में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा पर्यवेक्षकों ने रायसुमारी के बाद उम्मीदवारों के नाम प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के माध्यम से केंद्रीय चुनाव समिति को भेजे। इसके बाद समिति ने देरात उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी।बदरीनाथ से पार्टी ने पूर्व विधायक राजेंद्र भंडारी पर विश्वास जताया है। भंडारी ने लोकसभा चुनाव से ठीक

पहले 17 मार्च को विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया था। वह कांग्रेस के टिकट से विधायक चुने गए थे। राजेंद्र भंडारी ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट को हराकर चुनाव जीते थे। उन्होंने कांग्रेस का दामन छोड़कर लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी।

भाजपा ने मंगलौर विधानसभा सीट पर करतार सिंह भडाना को टिकट देकर कांग्रेस की मुश्किल बढ़ा दी है। भड़ाना हरियाणा और उत्तर प्रदेश में विधायक रह चुके हैं। वह लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा में शामिल हुए थे। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के विधायक सरवत करीम अंसारी का 30 अक्टूबर 2023 को निधन हो गया था। तब से मंगलौर सीट रिक्त थी। लोकसभा चुनाव को दौरान करतार सिंह भड़ाना बसपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। करतार सिंह पूर्व में हरियाणा सरकार में मंत्री के अलावा उत्तर प्रदेश के खतौली विधायक भी रह चुके हैं। इन दोनों सीटों पर उपचुनाव के लिए अधिसूचना 14 जून को जारी की जाएगी। नामांकन भरने की अंतिम तिथि 21 जून है। 10 जुलाई को मतदान और 13 जुलाई को मतगणना होगी। बदरीनाथ में 01 लाख 02 हजार 145 और मंगलौर में 01 लाख 19 हजार 930 मतदाता हैं।

'उन्होंने बिल्कुल सही कहा', इंद्रेश कुमार के बयान पर बोले संजय राउत

एजेंसी

मुंबई । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेता इंद्रेश कुमार ने बीजेपी को आड़े हाथों लेते हुए कहा है कि अपने अहंकार की वजह से इन्हें लोकसभा चुनाव में ऐसी दुर्गति का सामना करना पड़ा। अहंकार की वजह से ये लोग महज 241 सीटों पर ही सिमटकर रह गए। इंद्रेश कुमार के इस बयान पर अब शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत की प्रतिक्रिया सामने आई है।

संजय राउत ने इंद्रेश कुमार का पक्ष लेते हुए कहा, उन्होंने बिल्कुल सही कहा है। आज अगर इस लोकसभा चुनाव में भाजपा की ऐसी दुर्गति हुई है, तो इसका कारण भाजपा का अहंकार है। इंद्रेश कुमार जी ने बिल्कुल सही बात कही है। भाजपा को अपने अहंकार की वजह से ही हार का मुंह देखना पड़ा है। इसके अलावा, संजय राउत ने कई अन्य मुद्दों पर भी अपनी बात रखी।

बता दें कि इंद्रेश कुमार ने कहा था कि इनमें धीरे-धीरे अहंकार आ गया। आज भगवान राम ने इनके अहंकार को खत्म कर दिया है। ये लोग इस चुनाव में प्रशंसनीय परिणाम नहीं दे पाए। शायद अब इन्हें लोकतंत्र की ताकत का एहसास हो चुका होगा। हालांकि, यह राम जी की ही कृपा थी कि भाजपा देश की सबसे बड़ी पार्टी बन सकी, लेकिन इसके बावजूद भी ये लोग राम जी कृपा को नहीं समझ

पाए। शायद इसलिए जो शक्ति भाजपा को इस चुनाव में मिलनी चाहिए थी, वो राम जी ने अहंकार के कारण रोक दी। हाल ही में महाराष्ट्र सरकार ने वक्फ बोर्ड को 10 करोड़ रुपए देने का ऐलान किया है। इस पर विश्व हिंदू परिषद सहित अन्य हिंदू संगठनों ने आंदोलन करने का फैसला किया है। इस पर जब संजय राउत से सवाल किया गया तो उन्होंने दो टूक कहा, आपको जो कुछ भी करना है, कर लीजिए, अगर आप इस फैसले के विरोध में आंदोलन करना चाहते हैं, तो आपको पूरी स्वतंत्रता है, आप कर सकते हैं। हमें कोई आपत्ति नहीं है। इसके अलावा, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में अजित डोभाल की तीसरी बार नियुक्ति होने पर संजय राउत से सवाल किया गया। जिस पर उन्होंने कहा, मैं इस पर किसी भी प्रकार की टिप्पणी करने से बचूंगा, क्योंकि यह कोई राजनीतिक विषय नहीं है। यह प्रधानमंत्री के क्षेत्राधिकार का विषय होता है।

गोपेंद्र नाथ भट्ट राजस्थान विधानसभा पत्रकार दीर्घा मंत्रणा समिति के विशेष आमंत्रित सदस्य मनोनीत

एजेंसी

जयपुर/नई दिल्ली। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निर्देश पर राजस्थान सरकार के सूचना एवं जन संपर्क विभाग से मान्यता प्राप्त अधिस्वीकृत स्वतंत्र पत्रकार गोपेंद्र नाथ भट्ट को राजस्थान विधानसभा पत्रकार दीर्घा मंत्रणा समिति का विशेष आमंत्रित सदस्य मनोनीत किया गया है। राजस्थान विधानसभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा के हस्ताक्षर से राजस्थान विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी पत्र में यह जानकारी दी गई है। विधानसभा में उप निदेशक (जनसंपर्क) डॉ लोकेश चंद्र शर्मा ने बताया कि स्वतंत्र पत्रकार गोपेंद्र नाथ भट्ट को राजस्थान विधानसभा के प्रमुख सचिव द्वारा प्रेषित पत्र में कहा गया है कि राजस्थान विधानसभा की पत्रकार दीर्घा में समाचार पत्रों एवं एजेंसियों के प्रतिनिधियों के प्रवेश को विनियमित करने संबंधी नियमों के नियम 1 की धारा (1) के अंतर्गत माननीय अध्यक्ष ने पत्रकार दीर्घा मंत्रणा समिति के वर्ष 2024-25 एवं अग्रिम आदेशों की अवधि के लिए गठित समिति में आपको विशेष आमंत्रित सदस्य के रुप में मनोनीत किया गया है। उल्लेखनीय है कि गोपेंद्र नाथ भट्ट राजस्थान सूचना एवं जन संपर्क विभाग राजस्थान के वरिष्ठ अधिकारी रहें है और पीआरओ से अतिरिक्त निदेशक तक के विभिन्न पदों पर रहते हुए उन्होंने अपनी उल्लेखनीय सेवाएँ दी है। विशेष कर राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में मुख्यमंत्री,राजस्थान के प्रेस अटैची और सेवानिवृत्ति के पश्चात् केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री के सीनियर मीडिया कन्सल्टेंट और कई मीडिया समूहों एवं संस्थाओं से जुड़े रहते हुए उन्होंने अपनी एक अलग ही पहचान बनाई हैं।

हिंदुओं के गौरव की पहचान

स्वामीनारायण मंदिर

भारत ही नहीं पूरी दुनिया के अलग-अलग देशों में ऐसे हिन्दू देवस्थान हैं, जो सनातन संस्कृति से पूरी दुनिया के लोगों को जोड़ते हैं। यह मंदिर मात्र धर्म और आस्था के ही स्थान नहीं है, बल्कि अपनी अद्भुत और अनूठी वास्तुकला के लिए भी पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। इन मंदिरों में से एक है कनाडा देश के टोरंटो शहर में स्थित स्वामीनारायण संप्रदाय का स्वामीनारायण मंदिर।

यह मंदिर कनाडा में फिंच ऐवेन्यू के पास हाईवे नंबर 427 पर स्थित है। इस मंदिर की मुख्य विशेषता है कि इसके निर्माण में इस्पात या लोहे का उपयोग नहीं किया गया है। साथ ही इस मंदिर का अधिकांश भाग अलग-अलग प्रकार के पत्थरों से बना है। जिन पर भारत में ही हस्तशिल्प कार्य किया गया। यह मंदिर मात्र 18 माह की छोटी सी अवधि में बनकर तैयार हुआ। इसका निर्माण स्थानीय हिन्दु धर्मावलंबियों द्वारा किया गया। इसके निर्माण में लगभग 40 मिलीयन डॉलर खर्च हुए।

इस मंदिर के निर्माण से जुड़ी अनेक रोचक बाते हैं।

- इस मंदिर के निर्माण में उपयोग किया गया लाईम स्टोन और संगमरमर क्रमशः टर्की और इटली से भारत लाया गया। बाद में इस पर हस्तशिल्प कर फिर से कनाडा ले जाया गया।
- इन पत्थरों पर भारत के 26 स्थानों पर लगभग 1800 हस्तशिल्पियों ने कार्य किया।
- यह मंदिर 18 एकड़ क्षेत्र में फैला है।
- मंदिर के 132 तोरण, 340 खंबो और छत के 84 भागों के लिए 24 हजार नक्काशीदार संगमरमर और लाईमस्टोन पत्थर के टुकड़े उपयोग किए गए।
- इस मंदिर का निर्माण 100 भारतीय कारीगरों और हस्तशिल्पियों ने इन पत्थरों को जोड़कर किया।
- पत्थरों में की गई नक्काशी में भारतीय धर्म ग्रंथों और पुराणों से जुड़े देवी-देवता और चिन्ह दिखाई देते हैं। सनातन संस्कृति के अनुसार मंदिर की पवित्रता बनाए रखने के लिए मंदिर में अनेक नियम और व्यवस्थाएं हैं।
- मंदिर में भगवान के दर्शन सुबह 9 से 12 बजे के बीच और शाम को 4 से 6 बजे तक होते हैं।
- मंदिर का अध्यात्मिक वातावरण बनाए रखने के लिए शांत रहने का नियम बनाया गया है। साथ ही सुंदर नक्काशी को नुकसान न पहुंचे इसलिए दीवारों का छूना निषेध है। - मंदिर में वस्त्रों की भी मर्यादा नियत की गई है। शार्ट या घुटने से ऊपर तक ऊंचाई वाले कपड़े की अनुमति न होकर उसके स्थान पर धोती या लुंगी दी जाती है।
- जूते-चप्पल, धूम्रपान, मोबाईल आदि मंदिर में लाने और मंदिर के अंदर खान-पान पर पाबंदी है।
- यह मंदिर कनाडा में भारतीय वैदिक संस्कृति का पहला मंदिर माना जाता है।

गुणों की खान तिरूपति बालाजी

हिन्दु धर्मग्रंथों में भगवान के छः गुण बताए गए हैं - ऐश्वर्य, धन, यश, श्री, वैराग्य और मोक्ष। तिरुपति बालाजी मंदिर और यहां प्रतिष्ठित भगवान वेंकटचलापती की प्रतिमा में भगवान के ऐसे ही दिव्य गुणों और भव्य स्वरुप के साक्षात् दर्शन होते हैं।

तिरुपति बालाजी मंदिर में भगवान विष्णु की पूजा वेंकटचलापति के रुप में होती है। यहां भगवान विष्णु की कमल पाद पर खड़ी लगभग 10 फिट ऊंची प्रतिमा है। यहां भगवान अपने पूर्ण स्वरुप में विराजित हैं। यहां भगवान विष्णु लक्ष्मीपति का साक्षात् स्वरुप हैं। भगवान विष्णु अनेक प्रकार के स्वर्ण आभूषणों, हीरे मोतियों की मालाओं से श्रृगांरित होते हैं। इसलिए भगवान विष्णु के साथ ही प्रतिमा में दिखाई देने वाला वैभव देवी लक्ष्मी की दर्शन की अनुभूति भी देता है।

भगवान को पहनाए जाने वाले आभुषणों में लक्ष्मी माला शामिल होती है। जिसमें देवी लक्ष्मी की 108 छबियां होती है। इसी के साथ सोने में जड़ा गया सालगराम हार भी भगवान को पहनाया जाता है। भगवान की कटि या कमर पर उकेरा गया सुंदर दशावतार पट्टा भी दिखाई देता है। इस पट्टे पर लटकी हुई सोने से बनी सूर्यकटारी भी है। भगवान के वक्षस्थल पर सोने की नक्काशी से बनी लक्ष्मी और पद्मावती के दर्शन भी होते हैं। गर्भगृह में भगवान वेंकटचलपती की ही मूर्ति है। भारत में यही एक ऐसा विष्णु मंदिर है, जिसके गर्भगृह में भगवान विष्णु की एक मूर्ति है। मलयाप्पन स्वामी को उत्सव मूर्ति के नाम से पूजा जाता है। यह भगवान की मूल प्रतिमा की प्रतिकृति है। इस प्रतिमा के आसपास श्रीदेवी और भूदेवी की प्रतिमा हैं। मंदिर के मण्डप में उग्र निवास, कोलूवू निवास की प्रतिमाएं भी प्रतिष्ठित हैं। इनके अलावा भगवान श्रीकृष्ण, श्रीराम, सीता और लक्ष्मण की मूर्तियां भी मंदिर में विराजित है। गर्भगृह में बनी सुदर्शन चक्र की आकृति भी देखी जा सकती है। तिरुपति बालाजी मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर की नियमित पूजा होती है। पहली पूजा प्रात: तीन बजे होती है, जो सुप्रभातम कहलाती है। इसका अर्थ होता है भगवान को शयन से जगाना। आखिर में एकांत सेवा नाम की पूजा होती है जिसका अर्थ है भगवान को शयन कराना। इस आरती का समापन रात्रि एक बजे होता है। भगवान के नियमित अंतराल से सेवा-उत्सव मनाए जाते हैं। भगवान की प्रार्थना-स्तुति हर दिन, सात दिन और पन्द्रह दिनों के अंतर से की जाती है।

हिंदू धर्म में 33 करोड़ देवी देवता कैसे?

सामान्यत: कहा जाता है कि हिंदुओं के 33 करोड़ देवी-देवता हैं। इतने देवी-देवता कैसे? यह प्रश्न कई बार अधिकांश लोगों के मन में उठता है। शास्त्रों के अनुसार देवताओं की संख्या 33 कोटि बताई गई हैं। इन्हीं 33 कोटियों की गणना 33 करोड़ देवी-देवताओं के रूप में की जाती है। इन 33 कोटियों में आठ वसु, ग्यारह रुद्र, बारह आदित्य, इंद्र और प्रजापति शामिल है। इन्हीं देवताओं को 33 करोड़ देवी-देवता माना गया है। कुछ विद्वानों ने अंतिम दो देवताओं में इंद्र और प्रजापति के स्थान पर दो अश्विनीकुमारों को भी मान्यता दी है। श्रीमद् भागवत में भी अश्विनीकुमारों को ही अंतिम दो देवता माना गया है। इस तरह हिंदू देवी-देवताओं में तैंतीस करोड़ नहीं, केवल तैंतीस ही प्रमुख देवता हैं। कोटि शब्द के दो अर्थ हैं, पहला करोड़ और दूसरा प्रकार या तरह के। इस तरह तैंतीस कोटि को जो कि मूलत तैंतीस तरह के देव-देवता हैं, उन्हें ही तैंतीस करोड़ माना गया है।

भूत-पिशाच मार भगावे श्री मेंहदीपुर बालाजी

श्री मेंहदीपुर बालाजी मंदिर राजस्थान के दौसा जिले में स्थित है। मूलत: यह मंदिर पवनपुत्र हनुमान का मंदिर ही है। यहां श्री प्रेतराज सरकार, प्रेतराजा या आत्माओं के राजा के नाम से जाने जाते हैं। लोकमान्यता है कि पूर्व काल में श्री बालाजी राजस्थान की अरावली पहाडियों में बुरी आत्माओं के नाश हेतु प्रकट हुए। यह स्थान बुरी आत्माओं, काला जादू आदि से पीड़ित लोगों की कष्टों से छुटकारा दिलाने के लिए प्रसिद्ध है। पीड़ित लोग यहां आकर श्री प्रेतराज सरकार यानि मेंहदीपुर के बालाजी और श्री भैरवनाथ के दर्शन कर अपनी पीड़ा से मुक्ति के लिए प्रार्थना और पूजा करते हैं। भक्तों और श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास है कि श्री बालाजी दण्डाधिकारी के रुप में बुरी आत्माओं, भूत, चुडैल को दण्ड देकर भयंकर मानसिक और शारीरिक कष्ट भोग रहे व्यक्ति को पीड़ामुक्त कर देते हैं। मेंहदीपुर बालाजी का मंदिर श्री हनुमान की अदालत माना जाता है। इस मंदिर के साथ ही यहां पूजा गृह, भैरव मंदिर और राम दरबार मंदिर के दर्शन का भी महत्व है। जहां दु:खों से छुटकारा पाने के लिए जनसैलाब उमड़ता है।

यहां श्री मेंहदीपुर बालाजी के प्रति श्रद्धा और विश्वास के कारण अनेक धार्मिक कर्म और गतिविधियां चलती रहती है। यहां दान के साथ गरीब, अनाथ, बेसहारों, कमजोर और असक्षम लोगों के लिए भोजन कराया जाता है। गायों के लिए चारा और अन्य भूखे-प्यासे पशु-पक्षियों के लिए दाना-पानी उपलब्ध कराया जाता है।

राजस्थान में मेंहदीपुर बालाजी का मंदिर श्री हनुमान का बहुत जाग्रत स्थान माना जाता है। लोगों का विश्वास है कि इस मंदिर में विराजित श्री बालाजी अपनी देवीय शक्ति से बुरी आत्माओं से छुटकारा दिलाते हैं। इसमें मंदिर में हजारों भूत-पिशाच से त्रस्त लोग प्रतिदिन दर्शन और प्रार्थना के लिए यहां आते हैं, जिन्हें स्थानीय लोग संकटवाला कहते हैं। भूतबाधा से पीड़ित के लिए यह मंदिर अपने ही घर के समान हो जाता है और श्री बालाजी ही उसकी अंतिम उम्मीद होते हैं। यहां श्री बालाजी के सेवा और पूजा करने वाले मंहत सभी पीड़ितों को भूत बाधा से मुक्त करने के लिए सारी श्री बालाजी के सामने सभी उपचार करते हैं। इसके लिए वह पवित्रता का पूरा ध्यान रखते हैं। वह सादा और शाकाहार करते हैं। कभी भी इस कार्य को लोक कल्याण की भावना के साथ करते हैं।

यहां पीड़ाओं से मुक्त होने के लिए आस्था और विश्वास की ताकत को देखा जा सकता है। यहां पर प्रेतबाधाओं से लोगों को मुक्त करने के लिए अनेक असाधारण और असामान्य, कष्टप्रद भौतिक चिकित्सा के उपाय देखें जा सकते हैं। किंतु उनका उद्देश्य मात्र व्यक्ति के दु:ख और कष्टों से मुक्ति होती है। इनमें कुछ उपायों में प्रेत बाधा से भयंकर पीड़ित व्यक्ति के शरीर पर हाथ, पैर और छाती पर भारी पत्थर रखे जाते हैं। बहुत ज्यादा पीड़ित और हिंसक व्यक्ति को मंदिर परिसर में ही जंजीरों से भी बांधा जाता है।

यह सारे तरीके पहली नजर में विभत्स और असहनीय दिखाई देते हैं। किंतु प्रेतबाधा से मुक्त होने के लिए हजारों श्रद्धालुओं की इस तरह के तरीकों और उपचारों पर विश्वास और श्रद्धा है। श्रद्धा को ही देव शक्ति से कोई भी फल पाने की सबसे बड़ी ताकत मानी जाती है। हालांकि चिकित्सा विज्ञान भूत प्रेत से ग्रसित व्यक्ति को रोगी मानता है। इसलिए श्री मेंहदीपुर बालाजी में भूतप्रेत से मुक्त करने के लिए अपनाए गए शारीरिक कष्ट देने वाले उपायों को अंध विश्वास मानता है। किंतु श्री मेंहदीपुर बालाजी और इस स्थान पर विश्वास और अगाध श्रद्धा रखने वालों की असंख्य है और उनके अनुभव के अनुसार श्री मेंहदीपुर बालाजी की शक्ति अद्भूत, अलौकिक है और भौतिक संसार से परे है।

अन्य दर्शनीय स्थान -

श्री मेंहदीपुर बालाजी में अन्य दर्शनीय देवस्थान भी हैं। जिनमें नीलकंठ महादेव मंदिर, माताजी का मंदिर, के लादेवी का मंदिर और प्रताप वाटिका प्रमुख है। पहुंच के संसाधन -

श्री मेंहदीपुर बालाजी दर्शन हेतु पहुंचने के लिए वायुमार्ग, रेलमार्ग और सड़क परिवहन की सुविधा उपलब्ध है।

वायुमार्ग - श्री मेंहदीपुर बालाजी पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी हवाई अड्डा सागानेर, जयपुर में है। जिसकी यहां से दूरी लगभग 113 किलोमीटर है।

रेल मार्ग - श्री बालाजी के दर्शन हेतु आने के लिए निकटतम रेल्वे स्टेशन बांदीकुई है। जिसकी यहां से दूरी 40 किलोमीटर है।

सड़क मार्ग - मेहंदीपुर बालाजी का मंदिर उत्तर भारत के सभी मुख्य शहरों से सड़क मार्ग द्वारा जुड़ा है। आगरा और जयपुर राजमार्ग पर तेज गति की बस सेवा उपलब्ध है। निजी वाहन द्वारा भी दिल्ली से अलवर-महवा या मथुरा-भरतपुर-महवा सड़क मार्ग से होते हुए श्री मेहंदीपुर बालाजी पहुंचा जा सकता है।

ऐसा आचरण करें -

- मंदिर में अन्य भूत-प्रेत पीड़ित लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करें।
- मंदिर में स्नान कर, स्वच्छ कपड़े पहनकर, पंक्ति में लगकर ही प्रवेश करें।
- बच्चों को ऐसे सुरक्षित स्थान पर रखें, जहां शौच आदि की व्यवस्था हो, ताकि मंदिर की स्वच्छता भी बनी रहे और बच्चे भयभीत न हो।
- मंदिर में झूठ बोलना या कोलाहल करने की अनुमति नहीं है।
- मंदिर के केन्द्रस्थान में भगवान को चढ़ाने के लिए प्रसाद पुजारी को ही दें।
- भूत प्रेत से बाधित व्यक्ति और महिलाओं द्वारा दर्शन हेतु मंदिर में आने पर किसी को साथ होना आवश्यक है।
- मंदिर में आपतिजनक स्थिति में आना और धूम्रपान करना प्रतिबंधित है।
- भूतप्रेत बाधा से मुक्ति श्री बालाजी की कृपा और आशीर्वाद से हो सकती है। इसके लिए मंदिर ट्रस्ट के जिम्मेदार प्रतिनिधि से संपर्क करें न ही किसी साधु,संन्यासी या फकीर के झांसे में आए।

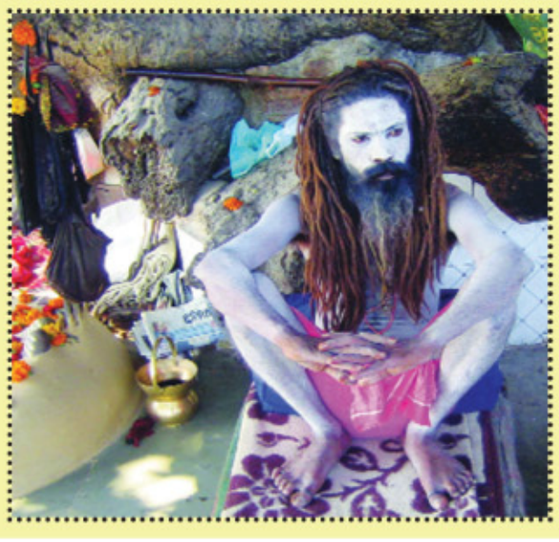

टी20 विश्व कप 2024 : अपने आखिरी ग्रुप-स्टेज मैच के लिए फ्लोरिडा पहुंची भारतीय टीम

एजेंसी

फ्लोरिडा। न्यूयॉर्क में चल रहे टी20 विश्व कप 2024 के तीन मैच जीतने के बाद, टीम इंडिया कनाडा के खिलाफ अपने आखिरी ग्रुप-स्टेज मैच के लिए फ्लोरिडा पहुंच गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के आधिकारिक मीडिया हैंडल पर शुक्रवार को साझा किए गए एक वीडियो में, मोहम्मद सिराज और युजवेंद्र चहल को फ्लाइट में यात्रा करते समय बातचीत करते देखा जा सकता है। बीसीसीआई ने क्लिप शेयर करते हुए एक्स पर लिखा, टीम इंडिया टी20 विश्वकप के अपने आखिरी ग्रुप-स्टेज मैच के लिए फ्लोरिडा पहुंच गई है।फिलहाल, भारत टूर्नामेंट में अपने तीनों प्रतिद्वंद्वियों को हराकर ग्रुप ए की अंक तालिका में शीर्ष पर है। बुधवार को यूएसए को सात विकेट से हराने के बाद वे ग्रुप ए के अपने अंतिम मुकाबले में कनाडा से भिड़ेंगे। भारत ने अब तक तीन मैचों में तीन जीत के साथ टूर्नामेंट के सुपर आठ चरण में प्रवेश कर लिया है।

अभिनव बिंद्रा ने रुद्राक्ष पाटिल को ओलंपिक टीम से बाहर करने के एनआरएआई के फैसले का किया समर्थन

मुंबई। अभिनव बिंद्रा ने पेरिस ओलंपिक के लिए भारत की शूटिंग टीम से 10 मीटर एयर राइफल शूटर रुद्राक्ष पाटिल को बाहर किये जाने के भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के फैसले का समर्थन किया है। पाटिल ने खेलों के लिए 10 मीटर एयर राइफल कोटा हासिल किया था, लेकिन एनआरएआई के चयन ट्रायल में संदीप सिंह और अर्जुन बाबूता से पीछे रहने के बाद उन्हें इस आयोजन के लिए 15 सदस्यीय भारतीय दल में जगह नहीं मिल सकी। ओलंपिक दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए, जिसके अनुसार कोई देश ट्रायल से खेलों में एक इवेंट में केवल शीर्ष दो निशानेबाजों को ही भेज सकता है, बिंद्रा ने कहा, देखिए, यह कोई निर्णय नहीं है। यह चयन का मामला है। इसके लिए एक उचित प्रक्रिया निर्धारित की गई है और उन्होंने उसी प्रक्रिया का पालन किया।आईआईएसएम दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शहर में आए बिंद्रा ने कहा, यदि प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया तो आप यही सवाल पूछेंगे। लेकिन सभी के लिए एक निष्पक्ष प्रक्रिया रखी गई थी और उसका पालन किया गया।

18 साल की दिव्या विश्व जूनियर चेस चैंपियन बनीं, पूरे टूर्नामेंट में अपराजेय रहीं

गांधीनगर। 18 वर्षीय अंतरराष्ट्रीय मास्टर और महिला ग्रैंड मास्टर दिव्या देशमुख ने अंडर-20 विश्व जूनियर चैंपियन बनने का गौरव हासिल कर लिया है। नागपुर की दिव्या ने 11 दौर में 10 अंक हासिल किए। वह पूरे टूर्नामेंट में अपराजेय रहीं। उन्होंने 11 मैच में नौ जीत हासिल की और उनके दो मुकाबले ड्रॉ रहे। उन्होंने बृहस्पतिवार को 11वें दौर में बुल्गारिया की बेलोस्लावा क्रास्तेवा को सफेद मोहरों से खेलते हुए पराजित किया।

एशियाई जूनियर चैंपियन भी हैं दिव्या

2456 की ईएलओ रेटिंग रखने वाली दिव्या एशियाई जूनियर चैंपियन भी हैं और यह लगातार उनकी दूसरी खिताबी जीत है। इससे पहले उन्होंने बीते माह शारजाह चैलेंजर्स का खिताब जीता था। आर्मेनिया की मरियम मकर्चयन 9.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि अजरबैजान की अयान अल्लाहवारदिएवा 8.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। 10वें दौर में दिव्या ने अपनी ही साथी साची जैन को सिर्फ 26 चालों में हराकर अपने खिताब की उम्मीदों को मजबूत कर लिया था।

घुड़सवार श्रुति वोरा ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत

नई दिल्ली। भारत की अनुभवी घड़सवार श्रुति वोरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की। श्रुति थ्री स्टार ग्रां प्री प्रतियोगिता जीतने वाली पहली भारतीय राइडर (घुड़सवार) बन गई हैं। भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) ने यह जानकारी दी। कोलकाता की रहने वाली श्रुति ने ड्रेसेज विश्व चैंपियनशिप (2022) और एशियाई खेलों (2010, 2014) में भारत का प्रतिनिधित्व किया है।श्रुति ने सात से नौ जून तक स्लोवेनिया के लिपिका में आयोजित सीडीआई-3 प्रतियोगिता में 67.761 अंक हासिल किए। भारतीय खिलाड़ी मोलदोवा की तातियाना एंटोनेंको (आचेन) से आगे रहीं जिन्होंने 66.522 अंक हासिल किए। ऑस्ट्रिया की जूलियन जेरिच (क्वार्टर गर्ल) ने 66.087 अंकों के साथ शीर्ष तीन में जगह बनाई। श्रुति ने ग्रां प्री स्पेशल में भी सराहनीय प्रदर्शन किया जो इसी स्थान पर एक साथ आयोजित की गई। वह 66.085 अंकों के साथ एंटोनेंको के बाद दूसरे स्थान पर रहीं। श्रुति ने कहा, मैं परिणाम से बेहद खुश हूं। मैंने कड़ी मेहनत की है और जीत वाकई संतोषजनक है। यह जीत ओलंपिक वर्ष में मिली है और यही इसे महत्वपूर्ण बनाता है।

टी20 विश्व कप: इंग्लैंड ने ओमान को हराकर बेहतर किया नेट रन रेट

एजेंसी

एंटीगुआ। इंग्लैंड ने सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में ओमान पर 8 विकेट से जीत दर्ज करके टी20 विश्व कप में शानदार वापसी की। इंग्लैंड ने ओमान को 47 रन पर ढेर कर दिया और 3.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत से इंग्लैंड ने ग्रुप बी में अपना नेट रन रेट (एनआरआर) बेहतर कर लिया।

पहले गेंदबाजी करने का फैसला करने के बाद, इंग्लैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण ने ओमान के बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया, मार्क वुड और जोफ्रा आर्चर ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि आदिल राशिद ने 4 विकेट लिया, जिससे ओमान की टीम 13.2 ओवर में केवल 47 रन पर सिमट गई।

ओमान की तरफ से शोएब खान ने सर्वाधिक 11 रन बनाए।

48 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लिश टीम ने केवल 3.1 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 50 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। फिल साल्ट ने पहली दो गेंदों पर छक्का जड़ा और तीसरी गेंद पर आउट हो गए। उन्होंने बिलाल खान ने बोल्ड किया। दूसरे ओवर में 20 के कुल स्कोर पर विल जैक्स के 5 रन बनाकर कलिमुल्लाह का शिकार बने। इसके बाद जोस बटलर (8 गेंदों पर नाबाद 24 रन) और जॉनी बेयरस्टो (2 गेंदों पर नाबाद 8 रन) ने 3.1 ओवर में टीम को 8 विकेट से जीत दिला दी।

इंग्लैंड का अब ग्रुप बी में दूसरे स्थान पर मौजूद स्कॉटलैंड (2.164) से बेहतर नेट रन रेट (3.081) है, इसलिए अगर वे नामीबिया को हरा देते हैं और स्कॉटलैंड ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक भी अंक हासिल करने में विफल रहता है, तो वे सुपर 8 के लिए क्वालीफाई कर लेंगे।ओमान के लिए, ग्रुप में यह चौथी हार थी और इसके साथ ही विश्व कप में उनका अभियान भी समाप्त हो गया।

बंगाल प्रो टी20 लीग: आकाशदीप बने सर्वश्रेष्ठ आलराउंड खिलाड़ी

एजेंसी

कोलकाता। खेले गए अपने दूसरे मैच में सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स को मुर्शिदाबाद किंग्स के हाथों सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा। पहले बल्लेबाजी करते हुए सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स 19.1 ओवर में 113 रन ही बना सकी, जिसके जवाब में मुर्शिदाबाद किंग्स ने इस लक्ष्य को 18वें ओवर में ही हासिल कर लिया।

मैच के लिए सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर का पुरस्कार जीतने वाले सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स के गेंदबाज आकाश दीप ने कहा कि, हमने 25 रन कम बनाए जो हार का कारण बना। एक समय सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स का स्कोर 55/8 हो गया था लेकिन आकाश दीप की 20 गेंदों में 30 रनों की खेली गई पारी की बदौलत टीम एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच पाई। हार के बाद मैच के बारे में बोलते हुए आकाश दीप ने कहा, विकेट अच्छा था लेकिन शुरुआती झटकों से टीम बैकफुट पर आ गई। मुझे लगता है कि हम अगर कुछ साझेदारियां बना पाते तो टीम कुछ और रन बना सकती थी। 130 का टोटल इस विकेट पर काफी बेहतर होता। आकाश दीप ने इस मैच में 30 रन बनाने के साथ ही 3 विकेट भी चटकाए। आकाश दीप ने कहा, जब मैं बल्लेबाजी करने उतरा, तो मेरा लक्ष्य अंत तक खेलना था लेकिन आखिरी दो ओवरों में कुछ शॉट लगाने की कोशिश की और आउट हो गया।

अब सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स का सारा फोकस अपने अगले मैच पर है जो शनिवार को राची रार टाइगर्स के खिलाफ खेला जाएगा। आकाश दीप ने आगे कहा, हम एक समय में एक ही मैच के बारे सोच रहे हैं, अब हमारा ध्यान अपने अगले मैच पर है और निश्चित रूप से हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

ओलंपिक में हिस्सा नहीं लेंगे मेसी, कहा–कोपा अमेरिका के बाद लगातार दूसरा टूर्नामेंट खेलना मुश्किल

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्जेंटीना के फीफा विश्व कप विजेता कप्तान और दिग्गज स्ट्राइकर लियोनेल मेसी ने पुष्टि की कि वह पेरिस 2024 ओलंपिक में भाग नहीं लेंगे। पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से शुरू होगा और 11 अगस्त तक चलेगा। प्रतियोगिता कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के समापन के बाद शुरू होगी, जो 20 जून से 14 जुलाई तक चलेगा। अर्जेंटीना के अंडर-23 कोच जेवियर माशेरानो ने दिग्गज फुटबॉलर को ओलंपिक में शामिल करने की उम्मीद जताई थी, लेकिन अब मेसी ने इससे इनकार कर दिया है ।ओलंपिक में भाग लेने का मतलब अपने क्लब इंटर मियामी से दूर रहना भी होगा और यह मेसी द्वारा लिए गए निर्णय के कारकों में से एक था।मेसी ने ईएसपीएन से बातचीत में कहा, मैंने मास्चेरानो से बात की और सच्चाई यह है कि हम दोनों ही स्थिति को समझते हैं। मुझे सावधानी से चुनना होगा, और लगातार दो टूर्नामेंट खेलना बहुत ज़्यादा होगा। मैं ओलंपिक में खेलने और माशे के साथ मिलकर इसे जीतने के लिए बहुत भाग्यशाली रहा हूँ। यह फुटबॉल के स्तर पर एक शानदार अनुभव था।

यह जोड़ी अर्जेंटीना की उस टीम का हिस्सा थी जिसने 2008 में बीजिंग ओलंपिक में नाइजीरिया को फाइनल में 1-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था। इस बात से निराश होने के बावजूद कि उन्हें ओलंपिक में खेलने और अपने पदकों में इज़ाफा करने का एक और मौका नहीं मिलेगा, मेसी को उम्मीद है कि अन्य खिलाड़ी पेरिस में अपने अनुभव का आनंद लेंगे।

उन्होंने कहा, इतनी किस्मत होना शानदार है कि मुझे यह सब करने का मौका मिला। मुझे उम्मीद है कि जो लोग वहाँ जाएँगे, वे भी उसी तरह इसका आनंद लेंगे जैसे मैंने लिया क्योंकि यह विशेष था। ओलंपिक किसी भी अन्य टूर्नामेंट की अपेक्षा विशेष होता है। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के अपने पूर्व साथी किलियन एमबाप्पे की इस राय पर कि यूरो जीतना फीफा विश्व कप से कहीं ज़्यादा मुश्किल है, मेस्सी ने कहा कि यूरो महत्वपूर्ण है, लेकिन इसमें अर्जेंटीना, ब्राजील और उरुग्वे जैसी कई विश्व चैंपियन टीमें नहीं हैं।

मेसी ने कहा, यूरो बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन इसमें तीन बार की विश्व चैंपियन अर्जेंटीना, पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील और दो बार की विश्व चैंपियन उरुग्वे शामिल नहीं हैं।

कई विश्व चैंपियन हैं जो यह कहने से चूक गए हैं कि यूरो सबसे कठिन है, है न? विश्व कप में, सर्वश्रेष्ठ टीमें होती हैं, सभी विश्व चैंपियन आम तौर पर वहाँ होते हैं। यही कारण है कि हर कोई विश्व चैंपियन बनना चाहता है।

मंगोलिया को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची भारतीय पुरुष टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष टीम ने एशियाई टीम स्क्वाश चैंपियन में शानदार प्रदर्शन जारी रखा और मंगोलिया को 3-0 के हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

पूर्व चैंपियन भारत शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान से भिड़ेगा। जापान पहले ही पूल डी से अंतिम आठ चरण के लिए क्वालीफाई कर चुका है।भारत की महिला टीम ने चीनी ताइपे को 3-0 से हराया, लेकिन मलेशिया से समान अंतर से हार गई। टीम को अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए ग्रुप-ए के अंतिम लीग मैच में दक्षिण कोरिया को हराना होगा।

टी20 विश्व कप: पीएनजी को हराकर अफगानिस्तान सुपर 8 में, न्यूजीलैंड बाहर

एजेंसी

तरौबा। तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी के शानदार तीन विकेट और गुलबदीन नायब की बेहतरीन पारी की बदौलत अफगानिस्तान ने शुक्रवार को त्रिनिदाद और टोबैगो में आईसीसी टी20 विश्व कप मैच में पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) को सात विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही अफगानिस्तान ने तीन मैचों में तीसरी जीत दर्ज की और वेस्टइंडीज के साथ सुपर 8 चरण में पहुंच गया। साथ ही न्यूजीलैंड, जो अब तक अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज से हार चुका है, टूर्नामेंट से बाहर हो गया है।

96 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही और 2.5 ओवर में केवल 22 रन पर दोनों सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज (सात गेंदों में 11 रन) और इब्राहिम जादरान (0) पवेलियन लौट गए।

इसके बाद ऑलराउंडर गुलबदीन नायब और अजमतुल्लाह उमरजई ने 7.3 ओवर में टीम का स्कोर 50 रन के पार पहुंचाया। दोनों के बीच 33 रन की साझेदारी उमरजई के 18 गेंदों में 13 रन बनाकर आउट होने के साथ समाप्त हुई। 8.4 ओवर में अफगानिस्तान का स्कोर 55 रन पर 3 विकेट था। इसके बाद गुलबदीन ने मोहम्मद नबी के साथ मिलकर अफगानिस्तान को लक्ष्य तक पहुँचाया। अफगानिस्तान ने 15.1 ओवर में 3 विकेट पर 101 रन बनाकर जीत हासिल की। गुलबदीन 36 गेंदों में चार चौके और दो छक्के की बदौलत 49 और नबी 23 गेंदों में एक चौके की बदौलत 16 रन बनाकर नाबाद रहे। पीएनजी के लिए एली नाओ, सेमो कामेआ और नॉर्मन वनुआ ने एक-एक विकेट लिया।

अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया

इससे पहले अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पीएनजी की शुरुआत बेहद खराब रही और उन्होंने अपने कप्तान असद वाला को पहले ही ओवर में केवल 3 रन पर खो दिया। अगले आउट होने वाले खिलाड़ी लेगा सियाका और सेसे बाऊ थे, जिन्हें फजलहक फारूकी ने गोल्डन डक पर आउट किया। हिरी हिरी को नवीन उल हक ने सिर्फ एक रन पर क्लीन बोल्ड कर दिया। पीएनजी 3.1 ओवर में केवल 17 रन पर 4 विकेट खो दिया।

टी-20 विश्व कप: मियामी मैच के बाद स्वदेश लौट सकते हैं गिल, आवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। शुभमन गिल, जो इस समय भारतीय टीम के साथ रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर हैं, मौजूदा ट्वेंटी-20 विश्व कप में भारतीय टीम के मैचों के अमेरिकी चरण के समापन के बाद स्वदेश लौट आएंगे। रिजर्व पेसरों में से एक, संभवतः आवेश खान, भी 15 जून को फ्लोरिडा के फोर्ट लॉडरडेल में कनाडा के खिलाफ मैच के बाद स्वदेश लौट सकते हैं। दोनों खिलाड़ी फ्लोरिडा में हैं, बुधवार को चार्टर्ड फ्लाइट से टीम के साथ न्यूयॉर्क से फोर्ट लॉडरडेल पहुंचे। बुधवार दोपहर को लॉन्ग आइलैंड के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल स्टेडियम में दोनों टीमों के बीच मैच के बाद भारत और यूएसए दोनों टीमों के लिए चार्टर फ्लाइट का बंदोबस्त किया गया था।

क्रिकबज के अनुसार, गिल और आवेश दोनों की यात्रा केवल अमेरिका दौरे तक ही थी, जब तक कि खिलाड़ियों को अप्रत्याशित चोट न लग जाए। वे टीम के साथ रिजर्व के तौर पर गए थे, क्योंकि किसी खिलाड़ी को अप्रत्याशित चोट लगने की स्थिति में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के लिए भारत से अमेरिका या कैरेबियाई देशों में अतिरिक्त खिलाड़ी भेजना तुरंत संभव नहीं होगा।

14 जून को निर्धारित अभ्यास के दौरान या अगले दिन खेल के दौरान किसी नियमित खिलाड़ी के चोटिल होने की स्थिति में दोनों खिलाड़ियों को मैदान पर ही रहने के लिए कहा जा सकता है। लेकिन इसकी संभावना बहुत कम है क्योंकि फ्लोरिडा में मौजूदा खराब मौसम विश्व कप के कार्यक्रम को बाधित कर सकता है। टीम में तीसरे सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी हैं और अतिरिक्त तेज गेंदबाज की जरूरत नहीं पड़ सकती है क्योंकि टीम के कैरेबियाई चरण में स्पिनरों पर अधिक निर्भर रहने की उम्मीद है। गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद और आवेश मूल रूप से रिजर्व खिलाड़ी थे, जिन्हें चयन समिति ने 30 अप्रैल को विश्व कप के लिए टीम की घोषणा के समय नामित किया था।

यूईएफए यूरो 2024: चोट के कारण क्रोएशिया के खिलाफ मैच से बाहर हुए लापोर्ट

एजेंसी

बर्लिन। स्पेन के सेंट्रल डिफेंडर एमेरिक लापोर्ट मांसपेशियों की समस्या के कारण शनिवार को क्रोएशिया के खिलाफ 2024 यूईएफए यूरो के उद्घाटन मैच से बाहर हो गए हैं। फ्रांस में जन्मे लापोर्ट ने प्रशिक्षण सत्र में भाग नहीं लिया, हालांकि स्पेनिश फुटबॉल महासंघ (आरएफईएफ) ने सूचित किया है कि वह खेल से पहले शुक्रवार को बाकी टीम के साथ बर्लिन की यात्रा करेंगे। हालांकि वह टीम के साथ होंगे, लेकिन उनका क्रोएशिया के खिलाफ मैच से चूकना तय है, क्योंकि स्पेन की रक्षा पंक्ति में रॉबिन ले नॉर्मंड के साथ नाचो फर्नांडीज या डेनी विवियन के शामिल होने की संभावना है। लापोर्ट सऊदी अरब में सीज़न खत्म होने के बाद स्पेन की टीम में शामिल होने वाले खिलाड़ियों में से एक थे। पिछले शनिवार को उत्तरी आयरलैंड पर स्पेन की 5-1 की जीत में उन्होंने सिर्फ़ 40 मिनट मैदान पर बिताया, जो 23 मई के बाद से उनका पहला प्रतिस्पर्धी मैच था, जब उन्हें अल-नासर के लिए खेलते हुए रेड कार्ड दिखाया गया था।

चीनी बास्केटबॉल एसोसिएशन ने मुख्य कोच अलेक्जेंडर जोर्डजेविक के साथ खत्म किया करार

एजेंसी

बीजिंग। चीनी बास्केटबॉल एसोसिएशन (सीबीए) ने कोच अलेक्जेंडर जोर्डजेविक के साथ अपना करार खत्म कर दिया है। सीबीए ने जोर्डजेविक की जगह गुओ शिकियांग को चीन की पुरुष बास्केटबॉल टीम का कार्यवाहक मुख्य कोच नियुक्त किया है। जोर्डजेविक ने नवंबर 2022 में डु फेंग की जगह ली और हांगकांग, चीन में 2023 फीबा बास्केटबॉल विश्व कप एशियाई क्वालीफायर की छठी विंडो के दौरान चीन के मुख्य कोच के रूप में अपनी शुरुआत की।

सर्बिया के मूल निवासी जोर्डजेविक ने चीन को फीबा विश्व कप में पहुँचाया, लेकिन टीम मनीला में निराशाजनक 29वें स्थान पर रही और पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने में विफल रही। जोर्डजेविक की टीम को हांग्जो में एक और झटका लगा जब एशियाई खेलों की चैंपियनशिप का बचाव करने की उनकी योजना विफल रही और टीम को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। प्रमुख प्रतियोगिताओं में चीन की लगातार विफलताओं के कारण जोर्डजेविक को आलोचना का सामना करना पड़ा है। सीबीए ने एक बयान में कहा, भविष्य के पुनर्निर्माण कार्य और चीनी पुरुष बास्केटबॉल टीम की वास्तविक प्रतियोगिता आवश्यकताओं के आधार पर, सीबीए ने जोर्डजेविक और उनके दल के साथ अपने मौजूदा सहयोग को समाप्त कर दिया है। जोर्डजेविक ने सोशल मीडिया पर चीनी बास्केटबॉल को अलविदा कहते हुए कहा, चीनी महासंघ और उन खूबसूरत लोगों के प्रति मेरी हार्दिक कृतज्ञता, जिनसे मैं मिला और जिनके साथ काम किया। मैं कोचों, याओ मिंग और उनकी टीम और निश्चित रूप से टीम और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं। टीम चीन आगे बढ़ो - तुम्हारा सर्बियाई भाई तुम्हारा समर्थन करेगा! चीन इस ग्रीष्मकाल में 10 से अधिक मैत्रीपूर्ण मैच खेलेगा, जिसमें 5 से 10 जुलाई तक सैक्रामेंटो में होने वाली एनबीए समर लीग भी शामिल है।

विश्व रग्बी सेवंस 2024 रेपेचेज के लिए युगांडा ने टीम घोषित की

एजेंसी

कंपाला। युगांडा के कोच टॉल्बर्ट ओन्यांगो ने 21 से 23 जून तक फ्रांस के मोनाको में होने वाले विश्व रग्बी सेवेंस 2024 रेपेचेज के लिए पुरुष टीम की घोषणा कर दी है विश्व रग्बी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय विश्व रग्बी सेवेंस रेपेचेज में 12 पुरुष और 12 महिला टीमें पेरिस ओलंपिक में एक-एक अंतिम स्थान के लिए मुकाबला करेंगी।

ओन्यांगो ने सिन्हुआ से कहा, हमने अच्छी तैयारी की है और टीम पेरिस ओलंपिक के लिए अंतिम स्थान सुरक्षित करने के लिए जी-जान से खेलने के लिए तैयार है।

केन्या के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ओन्यांगो ने स्पष्ट किया कि ओलंपिक के लिए यह अंतिम क्वालीफायर बहुत कठिन होगा। उन्होंने कहा, लेकिन हम जानते हैं कि हमें क्या उम्मीद करनी है और हमारे लिए हर मैच फाइनल जैसा होगा।

युगांडा की पुरुष टीम को ब्रिटेन, कनाडा और चीन के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। युगांडा की टीम की कप्तानी करने वाले इयान मुन्यानी ने सिन्हुआ से कहा कि उन्हें ग्रुप मैचों से ही बहुत कठिन मुकाबलों की उम्मीद है। मुन्यानी ने कहा, चीन सहित हमारे प्रत्येक प्रतिद्वंद्वी के पास अलग-अलग दृष्टिकोण हैं और हम उन्हें उसी तरह से संभालेंगे जैसे वे आएंगे। ओन्यांगो की टीम पिछले महीने म्यूनिख में वर्ल्ड रग्बी एचएसबीसी 7ह्य चैलेंजर सीरीज़ में एक निराशाजनक प्रदर्शन से वापसी की उम्मीद कर रही है, जहाँ वे छठे स्थान पर रहे थे ग्रुप बी की टीमों के अलावा, अन्य टीमें दक्षिण अफ्रीका, चिली, टोंगा, मैक्सिको, स्पेन, चीन का हांगकांग, पापुआ न्यू गिनी और ब्राज़ील हैं। महिला वर्ग में, हाल ही में एचएसबीसी सेवंस सीरीज में पदोन्नत हुई चीन को पसंदीदा माना जा रहा है, लेकिन चीन के हांगकांग, अर्जेंटीना, केन्या और युगांडा भी इस स्थान के लिए दावेदार हैं।

विश्व रग्बी सेवंस 2024 रेपेचेज के लिए युगांडा की पुरुष टीम इस प्रकार है-

इयान मुन्यानी (कप्तान), एलेक्स अटरिंडा, फिलिप वोकोरच, प्यूस ओजेना, टीमोथी मुगिशा, एलेन ओलंगा, करीम अरिनेट्यू, विलियम कोरे, रॉय किजिटो, एड्रियन कासिटो, टीमोथी किसिगा, नॉरबर्ट ओकेनी।

बीबीएल: मेलबर्न रेनेगेड्स के नए मुख्य कोच बने कैमरून व्हाइट

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सीमित ओवरों के कप्तान कैमरन व्हाइट को बिग बैश लीग (बीबीएल) फ्रेंचाइजी मेलबर्न रेनेगेड्स को मुख्य कोच नियुक्त किया गया गया है। व्हाइट ने डेविड सेकर की जगह ली है। उन्होंने क्लब के साथ तीन साल का करार किया है। 40 वर्षीय व्हाइट पहली बार मुख्य कोच के रूप में कार्य करेंगे, लेकिन पिछले दो सालों से वे सिडनी सिक्सर्स के बॉस ग्रेग शिपर्ड के अधीन काम कर रहे हैं और इससे पहले एडिलेड स्ट्राइकर्स में सहायक कोच थे।उन्हें रेनेगेड्स की टीम विरासत में मिली है, जिसमें सफेद गेंद की रन मशीन जेक फ्रेजर-मैकगर्क, सुपरस्टार स्पिनर एडम जाम्पा और नाथन लियोन तथा बहुमूल्य खिलाड़ी जोश ब्राउन शामिल हैं। मेलबर्न रेनेगेड्स की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में व्हाइट ने कहा, एक खिलाड़ी के तौर पर और सफलता प्राप्त करने के मामले में यहां मेरी बहुत सारी शानदार यादें हैं, इसलिए कई सालों बाद रेनेगेड्स के साथ फिर से जुड़ना रोमांचकारी है। इस खेल समूह के साथ काम करने का विचार - जिसमें कुछ बहुत ही रोमांचक खिलाड़ी हैं, वास्तव में रोमांचक है। मैं वास्तव में कोच के रूप में अपनी यात्रा शुरू करने के लिए उत्सुक हूं। एक खिलाड़ी के रूप में, व्हाइट ने तीनों प्रारूपों में 142 बार ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया। उन्हें व्हाइट-बॉल टीमों में मध्य-क्रम के बल्लेबाज के रूप में उनके योगदान के लिए जाना जाता था। उनका टेस्ट करियर 2008 के भारत दौरे पर चार प्रदर्शनों तक सीमित था, व्हाइट ने छह बार टी-20आई टीम की कप्तानी की और 2011 में एक बार एकदिवसीय टीम की कप्तानी की।वह 2009 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया टीम के सदस्य भी थे। घरेलू स्तर पर, व्हाइट ने 2019 में रेनेगेड्स की एकमात्र बीबीएल चैंपियनशिप के दौरान खेला।

विक्टोरिया के सबसे लंबे समय तक शेफ़ील्ड शील्ड कप्तान रहे, व्हाइट ने 2000-2001 की गर्मियों में एक किशोर के रूप में अपने पदार्पण और 2019 में अपने अंतिम मैच के बीच 7000 से अधिक प्रथम श्रेणी रन बनाए।

सनी लियोनी

को केरल की एक यूनिवर्सिटी में परफॉर्म करने की नहीं मिली इजाजत, ये है वजह

सनी लियोनी सुर्खियों में आ गई हैं. इसकी वजह उनका डांस शो कैंसिल होना है. सनी 5 जुलाई को केरल की एक यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग कैंपस में डांस शो करने वाली थीं. इसकी जानकारी कॉलेज के रजिस्ट्रार को दी गई थी. लेकिन सनी को डांस शो की परमिशन नहीं मिली. यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. मोहनन कुन्नुमल ने रजिस्ट्रार को ये निर्देश दिए कि कैंपस में सनी का शो आयोजित नहीं किया जाएगा.दरअसल पिछले साल नवबंर में केरल के एर्नाकुलम जिले में कोचीन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में एक कॉन्सर्ट का आयोजन हुआ था. रिपोर्ट्स के मुताबिक इस कॉन्सर्ट में भगदड़ मच गई थी. उस भगदड़ में यूनिवर्सिटी के चार स्टूडेंट की मौत हो गई थी. इसके साथ ही 60 से ज्यादा स्टूडेंट घायल भी हो गए थे. इसी को ध्यान में रखते हुए ये फैसला किया गया है कि सनी के डांस शो को मनोरमा एंड मातृभूमि प्रोगाम की लिस्ट में शामिल नहीं किया गया है.

मलयालम फिल्म में नजर आएंगी

सनी लियोनी जल्द ही एक मलयालम फिल्म में नजर आने वाली हैं. इसे फिल्ममेकर पमपल्ली बना रहे हैं. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट से कुछ तस्वीरें शेयर कर जानकारी दी थी कि उन्होंने फिल्म की शूटिंग कर ली है. उन्होंने मुहूर्त सेरेमनी की झलक पेश की थी. इसके साथ उन्होंने लिखा था, मैं इस जबरदस्त मलयालम फिल्म का हिस्सा बनकर इतनी एक्साइटेज हूं कि मैंने अपने हाथ जला लिए.

सनी लियोनी की फिल्में

सनी लियोनी ने 'जिस्म 2', 'रागिनी एमएमएस 2', 'एक पहेली लीला', 'कुछ कुछ लोचा है', 'मस्तीजादे' जैसी कई बॉलीवुड फिल्मों में काम किया है. उन्हें पिछली बार राहुल भट्ट के साथ फिल्म 'कैनेडी' में देखा गया था. अभी ये भारत में रिलीज नहीं हुई है. इसके साथ ही उन्होंने कई साउथ फिल्मों में भी काम किया है. इसके अलावा वो जल्द ही एक बड़ी बॉलीवुड फिल्म का अनाउंसमेंट भी कर सकती हैं.

कार्तिक आर्यन

के फैंस के लिए खुशखबरी ! मात्र 150 रुपये में मिल रही Chandu Champion की टिकट, लेकिन ऑफर सीमित

कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चैंपियन 14 जून को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन ने पैरालिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर का किरदार निभाया है। ये एक बायोपिक फिल्म है। पिछले काफी समय से ये फिल्म और कार्तिक आर्यन काफी चर्चा में हैं। अब चूंकि फिल्म की रिलीज डेट इतनी नजदीक आ गई है तो मेकर्स ने दर्शकों को भी खुश करने का जिम्मा उठा लिया है।

बेहद सस्ती हुई टिकट

वैसे आम मौकों पर जो टिकट 200 से 400 रुपये की मिलती है,मेकर्स ने उसके दाम गिरा दिए हैं। चंदू चैंपियन की टिकट बेहद सस्ती हो गई है। इससे छोटे शहर के लोगों को खासतौर पर खुशी होगी और फिल्म एक बड़ी ऑडियंस तक पहुंचेगी। दरअसल फैंस ने 14 जून के लिए चंदू चैंपियन का टिकट प्राइस 150 रुपये कर दिया है। अगर आप अभी बुक माय शो पर फिल्म का टिकट बुक करते हैं तो ये आपको सिर्फ 150 रुपये में मिल जाएगा।

इस डील से मेकर्स ज्यादा से ज्याद दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचना चाहते हैं। कम टिकट प्राइस होने की वजह से कई लोग इसकी तरफ आकर्षित होंगे और अपना कीमती समय निकालकर फिल्म देखने पहुंचेंगे। आपको बता दें कि ये ऑफर सिर्फ ओपनिंग डे के लिए है। बाकि दिनों में फिल्म का टिकट प्राइस अपनी नॉर्मल कीमत पर ही होगा।

कार्तिक ने शेयर की न्यूज

कार्तिक आर्यन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ये गुडन्यूज अपने फैंस के साथ शेयर की। इस पोस्ट को शेयर करते हुए कार्तिक ने लिखा, तने साल की हमारी मेहनत का फल आपके सामने है। देखिए भारत के चैंपियन की कहानी, इस शुक्रवार सिर्फ 150 रुपये में। यह ऑफर सिर्फ इस शुक्रवार के लिए है।स फिल्म को कबीर खान ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म के लिए मुरली पेटकर को साल 2018 में भारत सरकार ने पद्म श्री से सम्मानित किया था।

नहीं काम आया 6 महीने के लिए रोटी-चावल छोड़ना, शिल्पा शिंदे के बाद 'खतरों के खिलाड़ी 14' से बाहर हुईं ये टीवी एक्ट्रेस

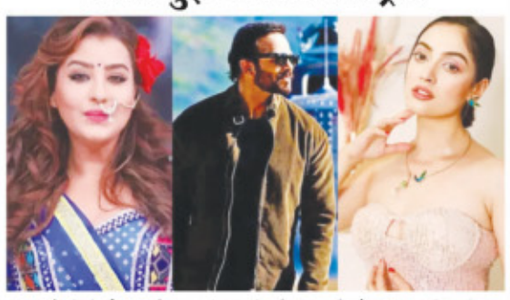

कलर्स टीवी के एडवेंचर रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' सीजन 14 में अब तक दो एविक्शन हो चुके हैं. मीडिया रिपोर्ट की मानें तो 'बिग बॉस सीजन 11' की विनर शिल्पा शिंदे सबसे पहले रोहित शेट्टी के शो से बाहर हो गई थीं. हालांकि इस बारे में न तो शिल्पा की तरफ से कोई कन्फर्मेशन दिया गया है, न ही कलर्स टीवी की तरफ से. अब सुनने में आया है कि रोहित शेट्टी के शो में एक और एविक्शन हो चुका है. और इस एविक्शन में भी एक सेलिब्रिटी महिला कंटेस्टेंट शो से बाहर हो गई हैं.एक यूट्यूब चैनल के किए हुए दावे के मुताबिक शिल्पा शिंदे के बाद टीवी एक्ट्रेस अदिति शर्मा 'खतरों के खिलाड़ी' से बाहर हो गई हैं. गश्मीर महाजनी, अभिषेक कुमार, करणवीर मेहरा और अदिति शर्मा के बीच हुए इस मुकाबले में अदिति सबसे पीछे रह गईं. और इस वजह से शो के होस्ट रोहित शेट्टी ने उन्हें इस रियलिटी शो से बाहर कर दिया. दरअसल 6 महीने से अदिति 'खतरों के खिलाड़ी' के लिए तैयारी कर रही थीं. उनके माता-पिता चाहते थे कि वो इस सीजन की विनर बनें. उन्होंने शो में फिट दिखने के लिए चावल और रोटी खाना भी बंद कर दिया था. लेकिन अदिति की ये स्ट्रिक्ट डाइट उनके कुछ खास काम नहीं आई.

जानें कौन-से स्टंट में बाहर हुईं अदिति शर्मा

गश्मीर महाजनी, अभिषेक कुमार, करणवीर मेहरा और अदिति शर्मा को रोहित शेट्टी ने अंडरवॉटर स्टंट परफॉर्म करने का टास्क दिया था. सूत्रों की मानें तो ये टास्क अब तक इस सीजन में दिए टास्क के मुकाबले काफी मुश्किल था. लेकिन इन चारों सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट ने बिना अबोर्ट किए इस टास्क को शिद्दत से पूरा किया. हालांकि टाइम से जुड़े इस टास्क में सबसे ज्यादा समय लेने की वजह से अदिति को बाहर कर दिया गया. रोहित शेट्टी का 'खतरों के खिलाड़ी' अंकिता लोखंडे और विक्की जैन के 'लाफ्टर शेफ' को रिप्लेस करने वाला है.

आराधना की शूटिंग के दौरान तवज्जो ना मिलने पर फरीदा जलाल से चिढ़ गए थे राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर ने लिया था पक्ष

राजेश खन्ना आज भी अपने स्टारडम के लिए जाने जाते हैं। उनकी फिल्मों से ज्यादा उनके फैंस के किस्से हैरान करते हैं। हालांकि, राजेश खन्ना के कई को-स्टार्स उन्हें घमंडी भी बता चुके हैं। वहीं, अब फरीदा जलाल ने भी राजेश खन्ना को लेकर कुछ ऐसा ही कहा है। अभिनेत्री ने ये भी बताया कि उनसे तवज्जो न मिलने पर राजेश खन्ना नाराज भी हो गए थे।हालांकि, अभिनेत्री ने ये भी कबूल किया कि उन्होंने कभी भी उनके जैसा स्टारडम नहीं देखा है! फरीदा जलाल ने फिल्म आराधना में राजेश खन्ना के साथ काम किया था। फिल्म में वो उनकी हीरोइन थीं। आराधना में शर्मिला टैगोर ने भी लीड रोल निभाया था।

फरीदा से चिढ़ गए थे राजेश खन्ना

फरीदा जलाल ने आराधना की शूटिंग दे दिनों को लेकर अपने हालिया इंटरव्यू में बात की। अभिनेत्री ने कहा कि आराधना की रिलीज के बाद ही वे द राजेश खन्ना बने थे, लेकिन फिल्म पर काम करने के दौरान वो सेट पर भी काफी घमंडी थे। बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत में फरीदा जलाल ने कहा, मैंने उन्हें ज्यादा तवज्जो नहीं दिया, इसलिए वे मुझसे नाराज हो गए थे। मैं अपनी ही दुनिया में रहती थी। वे इससे थोड़े उखड़ गए थे।

सेट पर हो गया था झगड़ा

फरीदा जलाल ने ये भी बताया कि राजेश खन्ना उनसे काफी रुखा बर्ताव करते थे। उन्होंने कहा, मुझे लगता था कि ये आदमी बहुत घमंडी है, बहुत अहंकारी है। जब मैं रिहर्सल के लिए कहती, तो वो कहते कितनी रिहर्सल करोगी? मैं एक नई-नई थी। मुझे बहुत बुरा लगता था। मैंने यहां तक कहा आप मुझसे इस तरह कैसे बात कर सकते हैं? मैं चाहूं तो 10 रिहर्सल की डिमांड कर सकती हूं। हमारी वहां लड़ाई हो गई थी, शर्मिला जी ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने मुझे बचाया, वो मेरे बचाव में बोलती थीं।

राजेश खन्ना के पैरों में गिर जाती थीं लड़कियां

फरीदा जलाल ने राजेश खन्ना के स्टारडम के बारे में भी बात की। अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने इस तरह का स्टारडम कभी नहीं देखा था और ये थोड़ा अजीब भी था। फरीदा जलाल ने कहा, मैं देखती थी कि कैसे लोग उसके लिए पागल हो जाते थे। लड़कियां उनके पैरों में गिर जाती थीं।

वे उनसे अपने हाथ, चेहरे पर साइन करने के लिए कहती थीं। मुझे ये देखकर घिन आती थी। वो (राजेश खन्ना) गर्व से मेरी तरफ देखते और कहते देखा? मैंने उनके साथ काम किया था, लेकिन मुझे कभी भी उन लड़कियों जैसा नहीं लगा। पता नहीं उनके फैंस के साथ क्या दिक्कत थी ? मैंने इस तरह का स्टारडम कभी नहीं देखा।